हिन्दी दैनिक

https://samachar-bharat.com:

आजादी अभिव्यक्ति की

समाचार भारत

लखनऊ से प्रकाशित

Email-samacharbharatgzp@gmail.com

• वर्ष : 1 • अंक :181 • उत्तर प्रदेश, 13 मई 2026 • पृष्ठ: 10 • मूल्य : 07 रुपये, R. N.- UP-30-0062085 | M.O.- 9415700880

हिमंत बिस्व सरमा लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

एजेंसी। गुवाहाटी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। हालांकि, असम में भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी बार सरकार का गठन हुआ है। वर्ष 2016 में पहली बार भाजपा ने असम में सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने में सफल हुई थी। गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित भव्य समारोह में डॉ. सरमा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा समेत राजग शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में शपथ ली। उनके साथ भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक रामेश्वर तेली और अजंता नेओग, असम गण परिषद (अगप) के अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के चरण बोडो ने मंत्री पद की शपथ ली। उल्लेखनीय है कि असम विधानसभा चुनाव 2026 में राजग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 126 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटों पर जीत हासिल की। इसमें भाजपा को 82 सीटें मिलीं, जबकि सहयोगी दलों अगप को 10 तथा बीपीएफ को 10 सीटों पर जीत हासिल करने में सफलता हासिल की। समारोह के दौरान पूरे राज्य से पहुंचे लाखों लोग जय श्रीराम, भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय आई असम आदि के नारे लगाते रहे, जिससे पूरे माहौल में उत्साह देखा गया। समारोह में महिलाओं की भी बड़ी सख्या में मौजूदगी देखी गयी। भारी संख्या में पहुंचे लोगों की सुविधा के लिए पंडाल के अलग-अलग हिस्सों में बड़े-बड़े एलईडी डिस्प्ले लगाए गये थे। डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, रामेश्वर तेली, अजंता नेओग तथा असम गण परिषद (अगप) विधायक अतुल बोरा ने असमिया भाषा में शपथ ग्रहण किया, जबकि बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के विधायक चरण बोडो ने बोडो भाषा में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में आज मुख्यमंत्री सफेद धोती-कुर्ता एवं गले में असमिया गमोछा धारण कर नजर आए। शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के सभी स्तर के पदाधिकारियों के साथ नेताओं को भी आमंत्रित किया गया था। आयोजन में किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गयी थी।

मोदी के विजन, नीति से असम विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंगलवार को गुवाहाटी में आयोजित असम की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुईं। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा एवं मंत्री पद की शपथ लेने वाले उनके मंत्रिमंडल के सभी सहयोगियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और नॉर्थ-ईस्ट को भारत की अष्टलक्ष्मी के रूप में स्थापित करने की उनकी नीति के परिणामस्वरूप आज असम विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इसी का प्रतिफल है कि भारतीय जनता पार्टी की यह ऐतिहासिक हैट्रिक जन-विश्वास और स्थिरता का प्रतीक बनकर सामने आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्यों को भारत की अष्टलक्ष्मी के रूप में जो मान-सम्मान और पहचान प्रधानमंत्री ने दी है, उसे आज जन-जन का भरपूर समर्थन मिल रहा है। असम का प्रचंड जनादेश इसकी स्पष्ट पुष्टि करता है। सबका साथ, सबका विकास के संकल्प ने असम में सेवा और सुशासन के नए दौर को और अधिक सशक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में नवगठित एनडीए सरकार जनाकांक्षाओं को पूरा करेगी और समृद्ध एवं विकसित असम के संकल्प को साकार करने में अपनी प्रभावी भूमिका निभाएगी।

असम में लगातार तीसरी बार राजग सरकार बनने पर प्रधानमंत्री ने सरमा को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम में लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के गठन पर मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हिमंता सरमा ने एक कुशल प्रशासक के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है और राज्य के विकास के लिए कई परिवर्तनकारी कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, "असम के लिए आज एक विशेष दिन है। लगातार तीसरी बार राजग सरकार ने सत्ता संभाली है। मैं डॉ. हिमंत बिस्व सरमा को पदभार ग्रहण करने पर बधाई देता हूं। उन्होंने एक उत्कृष्ट प्रशासक के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है और राज्य के लिए कई अग्रणी कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले कार्यकाल के लिए उनकी शुभकामनाएं मुख्यमंत्री के साथ हैं। प्रधानमंत्री ने असम सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने वाले रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोरो और अजंता नियोग को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि इन नेताओं के प्रयासों से असम के विकास की गति और मजबूत होगी। मोदी ने एक अन्य पोस्ट में कहा, "मैं रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोरो और अजंता नियोग को असम सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई देता हूं। राज्य के विकास की यात्रा को मजबूत करने की दिशा में उनके प्रभावी कार्यों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

संक्षिप्त समाचार

साइबर धोखाधड़ी रोकने के लिए आई4सी और आरबीआईएच के बीच एमओयू, एआई से होगी अवैध खातों की पहचान

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि मोदी सरकार 'साइबर सुरक्षित भारत' के निर्माण के लिए लगातार काम कर रही है और साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने में 'म्यूल अकाउंट' बड़ी बाधा हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित नई व्यवस्था साइबर धोखाधड़ी से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) और रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (आरबीआईएच) के बीच साइबर वित्तीय धोखाधड़ी और बैंकिंग प्रणाली में अवैध खातों (म्यूल अकाउंट) पर रोक लगाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, "मोदी सरकार साइबर सुरक्षित भारत के लिए अथक प्रयास कर रही है। म्यूल अकाउंट साइबर अपराधों पर रोक लगाने में बड़ी बाधा हैं। आज गृह मंत्रालय के आई4सी ने आरबीआईएच के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे साइबर धोखाधड़ी से लड़ने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आई4सी के 'सस्पेक्ट रजिस्ट्री' डेटा को एआई आधारित फ्रॉड डिटेक्शन सिस्टम से जोड़कर छिपे हुए म्यूल अकाउंट की तेजी से पहचान कर उन्हें समाप्त किया जा सकेगा।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर सीएसआईआर-सीबीआरआई की 13 स्वदेशी तकनीक उद्योगों को हस्तांतरित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएसआईआर-सीबीआरआई), रुड़की द्वारा विकसित 13 स्वदेशी तकनीक को उद्योगों और स्टार्ट-अप्स को हस्तांतरित किया गया। इनमें अग्नि सुरक्षा, टिकाऊ निर्माण, ऊर्जा दक्षता और अधोसंरचना संरक्षण से जुड़ी नवाचार शामिल हैं। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रद्यौगिकी मंत्रालय के अनुसार, आज यहां सीएसआईआर मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान रुड़की में सीएसआईआर-सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीबीआरआई) रे मुख्य वैज्ञानिक डॉ. अजय चौरसिया ने कहा कि उद्योग उन्मुख तकनीक हस्तांतरण से देश में नवाचार आधारित विकास को गति मिलेगी। सीएसआईआर-सीबीआरआई के निदेशक प्रो. आर. प्रदीप कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर यह आयोजन विशेष महत्व रखता है और स्वदेशी तकनीकों का उद्योगों को हस्तांतरण भारत के अनुसंधान तंत्र की मजबूती और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में अहम कदम है। कार्यक्रम में लकड़ी और उसके विकल्पों के लिए अग्निरोधक पारदर्शी कोटिंग, आरसीसी संरचनाओं की सुरक्षा के लिए आईपीएन कोटिंग तकनीक, कम कार्बन ईंट निर्माण तकनीक, हाइब्रिड सौर-सहायित हीट पंप प्रणाली और दीवार सुरक्षा के लिए प्रीफैब्रिकेटेड उच्च शक्ति स्टील कॉर्ड तकनीक का हस्तांतरण किया गया।

जमानत मामलों को हर हफ्ते या कम से कम दो हफ्ते में एक बार जरूर लिस्ट करें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के हाईकोर्ट में लंबित जमानत मामलों को लेकर निर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि हाईकोर्ट में सालों से लंबित हजारों जमानत याचिकाएं स्वतंत्रता के अमूल्य अधिकार का उल्लंघन करती हैं। जमानत से जुड़े मामलों की सुनवाई में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए और इसके लिए तय सिस्टम बनाना जरूरी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट को जमानत याचिकाओं पर सबसे कम समय में फैसले लेने के लिए सराहना की। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी जमानत याचिकाओं की भारी संख्या लंबित है, पीठ ने इस तथ्य की सराहना की कि वहां लंबित मामलों की संख्या इतनी ज्यादा है कि न्यायाधीशों को प्रतिदिन करीब 200 जमानत याचिकाओं की सुनवाई करनी पड़ती है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने सोमवार को सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिए हैं कि जमानत याचिकाओं की सुनवाई तेजी से और नियमित तरीके से हो।

जमानत के मामलों को हर हफ्ते या कम से कम दो हफ्ते में एक बार जरूर लिस्ट किया जाए। इसके लिए ऑटोमेटिक लिस्टिंग सिस्टम तैयार करने को कहा ताकि किसी मामले की सुनवाई सिर्फ तारीख पर तारीख तक सीमित न रहे। वर्तमान में अदालतों की सामान्य प्रक्रिया यह है कि वे आरोपी की जमानत याचिका पर नोटिस जारी करते हैं और संबंधित राज्य सरकार, जांच एजेंसी या अभियोजन पक्ष से जवाब मांगते हैं।

लाखों छात्रों को झटका: नीट यूजी 2026 रद्द, पेपर लीक की जांच सीबीआई करेगी

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) 2026 को पेपर लीक के गंभीर आरोपों के चलते रद्द किया गया है। केंद्र की मोदी सरकार ने इस संवेदनशील मामले की गहन जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को आदेश दिए हैं, इससे मेडिकल की तैयारी कर रहे लाखों उम्मीदवारों को बड़ा झटका लगा है। यह परीक्षा रविवार, 3 मई 2026 को पूरे देश में आयोजित की गई थी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा की। एनटीए ने स्पष्ट किया कि 8 मई 2026 को ही विचाराधीन मामलों को स्वतंत्र सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सौंप दिया गया था। एजेंसी ने राष्ट्रीय परीक्षाओं के निष्पक्ष, सुरक्षित और विश्वसनीय संचालन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है, जिसके अनुरूप यह कदम उठाया गया है। एनटीए ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों के समन्वय से की गई जांच और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा किए गए जांच निष्कर्षों के आधार पर, तथा प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, भारत सरकार की मंजूरी से 3 मई 2026 को आयोजित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा को रद्द करने का निर्णय हुआ है। अब यह परीक्षा अलग से अधिसूचित नई तिथियों पर पुनः आयोजित की जाएगी। नीट यूजी 2026 के पेपर लीक की आशंकाएं मुख्य रूप से राजस्थान से सामने आई थीं, जहां से कई चौंकाने वाले दावे किए गए थे। राजस्थान विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने इन आरोपों की विस्तृत जांच शुरू की थी। एसओजी को एक हस्तलिखित सुझाव पत्र मिला है, जिसके करीब 120 प्रश्न नीट के वास्तविक प्रश्नपत्र से हूबहू मेल खाते हैं। इसमें करीब 90 जीव विज्ञान के प्रश्न और 30 रसायन विज्ञान के प्रश्न शामिल थे, जो लीक के दावों को बल देते हैं। इस फैसले ने उन लाखों छात्रों के भविष्य को अधर में लटका दिया है जिन्होंने महीनों तक इस प्रतिष्ठित परीक्षा की तैयारी में कड़ी मेहनत की थी। सीबीआई जांच से उम्मीद की जा रही है कि वह इस पूरे मामले की तह तक जाएगी और जिम्मेदार व्यक्तियों को कानून के कटघरे में खड़ा करेगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं की शुचिता और विश्वसनीयता बनी रहे।

प्रसाद की तरह नौकरी बांटने वाले पूर्व मंत्री बोस गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सत्ता में भाजपा के आने के बाद तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ बड़ी कार्रवाई का सिलसिला शुरू हो गया है। राज्य के पूर्व दमकल एवं आपातकालीन सेवा मंत्री सुजीत बोस को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। कथित नगर निगम भर्ती घोटाले के मामले में करीब साढ़े 10 घंटे की मैराथन पूछताछ के बाद केंद्रीय एजेंसी ने यह कड़ा कदम उठाया। सुजीत बोस नई सरकार के कार्यकाल में गिरफ्तार होने वाले पहले कद्दावर टीएमसी नेता हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने प्रसाद की तरह अयोग्यों को भी नौकरियां बांट दीं। पूछताछ के दौरान जब दिल्ली मुख्यालय से हरी झंडी मिली, तो रात 9:15 बजे उन्हें आधिकारिक तौर पर अरेस्ट कर लिया गया। गिरफ्तारी की खबर सुनते ही सुजीत बोस की तबीयत बिगड़ने लगी और उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई, जिसके बाद उनके परिजन दवा लेकर ईडी दफ्तर पहुंचे। ईडी ने उनका मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है। अधिकारियों का आरोप है कि बोस जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे और उनके बयानों में काफी विसंगतियां पाई गईं।

चीन को सोचना चाहिए कि आतंकवादियों की मदद करने से उसकी कितनी इज़्ज़त बढ़ी: भारत

नई दिल्ली। भारत ने चीन द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान पाकिस्तान को सहायता दिये जाने की स्वीकारोक्ति पर आज अफसोस जाहिर किया और कहा कि उसे सोचना चाहिए कि आतंकवादी ढांचे को बचाने के प्रयासों में मदद करने से उसकी वैश्विक साख एवं प्रतिष्ठा पर क्या प्रभाव पड़ा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में चीन की स्वीकारोक्ति के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा कि चीन ने उन्हीं बातों की पुष्टि की है जो भारत को पहले से पता हैं। जायसवाल ने कहा, "हमने इन रिपोर्टों को देखा है और यह उन्हीं तथ्यों की पुष्टि करती हैं जिनके बारे में हमें पहले से ही पता था। प्रवक्ता ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम में हुए आतंकी हमले का एक सटीक, लक्षित और नपा-तुला जवाब था। इसका उद्देश्य उस आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना था, जो न केवल पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित है, बल्कि पाकिस्तान से और उसके इशारे पर चलता है। अब यह उन राष्ट्रों पर निर्भर है जो स्वयं को ज़िम्मेदार मानते हैं कि वे इस बात पर आत्मचिंतन करें कि क्या आतंकवादी ढांचे को बचाने के प्रयासों का समर्थन करना उनकी प्रतिष्ठा और वैश्विक साख को प्रभावित करता है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में चीन ने स्वीकार किया है कि उसने भारत के ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान पाकिस्तान को सीधे तौर पर सहायता प्रदान की थी। चीनी विमानन उद्योग संस्था के इंजीनियरों ने माना कि वे पाकिस्तान में जे-10सीई लड़ाकू विमानों की तकनीकी सहायता के लिए मौजूद थे।

राष्ट्रपति ने 15 नर्सिंग कर्मियों को फ्लोरेंस नाइटिंगेल से किया सम्मानित

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्रदान किए। इस वर्ष देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 15 नर्सिंग कर्मियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए चुना गया है। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि नर्सिंग कर्मी सेवा के उच्चतम मानकों का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा पेशेवर करुणा और समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा

करते हैं तथा कई बार अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी रोगियों की देखभाल सुनिश्चित करते हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा, "यह अवसर उन नर्सिंग कर्मियों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के अमूल्य योगदान के प्रति उपयुक्त श्रद्धांजलि है, जो करुणा और अटूट समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा करते हैं। मैं सभी पुरस्कार विजेताओं की कर्तव्य के प्रति प्रेरणादायक निष्ठा और रोगी देखभाल के उच्चतम मानकों को बनाए रखने में उनके अथक प्रयासों की सराहना करती हूं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कारों की स्थापना वर्ष 1973 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नर्सिंग क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं को मान्यता देने के उद्देश्य से की गई थी। यह पुरस्कार देश में नर्सिंग पेशे का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान माना जाता है। इस वर्ष पुरस्कार प्राप्त करने वालों में एएनएम श्रेणी में लद्दाख से कुलविंदर परही, महाराष्ट्र से उज्वला महादेव सोयम, मिजोरम से लालेनथांगी नामटे, सिक्किम से मधु माला गुरूंग, उत्तराखंड से पूजा परमार राणा और पश्चिम बंगाल से गीता कर्माकर शामिल हैं।

टाटा ने फ्रांसीसी कंपनी एयरबस के सहयोग से तैयार किया पहला सी-295 एयरक्राफ्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

फ्रांसीसी कंपनी एयरबस के सहयोग से गुजरात के वडोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने फाइनल असेंबली लाइन में पहला सी-295 एयरक्राफ्ट तैयार कर लिया है। यह भारत में सैन्य परिवहन का पहला एयरक्राफ्ट है, जो भारतीय वायुसेना के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को पूरा करता है। यह पहली बार है जब किसी प्राइवेट भारतीय कंपनी ने देश में पूरी मिलिट्री एयरक्राफ्ट फाइनल असेंबली लाइन बनाई और चालू की है। यह कार्यक्रम 2021 में किए गए 21 हजार 935 करोड़ के ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ़्ट डील के तहत वायु सेना के लिए फ्रांसीसी कंपनी एयरबस की साझेदारी में चलाया जा रहा है। फ्रांसीसी कंपनी एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के साथ 24 सितंबर 2021

इसी तरह 39 अन्य विमानों का निर्माण दस वर्षों के भीतर टाटा कंसोर्टियम भारत में ही करेगा

को 56 सी-295 सैन्य परिवहन विमानों का सौदा फाइनल हुआ था। इसी सौदे के तहत यह पहला विमान स्पेन में ही तैयार करके वायु सेना को आपूर्ति भी कर दिया गया है। यह पहला सी-295 परिवहन विमान 20 सितम्बर 2023 को वडोदरा के वायु सेना स्टेशन पर उतरा था। इस विमान को ग्रुप कैप्टन पीएस नेगी फ्रांस से मिस्र और बहरीन होते हुए उड़ाकर भारत लाये थे। इसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 25 सितंबर को हिंडन एयरबेस पर विमान को औपचारिक रूप से भारतीय वायु सेना के परिवहन बेड़े में शामिल किया था। भारतीय वायु सेना के लिए स्पेन में तैयार किया गया पहला सी-295 सैन्य परिवहन विमान 13 सितंबर को एयरबस कंपनी ने भारतीय वायु सेना के तत्कालीन प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी को स्पेन के सेविले में सौंपा था। सी-295 विमान की चाबी मिलने के बाद उसी दिन एयर चीफ ने स्पेन में खुद यह विमान उड़ाकर इसकी क्षमता परखी थी। समझौते के मुताबिक़ कंपनी को 16 विमान स्पेन में तैयार करके भारत को 'फ्लाइंग मोड' में आपूर्ति करना है, जबकि अन्य 40 विमानों का निर्माण दस वर्षों के भीतर टाटा कंसोर्टियम भारत में ही करेगा। सभी 40 भारतीय-निर्मित एयरक्राफ्ट अगस्त 2031 तक आपूर्ति किये जाने की उम्मीद है। हैदराबाद की मुख्य उपकरण असेंबली में एयरक्राफ्ट के उपकरण तैयार करके वडोदरा प्लांट में असेंबल किए जाते हैं।

अभिषेक बनर्जी हाजिर नहीं हुए तो गिरफ्तारी वारंट: हाईकोर्ट

जबलपुर। टीएमसी सांसद और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को हाईकोर्ट ने कड़ी चेतावनी दी है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि अगली सुनवाई में यदि उनकी ओर से बहस नहीं हुई तो गिरफ्तारी पर लगी अंतरिम रोक हटा दी जाएगी। मामला पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय द्वारा

दायर मानहानि केस से जुड़ा है। आरोप है कि नवंबर 2020 में कोलकाता की एक सभा में अभिषेक बनर्जी ने आकाश विजयवर्गीय को "गुंडा" कहा था। इसी बयान को लेकर 2021 में विशेष अदालत में परिवाद दायर किया गया था। सुनवाई के दौरान बनर्जी पक्ष ने सांसद होने और फरार होने की आशंका नहीं होने का तर्क दिया, लेकिन कोर्ट ने लगातार समय मांगने पर नाराजगी जताई। हाईकोर्ट ने साफ कर दिया कि अब मामले में और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नितिन नवीन का पुडुचेरी दौरा, शपथ ग्रहण समारोह में लेंगे भाग

नई दिल्ली। पुडुचेरी में बुधवार को एआईएनआरसी नेता एन. रंगासामी के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन शामिल होंगे। इस दौरान वे भाजपा के विधायकों और कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगे। भाजपा मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक नितिन नवीन मंगलवार शाम को पुडुचेरी पहुंचेंगे। जहां कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। वहां से वे भाजपा कार्यालय जायेंगे और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। इसके बाद भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों से भी मुलाकात करेंगे। बाद में भाजपा कार्यकर्ताओं के परिवारजनों से भी मिलेंगे। शपथ ग्रहण कार्यक्रम लोक निवास में आयोजित होगा, जहां उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन रंगासामी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। केंद्रीय मंत्री और पार्टी के पुडुचेरी चुनाव प्रभारी डॉ. मनसुख मंडाविया भी शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि पुडुचेरी में एआईएनआरसी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बन रही है। भाजपा गठबंधन की दूसरी बड़ी पार्टी है।

खास खबर

मर्दानपुर गांव में दो ट्रांसफार्मर फुके, 15 दिनों से 35 घरों में छाया अंधेरा

समाचार भारत, रमेश प्रसाद सोनी, ज़खनिया (गाजीपुर)। जखनियां विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत आने वाले मर्दानपुर गांव में बिजली संकट गहरा गया है। गांव में स्थापित 25 केवी के दो ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण पिछले दो सप्ताह से लगभग 35 घरों की बिजली गुल है। भीषण गर्मी के बीच बिजली न होने से ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है। **15 दिनों से ठप है आपूर्ति** ग्रामीणों ने बताया कि गांव का मुख्य 25 केवी का ट्रांसफार्मर 15 दिन पहले ही जल गया था। इसके साथ ही पास के एक डिग्री कॉलेज के पास लगा दूसरा 25 केवी का ट्रांसफार्मर भी जल चुका है। दो-दो ट्रांसफार्मर खराब होने से आधे से ज्यादा गांव अंधेरे में डूबा हुआ है। मोबाइल चार्ज करने से लेकर पेयजल तक की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। **ग्रामीणों में गहरा रोष** इस संबंध में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राघवेंद्र प्रताप यादव के नेतृत्व में ग्रामीणों ने विभाग के प्रति नाराजगी जाहिर की है। ग्रामीण सुनील यादव, आकाश, रामवृक्ष और विजय यादव ने बताया कि लंबे समय से अंधेरे में रहने के बावजूद विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि समय से सूचना देने के बाद भी नया ट्रांसफार्मर लगाने में देरी की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि विद्युत विभाग को दो ट्रांसफार्मर जलने की पूरी जानकारी तक नहीं थी। इस मामले में अवर अभियंता (JE) सुनील कुमार ने बताया: "मुझे लगभग दो दिन पहले केवल एक ट्रांसफार्मर के जलने की सूचना प्राप्त हुई थी। आप लोगों के माध्यम से अब संज्ञान में आया है कि दो ट्रांसफार्मर जले हुए हैं। जल्द ही इसकी जांच कराई जाएगी और नया ट्रांसफार्मर लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

मनरेगा बजट में कटौती के खिलाफ 'खेत मजदूर यूनियन' ने फूंका बिगुल, 15 मई को पंचायत कार्यालयों पर हल्ला बोल

» 700 रुपये दिहाड़ी और 200 दिन काम की मांग को लेकर राष्ट्रपति को भेजेंगे ज्ञापन

समाचार भारत, वेद प्रकाश पांडे संवाददाता, जखनियां (गाजीपुर)। ग्रामीण मजदूरों के हक और मनरेगा को बचाने के लिए जखनियां में वामपंथी तेवर कड़े हो गए हैं। स्थानीय पार्टी कार्यालय पर 'खेत मजदूर यूनियन' के जिला अध्यक्ष राम अवध मास्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया गया। यूनियन ने आगामी 15 मई को सभी ग्राम पंचायत कार्यालयों पर विशाल धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। **सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप** बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ वामपंथी नेता विजय बहादुर सिंह ने कहा कि जिस मनरेगा कानून को ग्रामीणों और बेरोजगारों को रोजगार की गारंटी देने के लिए बनाया गया था, आज केंद्र सरकार उसे बजट कटौती के जरिए धीरे-धीरे खत्म कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि: मजदूरों को न समय पर भुगतान मिल रहा है और न ही काम। नए 'ग्रामजी' कानून से पंचायतों की स्वायत्तता खत्म होगी और मजदूरों के अधिकार छीन लिए जाएंगे। कार्यस्थल पर बुनियादी सुविधाओं और महिलाओं को समान मजदूरी के प्रावधानों की अनदेखी की जा रही है। **प्रमुख मांगें:** जो आंदोलन की नींव हैं मजदूर संगठनों ने हुंकार भरते हुए सरकार के सामने अपनी प्रमुख मांगें रखी हैं: **रोजगार गारंटी:** साल में 100 दिन के बजाय 200 दिन काम सुनिश्चित हो। **मजदूरी वृद्धि:** महंगाई को देखते हुए प्रतिदिन की मजदूरी 700 रुपये की जाए।

बजट बहाली: मनरेगा के बजट में की गई कटौती वापस ली जाए। **15 मई को होगा शक्ति प्रदर्शन** 'उत्तर प्रदेश खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन' और 'मनरेगा संघर्ष मोर्चा' के बैनर तले आयोजित होने वाले इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए गांव-गांव जाकर पर्चे बांटे जा रहे हैं। 15 मई को पंचायत स्तर पर प्रदर्शन के बाद महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन अधिकारियों को सौंपा जाएगा। "यह लड़ाई केवल मजदूरी की नहीं, बल्कि गरीब के सम्मान और उसके कानूनी अधिकार की है। जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन थमेगा नहीं।" — राम अवध मास्टर, जिला अध्यक्ष (खेत मजदूर यूनियन) इस बैठक के दौरान मुख्य रूप से मंत्री वीरेंद्र गौतम, सुरेंद्र भारती, पिंटू यादव, पूनम देवी, शीला देवी सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता व मजदूर नेता उपस्थित रहे।

डालिम्स सनबीम स्कूल जखनिया में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन

» विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दिए आवश्यक परामर्श, स्वास्थ्य जागरूकता पर दिया जोर

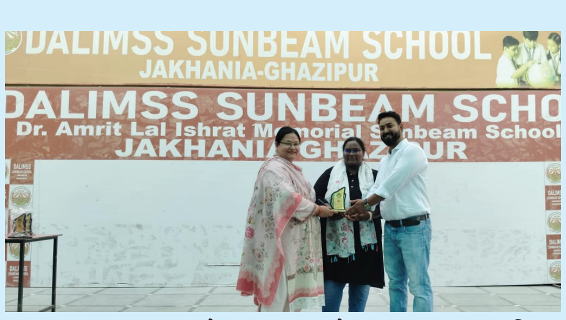

समाचार भारत, वेद प्रकाश पांडे संवाददाता ,जखनिया/ गाजीपुर। DALIMSS Sunbeam School में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर को लेकर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला।मेडिकल कैंप के दौरान दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अरसालान अंसारी, डॉ. सुनील मिश्रा एवं डॉ. यादव ने बच्चों के दांत, आंखों तथा सामान्य स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न जांचें कीं। चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही बच्चों को दैनिक दिनचर्या में साफ-सफाई और खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी गई।विद्यालय प्रशासन की ओर से सभी चिकित्सकों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने डॉक्टरों के उत्कृष्ट योगदान एवं समाज सेवा की भावना के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए उन्हें मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया।विद्यालय की डायरेक्टर रुबीना खान ने कहा कि विद्यार्थियों का बेहतर स्वास्थ्य ही उनके उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि विद्यालय बच्चों के शैक्षिक विकास के साथ-साथ उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी पूरी तरह सजग है। ऐसे मेडिकल कैंप बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम के समापन पर सभी छात्र-छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी दवा किट वितरित की गई तथा उन्हें स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक जानकारियां भी दी गईं। विद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी एवं स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

36 साल पुराने देवकली पंप कैनाल लूटकांड में बृजेश सिंह की सीजेएम कोर्ट में पेशी

» साल 1990 के बहुचर्चित देवकली पंप कैनाल लूटकांड मामले में आरोपी बृजेश सिंह गाजीपुर सीजेएम कोर्ट में पेश हुए

» इस मामले में कुल तीन आरोपी; बृजेश सिंह, त्रिभुवन सिंह और विजयनारायण सिंह; दो की फाइल हाई कोर्ट में लंबित

» बृजेश सिंह की फाइल अलग कर सीजेएम कोर्ट में चल रही सुनवाई, पेशी के बाद कुछ देर में ही वापस लौटे

» 3 दिसंबर 1990 को सैदपुर क्षेत्र में नहर निर्माण के दौरान फायरिंग, मारपीट और लूट का आरोप

समाचार भारत, रमेश प्रसाद सोनी

गाजीपुर में 36 साल पुराने बहुचर्चित देवकली पंप कैनाल लूटकांड मामले में मंगलवार को बृजेश सिंह मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) कोर्ट में पेश हुए। अदालत में पेशी के बाद वह कुछ ही देर में वापस रवाना हो गए। यह मामला 3 दिसंबर 1990 का है, जब सैदपुर थाना क्षेत्र में नहर निर्माण कार्य चल रहा था। उस दौरान ठेकेदार सरफराज अंसारी मौके पर मौजूद थे। आरोप है कि उसी समय नीली मारुति कार से बृजेश सिंह, त्रिभुवन सिंह, विजयशंकर सिंह समेत अन्य लोग हथियारों के साथ पहुंचे। आरोपियों ने मौके पर फायरिंग कर दहशत फैलाई, मारपीट की और वहां खड़े ट्रक के टायर में गोली मारकर उसे पंक्चर कर दिया। घटना के दौरान ठेकेदार और कर्मचारी किसी तरह जान बचाकर वहां से भागने में सफल रहे। मामले में कुल तीन मुख्य आरोपी हैं, जिनमें से त्रिभुवन सिंह और विजयनारायण सिंह की फाइल हाई कोर्ट में विचाराधीन है, जबकि बृजेश सिंह के मामले को अलग कर गाजीपुर सीजेएम कोर्ट में सुनवाई जारी है।

आयुष आपके द्वार कार्यक्रम के तहत लगा निशुल्क आयुर्वेदिक कैंप, दो दर्जन से अधिक मरीज लाभान्वित

समाचार भारत, लल्लन सिंह यादव संवाददाता

बिरनो। स्थानीय विकासखंड अंतर्गत गाँवसभा दीदोहर में मंगलवार को सेना के जवान रामशब्द यादव के आवास पर "आयुष आपके द्वार" कार्यक्रम के तहत निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के 60 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क परामर्श एवं दवाइयां वितरित की गईं। इस दौरान राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय भड़सर के चिकित्सा अधिकारी डॉ. राहुल कुमार यादव ने बताया कि आयुर्वेद असाध्य रोगों के उपचार में काफी कारगर साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे लोगों का विश्वास आयुर्वेद की ओर बढ़ रहा है और अब जटिल से जटिल बीमारियों का इलाज भी आयुर्वेद पद्धति से संभव हो रहा है। शिविर में मरीजों को खानपान, दिनचर्या एवं स्वस्थ जीवनशैली के बारे में भी जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने इस तरह के स्वास्थ्य शिविर को ग्रामीण क्षेत्र के लिए बेहद उपयोगी बताया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभिषेक राजभर, महेंद्र राजभर, राकेश राजभर, सुधीर यादव, राधिका यादव, विजय यादव. वकील राजभर सहित फार्मासिस्ट सूर्यकांत पांडेय एवं अमीन उपस्थित रहे।

मतदाता सूची के सत्यापन को लेकर समीक्षा बैठक, 20 अप्रैल तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश

समाचार भारत, वेद प्रकाश पांडे संवाददाता

जखनिया, गाजीपुर। तहसील प्रशासन निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाने के लिए पूरी तरह सक्रिय हो गया है। उप जिलाधिकारी (SDM) अतुल कुमार के दिशा-निर्देशों के क्रम में D-Duplicate (दोहरी प्रविष्टि वाले) मतदाताओं के नाम हटाने और मतदाता सूची के शुद्धिकरण को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सत्यापन कार्य में तेजी लाने के निर्देश खंड विकास अधिकारी (BDO) भीमराव प्रसाद और एडीओ पंचायत अशोक कुमार ने विकास खंड कार्यालय पर संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विशेष रूप से ऐसे मतदाता जिनका नाम दो स्थानों पर दर्ज है या जो मृतक/शिफ्टेड हैं, उनका चिन्हांकन कर सूची को अपडेट करना प्राथमिकता है। इन कर्मियों को सौंपी गई जिम्मेदारी बैठक में शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित कर्मियों को कड़े निर्देश दिए गए:

बीएलओ (BLO)
ग्राम पंचायत सचिव
रोजगार सेवक
ग्राम पंचायत सहायक

समय सीमा निर्धारित: अधिकारियों ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सत्यापन का कार्य 20 अप्रैल से पहले हर हाल में पूरा कर लिया जाना चाहिए। सभी संबंधित कर्मियों को निर्देशित किया गया है कि वे घर-घर जाकर डेटा का मिलान करें ताकि आगामी चुनावों से पहले एक शुद्ध और पारदर्शी मतदाता सूची तैयार हो सके। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

गाजीपुर में महिला आरक्षण बिल पर घमासान: भाजपा कार्यकर्ताओं का अफजाल अंसारी के आवास पर प्रदर्शन, आमने-सामने हुई बहस

» गाजीपुर में भाजपा महिला कार्यकर्ताओं ने सपा सांसद अफजाल अंसारी के मोहम्मदाबाद स्थित आवास के बाहर प्रदर्शन किया

» प्रदर्शन का नेतृत्व जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह ने किया, महिला आरक्षण बिल को लेकर विपक्ष पर नाराजगी जताई

» अफजाल अंसारी बाहर आकर प्रदर्शनकारियों से मिले और माइक पर अपनी बात रखते हुए बिल के विरोध के कारण बताए

» करीब 10–15 मिनट तक दोनों पक्षों के बीच माइक पर संवाद हुआ, जिसके बाद प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हो गया

समाचार भारत, रमेश प्रसाद सोनी

गाजीपुर में महिला आरक्षण बिल को लेकर राजनीतिक माहौल उस समय गरमा गया जब भारतीय जनता पार्टी की महिला कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी के मोहम्मदाबाद फाटक स्थित आवास पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करने लगीं। प्रदर्शन का नेतृत्व जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह कर रही थीं। महिलाओं ने विपक्ष की भूमिका पर सवाल उठाते हुए नारेबाजी की और आरोप लगाया कि महिला आरक्षण बिल को पास नहीं होने देने में विपक्ष ने नकारात्मक भूमिका निभाई है। प्रदर्शन के दौरान सांसद अफजाल अंसारी स्वयं घर से बाहर आए और उन्होंने प्रदर्शनकारियों का मुस्कुराते हुए स्वागत किया। उन्होंने धैर्यपूर्वक सभी की बातें सुनीं और माइक लेकर जवाब भी दिया। अफजाल अंसारी ने कहा कि उनकी पार्टी महिला विरोधी बिल्कुल नहीं है, उन्होंने महिला आरक्षण बिल का विरोध उसकी खामियों के कारण किया। उन्होंने तर्क दिया कि 2011 की जनगणना के आधार पर 2026 के परिसीमन के साथ इस बिल को लागू करना तर्कसंगत और न्यायसंगत नहीं है। इस पर सपना सिंह ने माइक लेकर जवाब देते हुए कहा कि अगर यह बिल पास हो जाता तो हर वर्ग और जाति की महिलाओं को राजनीति में अवसर मिलता। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अपने परिवार की महिलाओं को आगे बढ़ाना चाहता है, लेकिन आम महिलाओं को अवसर देने से बच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाना है, और इसी सोच के तहत यह बिल लाया गया था। करीब 10 से 15 मिनट तक दोनों पक्षों के बीच माइक पर खुली बातचीत हुई, जिसे वहां मौजूद लोगों ने रिकॉर्ड भी किया। इसके बाद भाजपा की महिला कार्यकर्ता शांतिपूर्ण तरीके से लौट गईं, जबकि अफजाल अंसारी बिना मीडिया से बात किए अपने आवास के अंदर चले गए। इस पूरे घटनाक्रम ने गाजीपुर में महिला आरक्षण बिल को लेकर सियासी बहस को और तेज कर दिया है।

गाजीपुर शहर की सड़कों पर डीएम का सख्त एक्शन, 31 मई तक काम पूरा करने का संबंधित को दिया अल्टीमेटम

समाचार भारत , रमेश प्रसाद सोनी

गाजीपुर में सड़कों की बदहाली और निर्माण कार्यों में देरी को लेकर अब जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला एक्शन मोड में नजर आए। शहर की प्रमुख सड़कों का औचक निरीक्षण करते हुए डीएम ने साफ शब्दों में कहा- अब लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। अधिकारियों को 31 मई तक हर हाल में काम पूरा करने का अल्टीमेटम दे दिया गया है। दरअसल गाजीपुर जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला मंगलवार को शहर की विभिन्न सड़कों का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण और मरम्मत कार्यों की हकीकत जानी। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सिंचाई विभाग, विकास भवन, पीजी कॉलेज, आदर्श बाजार, नवीन स्टेडियम, आईटीआई चौराहा और शास्त्री नगर समेत कई मार्गों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को फटकार लगाते हुए कहा कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि 31 मई 2026 तक सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं ताकि जनता को जाम और खराब सड़कों से राहत मिल सके। डीएम ने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप ही होने चाहिए। साथ ही निर्माण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और नियमित मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिए गए। इस दौरान डीएम ने कहा कि सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए। जनता को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। 31 मई तक कार्य पूर्ण कराए जाएं। निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने भी जल्द से जल्द सड़क निर्माण पूरा कराने की मांग उठाई, जिस पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य राजस्व अधिकारी आयुष चौधरी समेत संबंधित विभागों के अधिकारी और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सिद्धपीठ हथियाराम मठ पहुंचे कांग्रेस के दिग्गज नेता मोहन प्रकाश, सरकार की नीतियों पर बोला तीखा हमला

समाचार भारत, रमेश प्रसाद सोनी

गाज़ीपुर।कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव एवं तेजतर्रार प्रवक्ता मोहन प्रकाश ने मंगलवार को गाजीपुर के सुप्रसिद्ध सिद्धपीठ हथियाराम मठ में मत्था टेका। उन्होंने यहाँ बुढ़िया माता के दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आध्यात्मिक यात्रा के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों को आड़े हाथों लेते हुए आर्थिक और विदेश नीति को पूरी तरह विफल करार दिया। महाराज जी से की शिष्टाचार भेंट दर्शन के उपरांत मोहन प्रकाश ने मठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी भवानी नन्दन यति जी महाराज से मुलाकात की। दोनों के बीच मठ की प्राचीन धार्मिक परंपराओं और गौरवशाली इतिहास को लेकर लंबी चर्चा हुई। महाराज जी ने उन्हें माता की चुनरी, रुद्राक्ष की माला और प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया। **प्रमुख मुद्दे:** जो मोहन प्रकाश ने पत्रकारों के सामने रखे मठ परिसर में मीडिया से मुखातिब होते हुए कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार को विभिन्न मोर्चों पर घेरा। उनकी बातचीत के मुख्य अंश इस प्रकार हैं: **महंगाई और ईंधन का संकट:** मोहन प्रकाश ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी जनता से पेट्रोल, डीजल और गैस का इस्तेमाल कम करने की अपील तो कर रहे हैं, लेकिन सरकार यह नहीं बता रही कि आम आदमी के पास विकल्प क्या है? सिर्फ अपील से पेट नहीं भरता, सरकार को ठोस वैकल्पिक व्यवस्था देनी चाहिए।" **बेरोजगारी का दंश:** उन्होंने कहा कि आज देश का युवा, किसान और छात्र त्रस्त है। नौकरियों के अवसर पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं और बेरोजगारी अपने चरम पर है। **कमजोर होती अर्थव्यवस्था:** कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र की गलत आर्थिक नीतियों ने देश की रीढ़ तोड़ दी है, जिससे अर्थव्यवस्था लगातार गर्त में जा रही है। **विदेश नीति पर प्रहार:** अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार की लचर विदेश नीति के कारण वैश्विक मंच पर भारत की छवि प्रभावित हुई है और देश पहले के मुकाबले कमजोर स्थिति में नजर आ रहा है।मोहन प्रकाश, पूर्व राष्ट्रीय महासचिव, कांग्रेस ने कहाँ की सरकार जनता को समाधान देने के बजाय केवल उपदेश दे रही है। आज देश के हालात ऐसे हैं कि हर वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है

"गाजीपुर पुलिस का बड़ा एक्शन प्लान, महिला अपराध, माफिया और गुंडों पर सख्ती के निर्देश, एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को किया अलर्ट

समाचार भारत , रमेश प्रसाद सोनी

गाजीपुर में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। पुलिस लाइन सभागार में पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ बड़ी अपराध समीक्षा बैठक की। जिसमें महिला अपराध, माफियाओं, टॉप-10 अपराधियों और कानून व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश दिए गए। इतना ही नहीं। ऑपरेशन दृष्टि और त्रिनेत्र के तहत कैमरों की मॉनिटरिंग से लेकर जनसुनवाई और नए आरक्षियों की सुविधाओं तक की समीक्षा की गई। गाजीपुर पुलिस लाइन सभागार में मंगलवार को जिले की कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी सर्किल के क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक और थानाध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना क्षेत्रों में होने वाले अपराधों की विस्तार से समीक्षा की। महिला संबंधी अपराधों पर विशेष सतर्कता बरतने, टॉप-10 अपराधियों, गुंडों और माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने और उन्हें कंट्रोल रूम से लिंक करने पर जोर दिया। साथ ही ऑपरेशन दृष्टि और त्रिनेत्र अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में पुलिस बीट प्रणाली को मजबूत करने, जनसुनवाई प्रार्थना पत्रों और आईजीआरएस शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा थानों पर तैनात नवनियुक्त आरक्षियों से भोजन और आवासीय सुविधाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा गया। अपराध और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के साथ-साथ जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण हमारी प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक की इस समीक्षा बैठक के बाद साफ है कि गाजीपुर पुलिस अब अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही के मूड में नहीं है। आने वाले दिनों में अपराधियों के खिलाफ और सख्त कार्रवाई देखने को मिल सकती है।

स्कूल में DM का अचानक छापा! बच्चों से पूछा नाम-पिता का नाम, ड्रेस और पढ़ाई पर सख्त हुए जिलाधिकारी

समाचार भारत , रमेश प्रसाद सोनी

गाजीपुर में शिक्षा व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला एक्शन मोड में नजर आए। सदर तहसील के उच्च प्राथमिक विद्यालय मिश्रवलिया में डीएम ने अचानक पहुंचकर बच्चों की पढ़ाई, ड्रेस, पेयजल और साफ-सफाई की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों और शिक्षकों को सख्त निर्देश भी दिए गए। दरअसल गाजीपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय मिश्रवलिया में उस वक्त हड़कंप मच गया... जब जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला अचानक निरीक्षण के लिए स्कूल पहुंच गए। डीएम ने बच्चों से सीधे बातचीत कर उनकी पढ़ाई और शिक्षा की गुणवत्ता का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने बच्चों से उनका नाम और पिता का नाम पूछा। वहीं क्लास-6 की एक छात्रा से अंग्रेजी की किताब पढ़वाकर उसकी शिक्षा स्तर की भी जांच की। निरीक्षण के दौरान कई बच्चे बिना ड्रेस के मिले... जिस पर डीएम ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को तत्काल अभियान चलाने के निर्देश दिए। कहा कि कोई भी बच्चा बिना ड्रेस स्कूल न आए। जरूरतमंद बच्चों को विभाग पूरी व्यवस्था उपलब्ध कराए। डीएम ने साफ कहा कि बच्चों को केवल किताबें थमाना काफी नहीं... बल्कि टाइम टेबल के अनुसार पढ़ाई, नियमित टेस्ट और होमवर्क भी जरूरी है। उन्होंने जिले के सभी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ाई की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पेयजल, आरओ, शौचालय की सफाई और बच्चों के बैठने की व्यवस्था को लेकर भी जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। प्रधानाचार्य को सभी व्यवस्थाएं जल्द दुरुस्त कर वीडियो रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

ख़ास ख़बर

परिवहन विभाग का कसा शिकंजा

» मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न पर

» 5 दिनों में 38 वाहनों पर कार्रवाई

समाचार भारत ,प्रदीप बच्चन (ब्यूरो चीफ),नित्यानंद सिंह (जिला संवाददाता) बलिया (यूपी)। शासन के निर्देश के क्रम में परिवहन विभाग बलिया द्वारा मोडिफाइड साइलेंसर, हूटर एवं प्रेशर हॉर्न के खिलाफ सख्त अभियान लगातार चलाया जा रहा है। सड़क सुरक्षा एवं ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 7 मई से 12 मई तक चलाए गए विशेष अभियान में कुल 13 मोडिफाइड साइलेंसर, 7 हूटर तथा 18 प्रेशर हॉर्न लगे वाहनों का चालान किया गया। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न का प्रयोग मोटर वाहन अधिनियम की धारा 54 एवं 190(2) के तहत दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में वाहन स्वामियों के खिलाफ चालान की कार्रवाई के साथ-साथ उनके ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन पंजीयन (आरसी) के निलंबन की प्रक्रिया भी अपनाई जा रही है। चालान किए गए वाहन स्वामियों को विभाग द्वारा नोटिस भी प्रेषित की जा रही है। यह अभियान सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) बलिया अरुण कुमार राय एवं यात्री कर अधिकारी अरविंद कुमार जैसल के नेतृत्व में लगातार संचालित किया जा रहा है। एआरटीओ अरुण कुमार राय ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि, "जो भी व्यक्ति मोडिफाइड साइलेंसर या प्रेशर हॉर्न का उपयोग कर रहे हैं, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उनके लाइसेंस के जब्तीकरण के साथ-साथ आरसी को भी सस्पेंड किया जाएगा। यह कार्रवाई आगे भी अनवरत जारी रहेगी।" परिवहन विभाग की इस कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मचा हुआ है, वहीं आम लोगों ने ध्वनि प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए विभाग की पहल की सराहना की है।

मीरजापुर के लाल पेड़े को मिलेगी अंतर्राष्ट्रीय पहचान

» एक जिला एक व्यंजन (ODOC) योजना के तहत मीरजापुर के लाल पेड़े को किया गया शामिल

» लाल पेड़ा कारोबार से जुड़े व्यवसायियों को प्रोत्साहित करने के लिए योगी सरकार देगी आर्थिक मदद

समाचार भारत , बसन्त कुमार गुप्ता ,मीरजापुर। सिद्ध पीठ माता विंध्यवासिनी के मंदिर व हस्त निर्मित कालीनों के लिए प्रसिद्ध मीरजापुर अब वैश्विक पटल पर अपने जायके के लिए भी पहचाना जाएगा। प्रदेश की योगी सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन (ओडीओसी) योजना के तहत मीरजापुर के स्वादिष्ट लाल पेड़े को शामिल किया है। सरकार के इस फैसले से स्थानीय कारीगरों के लिए सुनहरे भविष्य के द्वार खुल जाएंगे। जिला उद्योग केंद्र के उपायुक्त संदीप कुमार ने बताया कि सरकार ने इस मुहिम को गति देने के लिए एक विशेष सेल बनाने का निर्णय लिया है। यह सेल न केवल लाल पेड़ा के कारोबार से जुड़े उद्यमियों की समस्याओं का समाधान करेगी। बल्कि उन्हें व्यापार बढ़ाने के लिए जरूरी आर्थिक सहायता और बैंक लोन की सुविधाएं भी सुनिश्चित कराएगी। सरकार का लक्ष्य है कि छोटे स्तर पर काम कर रहे कारीगरों को उद्यमी के रूप में विकसित किया जाए।प्रशिक्षण से बढ़ेगी पेड़ा की मिठास, निखरेगा हुनर उन्होंने बताया कि लाल पेड़ा बनाने वाले मीरजापुर के कारीगरों के पारंपरिक हुनर को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए सरकार विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाएगी। इसमें व्यंजनों की पैकेजिंग, गुणवत्ता, स्वच्छता के मानक और लंबी शेल्फ-लाइफ सुनिश्चित करने के गुर सिखाए जाएंगे। जिससे मीरजापुर के बने ये लाल पेड़े बिना खराब हुए देश-विदेश के बाजारों तक पहुंच सकें। उपायुक्त ने बताया कि जिले में लाल पेड़ा बनाने वाली 65 से अधिक ईकाइयां क्रियाशील हैं, जहां पर 400 से अधिक लोगों को रोजगार मिलता है। ऐसे में ओडीओसी के तहत लाल पेड़ा का चयन होने के बाद इसके कारोबार से जुड़े लोगों के लिए संभावनाओं के नए द्वार खुल जाएंगे। त्योहारों के वक्त बढ़ जाती है मांग पेड़ा कारोबार से जुड़े राजाराम ने बताया कि लाल पेड़ा मुख्यतः दूध पर आधारित मिठाई है। यह अपनी वि सुगंध व खाने में मुलायम होने के कारण बहुत प्रसिद्ध है। त्योहारों व धार्मिक कार्यक्रमों के वक्त इसकी मांग बहुत बढ़ जाती है।

समाजवादी महिला सभा ने राज्यपाल को सौपा ज्ञापन

समाचार भारत , आजमगढ़। समाजवादी पार्टी महिला सभा की जिलाध्यक्ष बबिता चौहान के नेतृत्व में सर पर गैस सिलेंडर उठाकर मंगलवार को महिलाओं की विभिन्न समस्याओं, बढ़ती महंगाई और जनविरोधी नीतियों के विरोध में महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा गया।ज्ञापन में कहा गया कि देश और प्रदेश में लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है। सोना, चांदी, गैस सिलेंडर, पेट्रोल-डीजल सहित दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे गरीब, पिछड़े, दलित एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही वर्ष 2023 में पारित महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग भी उठाई गई।महिला सभा की पदाधिकारियों ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध, उत्पीड़न और शोषण की घटनाएं चिंता का विषय हैं। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में महिलाएं स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही हैं।ज्ञापन में भाजपा सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताते हुए कहा गया कि बढ़ती महंगाई और अन्य समस्याओं के कारण आम जनता में आक्रोश व्याप्त है। समाजवादी महिला सभा ने मांग की कि सरकार तत्काल प्रभाव से आवश्यक कदम उठाकर महिलाओं, गरीबों, पिछड़ों और दलित वर्ग को राहत एवं न्याय प्रदान करे।इस दौरान प्रदेश सचिव दोपती पाण्डेय, सविता, मीनू भारती, गीता गिरी, किरन वर्मा, सुषमा चौहान, साधना, इन्द्रावती समेत अन्य महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

भगवान झूलेलाल मंदिर में अखंड पाठ का भोग एवं भव्य भंडारा संपन्न

समाचार भारत संवाददाता वाराणसी साक्षी सेठ ,वाराणसी। पांडेपुर स्थित सिंधी कॉलोनी के भगवान झूलेलाल मंदिर में गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ का भोग एवं भव्य भंडारे का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सिंधी समाज के सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर धार्मिक आयोजन में सहभागिता की। बताया गया कि यह मंदिर पूरे सिंधी समाज की आस्था का केंद्र है। पूर्व में रोड चौड़ीकरण के कारण मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। नव निर्मित मंदिर का उद्घाटन 10 मई 2026 को शिव शक्ति आश्रम, लखनऊ के पीठाधीश्वर पूज्य श्री मोहनलाल जी के करकमलों द्वारा किया गया था। मंदिर में पूज्य भगवान झूलेलाल जी की भव्य झांकी स्थापित की गई है। इसके अतिरिक्त पूज्य गुरु ग्रंथ साहिब, श्री राम दरबार, हनुमान जी, दुर्गा माता एवं राधा-कृष्ण की प्रतिमाओं की भी विधिवत स्थापना की गई है। कार्यक्रम में रवि धावड़ी, दिलीप लोकवाणी, हरी लाल रजवानी, परमानंद, बद्री प्रसाद सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन में पूज्य सिंधी पंचायत पांडेपुर के मुखिया भवन दास आहूजा की विशेष भूमिका रही।

फरार अभियुक्ता के घर कोर्ट के आदेश पर नोटिस चस्पा

समाचार भारत

आजमगढ़। थाना कोतवाली पुलिस ने जमीन के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रही अभियुक्ता के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर उद्घोषणा की कार्रवाई की है। पुलिस ने अभियुक्ता के घर पर नोटिस चस्पा कर डुगडुगी बजवाते हुए नियमानुसार कार्रवाई पूरी की। पुलिस के अनुसार थाना कोतवाली में दर्ज मुकदमा संख्या 92/26 में धारा 319(2), 318(4), 336(3), 338, 340(2), 61(2), 352, 351(3), 111(7) बीएनएस के तहत वांछित अभियुक्ता नीलम पत्नी विनोद कुमार निवासी कोडर अजमतपुर थाना कोतवाली आजमगढ़ की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही थी। इसके बावजूद वह पुलिस की पकड़ से बाहर रही और न्यायालय में आत्मसमर्पण भी नहीं किया। इसी क्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, आजमगढ़ के 11 मई 2026 के आदेश के अनुपालन में धारा 84 बीएनएसएस के तहत उद्घोषणा की कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने अभियुक्ता के घर के मुख्य द्वार पर नोटिस चस्पा किया तथा गवाहों की मौजूदगी में डुगडुगी बजवाकर कार्रवाई संपन्न कराई। मामले में आरोप है कि नीलम तथा उसके सहअभियुक्त कृष्णचंद राय व अन्य लोगों ने मिलकर पीड़ित रूद्रांश राय निवासी मधुबन, कंधरापुर को जमीन बेचने के नाम पर फर्जी दस्तावेज दिखाकर 33 लाख 30 हजार रुपये की धोखाधड़ी की थी। इस संबंध में 8 मार्च 2026 को मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार अभियुक्ता के खिलाफ पूर्व में भी थाना सिधारी में धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है। फरार और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अभियुक्तों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

युवती को मारपीट,गाली गलौज और जान से मारने की धमकी

समाचार भारत

आजमगढ़। जिले के बरदह थाना क्षेत्र के ग्राम कुड़ीहर की रहने वाली मधु यादव पुत्री संजय यादव ने गांव के कुछ लोगों पर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाना अध्यक्ष बरदह को प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। पीड़िता के अनुसार, 11 मई 2026 की शाम करीब 7 बजे वह अपने घर के सामने गिरी मिट्टी को समतल करवा रही थीं। इसी दौरान पड़ोसी गुलशन यादव पुत्र रंजीत यादव, अंकित पुत्र सुभाष यादव तथा दर्शन उर्फ गांगुली पुत्र हौसला प्रसाद यादव लाठी-डंडा लेकर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। मधु यादव का आरोप है कि आरोपियों ने हाथ, लात और डंडों से जमकर मारपीट की, जिससे उनके शरीर पर कई जगह चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके भाई अंकुर यादव को भी पीटा गया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने जानलेवा हमला करने के साथ पूरे परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। पीड़िता का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच पहले भी कई बार विवाद हो चुका है और मामले थाने तक पहुंचे, लेकिन हर बार दबाव बनाकर समझौता करा दिया गया। इस बार मारपीट की घटना का वीडियो भी बनाया गया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मधु यादव ने आरोप लगाया कि आरोपी पक्ष छोटी-छोटी बातों को लेकर आए दिन विवाद और मारपीट करता है, जिससे पूरा परिवार दहशत में है। वहीं इस मामले में थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आजमगढ़ मे 11 वाहनों का चालान और 5 सीज

समाचार भारत

आजमगढ़। जनपद में सड़क सुरक्षा और ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण को लेकर यातायात पुलिस और परिवहन विभाग ने मंगलवार को संयुक्त अभियान चलाकर मॉडिफाइड साइलेंसर लगाने वाले वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। अभियान के दौरान 11 वाहनों का चालान किया गया, जबकि 5 वाहनों को सीज कर दिया गया। साथ ही प्रेशर हॉर्न, हूटर और सायरन बेचने वाले दो दुकानदारों को नोटिस जारी कर चेतावनी दी गई।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात पुलिस एवं संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) की संयुक्त टीम ने बागेश्वर चौराहा और भवरनाथ चौराहे पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान उन दोपहिया वाहनों की सघन जांच की गई, जिनमें मानक के विपरीत मॉडिफाइड साइलेंसर लगाए गए थे और जिनसे तेज आवाज या पटाखे जैसी ध्वनि निकल रही थी। संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 11 वाहनों का चालान कर कुल 10 हजार रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित किया। वहीं नियमों का गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर 5 वाहनों को सीज कर दिया गया। इसके अलावा अवैध रूप से मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न, हूटर और सायरन की बिक्री करने वाले दो दुकानदारों को नोटिस जारी किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में इस प्रकार की सामग्री की बिक्री करते पाए जाने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करें और केवल मानक अनुरूप वाहन उपकरणों का ही उपयोग करें, ताकि सड़क सुरक्षा और सार्वजनिक शांति व्यवस्था बनी रहे।

जहानागंज में क्रिकेट पिच को लेकर दो पक्ष भीड़े , पुलिस ने 16 को किया गिरफ्तार

समाचार भारत ,अरुण पाण्डेय ब्यूरो चीफ

आजमगढ़ । जिले के थाना जहानागंज क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम धनहुआ और ग्राम बबुरा के बीच क्रिकेट खेलने और पिच जोतने के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोनों पक्षों के 16 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। **घटना का विवरण** प्राप्त जानकारी के अनुसार, जहानागंज थाना क्षेत्र के धनहुआ और बबुरा गांवों के युवकों के बीच क्रिकेट खेलने के लिए बनाई गई पिच को जोतने की बात पर कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते यह मामूली विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। मौके पर अफरा-तफरी मच गई और मारपीट की नौबत आ गई।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जहानागंज अतुल कुमार मिश्रा ने भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार द्वारा चलाए जा रहे शांति व्यवस्था अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मधुबन सिंह के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सदर आस्था जायसवाल के पर्यवेक्षण में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। पुलिस ने शांति भंग की आशंका में दोनों पक्षों से कुल 16 लोगों को गिरफ्तार किया। इन सभी के खिलाफ धारा 170/126/135 BNSS के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण

प्रथम पक्ष (ग्राम बबुरा): अजय रिशु कुमार पुष्पेन्द्र कुमार अंकित कुमार विशाल कुमार आशीष कुमार गौतम

द्वितीय पक्ष (ग्राम धनहुआ): गोलू कुमार करन कुमार सन्तोष राम कृष कुमार सागर कुमार सोनू कुमार सन्नी कुमार कृष्णा कुमार नागेन्द्र बलिराम

थाना प्रभारी अतुल कुमार मिश्रा ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आजमगढ़ डीएम ने दिया सख्त निर्देश चिन्हित होंगे भू-माफिया

समाचार भारत ,अरुण पाण्डेय ब्यूरो चीफ

आजमगढ़ । जिले में भू-माफियाओं और अवैध अतिक्रमणकारियों की अब खैर नहीं है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित मासिक समीक्षा बैठक के दौरान स्पष्ट संदेश दिया है कि सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस" की नीति अपनाई जाएगी। तहसीलवार बनेगी 'टॉप भू-माफिया' सूची बैठक में जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि वे अपने-अपने तहसील क्षेत्र में सबसे बड़े और सक्रिय भू-माफियाओं को चिन्हित करें। जिलाधिकारी ने आदेश दिया कि: प्राप्त शिकायतों के आधार पर विशेष टीमों का गठन कर जांच की जाए। जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाए, उसे तत्काल 'भू-माफिया' घोषित कर उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सार्वजनिक और सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। राजस्ववसूलीऔरलेखपालोंपरगाज राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए DM ने वन विभाग, सड़क व पुल, भू-राजस्व और नगर विकास विभागों में लक्ष्य से कम वसूली होने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को चेतावनी दी कि प्रगति में सुधार लाएं अन्यथा जवाबदेही तय की जाएगी। विशेष रूप से, खतौनी में नामों के 'मिसमैच' (गलती) और बार-बार शिकायत का केंद्र बनने वाले लेखपालों के खिलाफ जांच के आदेश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने साफ कहा कि भ्रष्टाचार या लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को बख्शा नहीं जाएगा। लंबित वादों का त्वरित निस्तारण राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने धारा 34, 67, 24, 116, 38 और 80 के अंतर्गत आने वाले वादों को निर्धारित समयावधि के भीतर निपटाने का निर्देश दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण होना चाहिए ताकि फरियादियों को बार-बार मुख्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। बैठक में उपस्थित अधिकारी इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी के साथ मुख्य रूप से: राहुल विश्वकर्मा (अपर जिलाधिकारी, प्रशासन गम्भीर सिंह (अपर जिलाधिकारी, वित्त एवं राजस्व) संजीव ओझा (मुख्य राजस्व अधिकारी) जिले के सभी उप जिलाधिकारी , तहसीलदार और संबंधित विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। संपादकीय टिप्पणी: प्रशासन की इस सख्ती से जिले के भू-माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। तहसीलवार सूची बनने से बड़े कब्जेदार चिन्हित होंगे, जिससे सरकारी संपत्तियों को सुरक्षित करने में मदद मिलेगी।

आजमगढ़ पीडीए भवन के बाहर भाजपा महिला मोर्चा का जोरदार प्रदर्शन

समाचार भारत ,अरुण पाण्डेय ब्यूरो चीफ

आजमगढ़ । शहर के अनवरगंज सेहदा स्थित सपा कार्यालय और पीडीए भवन के बाहर मंगलवार को भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने जमकर हल्ला बोला। "महिला आक्रोश धरना-प्रदर्शन" के तहत जुटी सैकड़ों महिलाओं ने सपा सांसद धर्मेंद्र यादव के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपना विरोध दर्ज कराया। पुलिस छावनी में तब्दील हुआ इलाका प्रदर्शन की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन ने पहले ही पुख्ता इंतजाम कर लिए थे। पीडीए भवन और उसके आसपास के पूरे क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया था। मौके पर महिला पुलिस कर्मियों के साथ-साथ भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। नारों और पोस्टरों के साथ आक्रोश प्रदर्शनकारी महिलाएं सुबह 10 बजे से ही हाथों में नारे लिखे पोस्टर और तख्तियां लेकर जुटने लगी थीं। भाजपा महिला मोर्चा की नेताओं का कहना है कि यह प्रदर्शन महिलाओं के प्रति सपा नेताओं के कथित व्यवहार और क्षेत्र की समस्याओं को लेकर सांसद के खिलाफ एक सांकेतिक विरोध है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सांसद धर्मेंद्र यादव के खिलाफ तीखे नारे लगाए। प्रशासन रहा पूरी तरह सतर्क पूरे धरना-प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखा। बैरिकेडिंग और सुरक्षा घेरे के कारण प्रदर्शनकारी भवन के मुख्य गेट तक ही सीमित रहे। अधिकारियों ने स्थिति पर पैनी नजर बनाए रखी ताकि यातायात और आम जनजीवन प्रभावित न हो।

क्रिकेट खेल विवाद में 16 व्यक्ति गिरफ्तार

समाचार भारत

आजमगढ़। जहानागंज के ग्राम धनहुआ व बबुरा में मारपीट एवं शांति भंग की स्थिति उत्पन्न होने पर जहानागंज पुलिस की प्रभावी कार्यवाही। ग्राम धनहुआ एवं ग्राम बबुरा के दो पक्ष क्रिकेट खेलने एवं पीच जोतने की बात को लेकर आपस में वाद-विवाद कर रहे थे। सूचना प्राप्त होने पर पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा तथा दोनों पक्षों को काफी समझाने-बुझाने का प्रयास किया गया, किन्तु दोनों पक्ष नहीं माने तथा आपस में हाथापाई/मारपीट प्रारम्भ कर दी। पुलिस बल द्वारा बीच-बचाव किये जाने के बावजूद दोनों पक्ष और उत्तेजित होकर आमदा फौजदारी होने लगे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थाना जहानागंज पुलिस टीम द्वारा कुल 16 व्यक्तियों को मा0 सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों-निर्देशों का पालन करते हुए कारण गिरफ्तारी बताते हुए धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अन्तर्गत कार्यवाही कर मा0 एसडीएम सदर न्यायालय भेजा गया।

परिवहन विभाग का कसा शिकंजा

समाचार भारत ,प्रदीप बच्चन (ब्यूरो चीफ),नित्यानंद सिंह (जिला संवाददाता)

» मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न पर

» 5 दिनों में 38 वाहनों पर कार्रवाई

बलिया (यूपी)। शासन के निर्देश के क्रम में परिवहन विभाग बलिया द्वारा मोडिफाइड साइलेंसर, हूटर एवं प्रेशर हॉर्न के खिलाफ सख्त अभियान लगातार चलाया जा रहा है। सड़क सुरक्षा एवं ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 7 मई से 12 मई तक चलाए गए विशेष अभियान में कुल 13 मोडिफाइड साइलेंसर, 7 हूटर तथा 18 प्रेशर हॉर्न लगे वाहनों का चालान किया गया। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न का प्रयोग मोटर वाहन अधिनियम की धारा 54 एवं 190(2) के तहत दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में वाहन स्वामियों के खिलाफ चालान की कार्रवाई के साथ-साथ उनके ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन पंजीयन (आरसी) के निलंबन की प्रक्रिया भी अपनाई जा रही है। चालान किए गए वाहन स्वामियों को विभाग द्वारा नोटिस भी प्रेषित की जा रही है। यह अभियान सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) बलिया अरुण कुमार राय एवं यात्री कर अधिकारी अरविंद कुमार जैसल के नेतृत्व में लगातार संचालित किया जा रहा है। एआरटीओ अरुण कुमार राय ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि, "जो भी व्यक्ति मोडिफाइड साइलेंसर या प्रेशर हॉर्न का उपयोग कर रहे हैं, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उनके लाइसेंस के जब्तीकरण के साथ-साथ आरसी को भी सस्पेंड किया जाएगा। यह कार्रवाई आगे भी अनवरत जारी रहेगी।" परिवहन विभाग की इस कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मचा हुआ है, वहीं आम लोगों ने ध्वनि प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए विभाग की पहल की सराहना की है।

ख़ास ख़बर

नाला सफाई में लापरवाही पर ठेकेदार को 25 हजार जुर्माना, जेई को प्रतिकूल प्रविष्टि

समाचार भारत संजना वर्मा ,वाराणसी। शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल सख्त तेवर में नजर आ रहे हैं। सोमवार को महमूरगंज क्षेत्र में नाला सफाई के औचक निरीक्षण के दौरान लापरवाही मिलने पर नगर आयुक्त ने कड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने कार्यदायी संस्था मेसर्स समर्थ इंटरप्राइजेज पर 25,000 रुपये का जुर्माना ठोंका है, वहीं निगरानी में विफल रहने पर क्षेत्रीय अवर अभियंता (जेई) पंकज पटेल को प्रतिकूल प्रविष्टि (Adverse Entry) देने का निर्देश दिया है। सड़क पर सिल्ट छोड़ने पर भड़के नगर आयुक्त निरीक्षण के दौरान डॉ. ऊषा गुप्ता हॉस्पिटल मार्ग और आसपास की कॉलोनियों में नाला सफाई की स्थिति बदहाल मिली। सफाई के बाद निकली सिल्ट (कीचड़) को सड़क पर ही लावारिस छोड़ दिया गया था। इस पर गहरी नाराजगी जताते हुए नगर आयुक्त ने कहा किः "भीषण गर्मी में सिल्ट सूखकर धूल बनकर उड़ती है और फिर से नालों में गिरकर उन्हें चोक कर देती है। नियमों के अनुसार सिल्ट को तत्काल तिरपाल से ढककर ट्रैक्टर-ट्रॉली के जरिए निस्तारित किया जाना चाहिए, लेकिन यहाँ नियमों की धज्जियाँ उड़ाई गईं।" **कदमः** विशेष टीम का गठनः अतिक्रमण हटाने के लिए जोनल स्तर पर विशेष टीमों को जिम्मेदारी दी गई है। अंतिम चेतावनीः सभी अतिक्रमणकारियों को चिन्हित कर चेतावनी जारी की गई है। यदि स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो निगम इसे ध्वस्त कर भारी जुर्माना वसूलेगा। सुचारू यातायात से नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण मुक्त नाले होने से जल निकासी बेहतर होगी और सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या भी कम होगी।

वाराणसी के जगतगंज स्थित उत्कर्ष सुपर 80 केंद्र में पीएनजी आपूर्ति का हुआ शुभारंभ

समाचार भारत , उत्पल दादा,वाराणसी। गेल इंडिया द्वारा सीजीडी परियोजना के विस्तार के क्रम मे जगतगंज स्थित "उत्कर्ष सुपर 80" केंद्र में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की आपूर्ति का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया। यह केंद्र आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की प्रतिभाशाली छात्राओं को इंजीनियरिंग (जेईई) एवं मेडिकल (नीट) परीक्षाओं हेतु निःशुल्क आवासीय कोचिंग प्रदान करता है। इस केंद्र में लगभग 80 छात्राओं को निःशुल्क कोचिंग, आवास एवं भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। पीएनजी आपूर्ति का उद्घाटन गेल वाराणसी के महाप्रबंधक सुशील कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर गौरी शंकर मिश्रा (महाप्रबंधक), नवाजिश अली अंसारी (उप महाप्रबंधक प्रोजेक्ट),प्रवीण गौतम (मुख्य प्रबंधक-मार्केटिंग), देबाशीष साहू (वरिष्ठ अधिकारी-मार्केटिंग) सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।गेल(इंडिया) लिमिटेड के इस पहल के माध्यम से अब तक 300 से अधिक छात्राएं आईआईटी, नीट तथा विभिन्न राज्य स्तरीय इंजीनियरिंग एवं प्रोफेशनल कॉलेजों में प्रवेश प्राप्त कर चुकी हैं, जो इस कार्यक्रम की प्रभावशीलता को दर्शाता है। गेल के महाप्रबंधक ने बताया कि,यह केंद्र वाराणसी के अत्यधिक व्यस्त मलदहिया रोड, जगतगंज क्षेत्र में स्थित है। यातायात की अधिकता के कारण यहां एमडीपीई पाइपलाइन बिछाना एक बड़ी चुनौती थी, किन्तु गेल वाराणसी ने सभी सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करते हुए सफलतापूर्वक पाइपलाइन स्थापित की। गेल ने बताया कि,पूर्व में यह केंद्र प्रति माह लगभग 30 वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों का उपयोग करता था। पीएनजी कनेक्शन मिलने के पश्चात यह केंद्र अब पूर्णतः एलपीजी मुक्त हो सकेगा, जिससे न केवल संचालन सरल होगा बल्कि उपलब्ध सिलेंडरों का उपयोग अन्य आवश्यक स्थानों पर किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि,वर्तमान समय में पीएनजी एक विश्वसनीय एवं किफायती ऊर्जा विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहा है। यह उपभोक्ताओं को दीर्घकालिक बचत के साथ-साथ सुविधाजनक एवं आधुनिक ऊर्जा समाधान प्रदान करता है।

सनबीम वुमेन्स वरूणा में कैम्पस मेगा प्लेसमेंट कार्निवल-2026 का हुआ आयोजन

समाचार भारत ,ब्यूरो चीफ युसुफ खान वाराणसी। वाराणसी छात्राओं को रोजगारपरक अवसर उपलब्ध कराने एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 12 मई 2026 मंगलवार को सनबीम वुमेन्स कॉलेज वरूणा के प्रांगण में कैंपस मेगा प्लेसमेंट कार्निवल-2026 का भव्य आयोजन किया गया। यह प्लेसमेंट ड्राइव कालेज परिसर स्थित मेलोडी हाल में पूर्वाह्न 11:00 से प्रारंभ हुआ। इस मेगा प्लेसमेंट ड्राइव में विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों ने हिस्सा लिया। जिनमें एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइम इंस्टीट्यूट, फ्लीट ब्लू, लेमिनएआई, जैन एंड कंपनी, चेतमणि आर्नामेंट एंड ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड, टाटा कैंसर, वीआईइम एस तथा अनंता काशी होटल सहित कंपनियां शामिल रहीं। प्लेसमेंट ड्राइव के अंतर्गत छात्राओं के लिए विभिन्न आकर्षक पदों जैसे रिलेशनशिप ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, ऑपरेशंस एग्जीक्यूटिव, जूनियर अकाउंटेंट,, एजुकेशन काउंसलर आदि हेतु चयन प्रक्रिया आयोजित की गई। चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा, समूह चर्चा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार को शामिल किया गया। जिनके माध्यम से छात्राओं ने अपनी योग्यता, संप्रेषण कौशल एवं व्यावसायिक दक्षता का प्रदर्शन किया।इस सम्बन्ध में कॉलेज प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार की आयोजन छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ उद्योग जगत की व्यवहारिक आवश्यकताओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। संस्थान का उद्देश्य छात्राओं को केवल शैक्षिक रूप से सक्षम बनाना ही नहीं बल्कि उन्हें सफल एवं आत्मनिर्भर करियर के लिए भी तैयार करना है। कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर राजीव सिंह एवं प्रबंधन समिति ने सभी प्रतिभागी कंपनियों का स्वागत करते हुए कहा कि सनबीम वुमेंस कॉलेज वरुणा भविष्य में भी ऐसे ही रोजगारोन्मुखी की कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा ताकि छात्राओं को आधिकारिक कैरियर के अवसर प्राप्त हो सके और वह आत्मविश्वास के साथ अपने उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर हो सके। कॉलेज की प्रशासनिक अधिकारी डा.शालिनी सिंह ने कहा कि यह प्लेसमेंट ड्राइव अंतिम वर्ष की छात्राओं, उत्तीर्ण छात्राओं तथा बाहरी अभ्यर्थियों के लिए भी रोजगार प्राप्त करने का सुनहरा अवसर सिद्ध होगा। 3-- छात्राओं का साक्षात्कार लेते प्लेसमेंट आफिसर

माघ मेला प्रकरणः नागरिक समिति के प्रतिवेदन में शंकराचार्य को निशाना बनाने का आरोप, राज्य–धर्म संतुलन पुनर्स्थापना की अनुशंसा

समाचार भारत, उत्पल दादा

वाराणसी। जगतगुरु शंकराचार्य के मीडिया प्रभारी संजय पांडे द्वारा एक विज्ञप्ति जारी कर कहा गया कि, एक नागरिक समाज की तथ्य-अन्वेषण समिति, जिसमें एम. नागेश्वर राव (सेवानिवृत्त आईपीएस, पूर्व निदेशक, सीबीआई), प्रोफेसर मधु किश्वर तथा श्रीमती ऋतु राठौर (सामाजिक कार्यकर्त्री) शामिल हैं, ने 18 जनवरी 2026 (मौनी अमावस्या) को प्रयागराज माघ मेले में ज्योतिर्मठ शंकराचार्य जी की शोभायात्रा में बाधा से जुड़े घटनाक्रम पर अपना विस्तृत प्रतिवेदन प्रकाशित किया है। यह प्रतिवेदन 12 मई 2026 को काशी में पूर्व निदेशक, सीबीआई श्री एम. नागेश्वर राव द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रकाशित किया गया। प्रतिवेदन के अनुसार, शंकराचार्य जी पारंपरिक पालकी शोभायात्रा के माध्यम से गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। यह शोभायात्रा पूर्व सूचना के साथ प्रशासन की जानकारी में और पुलिस सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक आगे बढ़ रही थी। इसके उपरांत भी संगम के निकट अंतिम चरण में वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों द्वारा इसे रोक दिया गया और शंकराचार्य जी को पालकी से उतरने के लिए कहा

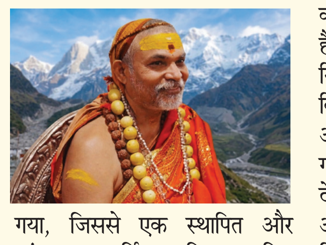

गया, जिससे एक स्थापित और परंपरागत धार्मिक प्रक्रिया बाधित हुई। अधिकारियों ने इस कार्रवाई को संभावित भगदड़ की आशंका बताकर उचित ठहराने का प्रयास किया। किन्तु वीडियो साक्ष्य और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर समिति को ऐसी किसी स्थिति का तत्काल कोई संकेत नहीं मिला। समिति का निष्कर्ष है कि यह कारण घटना के बाद औचित्य सिद्ध करने हेतु प्रस्तुत किया गया। प्रतिवेदन में दर्ज है कि बिना किसी अवैध जमाव या तात्कालिक खतरे के, शोभायात्रा के साथ चल रहे श्रद्धालुओं पर बल प्रयोग किया गया। साथ ही, वेद विद्यार्थियों (बटुकों) के साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें शिखा पकड़कर घसीटा गया। समिति के अनुसार, यह कार्रवाई केवल भीड़ नियंत्रण तक सीमित नहीं थी, बल्कि धार्मिक आचरण में जानबूझकर हस्तक्षेप थी, जिससे ज्योतिर्मठ शंकराचार्य की संस्थागत गरिमा को ठेस पहुँची। प्रतिवेदन आगे की घटनाओं का क्रम भी प्रस्तुत करता है। शंकराचार्य जी से उनकी वैधता सिद्ध करने के लिए नोटिस जारी किए गए। पॉक्सो अधिनियम सहित आपराधिक कार्यवाहियाँ प्रारंभ की गईं, जिनमें गंभीर असंगतियाँ दिखाई देती हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत का राज्य द्वारा कड़ा विरोध भी राजनीतिक स्तर की सक्रिय भूमिका को दर्शाता है। प्रतिवेदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए सार्वजनिक वक्तव्यों का भी उल्लेख किया गया है। इन सभी घटनाओं को समग्र रूप से देखने पर समिति ने निष्कर्ष निकाला है कि यह मामला राज्य शक्ति के उच्चतम स्तरों से संचालित एक समन्वित और गंभीर दुरुपयोग को दर्शाता है, जो ज्योतिर्मठ शंकराचार्य जी और उनकी संस्था के विरुद्ध था। प्रतिवेदन में कहा गया है कि माघ मेला एक प्राचीन सभ्यतागत धार्मिक परंपरा है, जो आधुनिक राज्य से भी पूर्व की है। यह स्पष्ट करता है कि धर्मनिरपेक्षता का संवैधानिक सिद्धांत एक स्पष्ट सीमा निर्धारित करता है—धार्मिक विषयों का संचालन धार्मिक प्राधिकारों द्वारा होना चाहिए, जबकि राज्य को केवल अपने लौकिक दायित्वों जैसे कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, नागरिक सुविधाएँ और अवसंरचना तक सीमित रहना चाहिए। यही व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 में निहित है, जो प्रत्येक धार्मिक संप्रदाय को अपने धर्म का पालन करने तथा अपने धार्मिक संस्थानों का प्रबंधन करने का अधिकार प्रदान करते हैं। प्रतिवेदन यह भी कहता है कि व्यवहार में इस सिद्धांत का उल्लंघन हो रहा है, जहाँ राज्य क्रमशः और चुनिंदा रूप से हिंदू धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है, जबकि इस्लामी और ईसाई धार्मिक मामलों में समान हस्तक्षेप से परहेज करता है। चूँकि इस घटनाक्रम की शुरुआत राज्य की कार्रवाई से हुई, समिति ने अनुशंसा की है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं पहल करते हुए ज्योतिर्मठ शंकराचार्य जी से सीधा संवाद स्थापित करें, संबंधित अधिकारियों से बिना शर्त सार्वजनिक क्षमा-याचना सुनिश्चित करें तथा लगातार मिल रही धमकियों को देखते हुए उनकी सुरक्षा बढ़ाई जाए। संरचनात्मक स्तर पर समिति ने राज्य और धर्म के संबंध में स्पष्ट सुधार की आवश्यकता बताई है। इसके तहत यह अनुशंसा की गई है कि धार्मिक मामलों का संचालन धार्मिक संस्थाओं के अधीन हो, जबकि राज्य अपने लौकिक दायित्वों तक सीमित रहे। इसी संदर्भ में समिति ने "उत्तर प्रदेश हिंदू धर्म परिषद" नामक एक वैधानिक स्वायत्त निकाय के गठन का प्रस्ताव रखा है, जिसकी अध्यक्षता ज्योतिर्मठ शंकराचार्य जी करें और जिसमें मंदिरों, अखाड़ों और मठों सहित पारंपरिक हिंदू धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हों। समिति ने स्पष्ट किया है कि शंकराचार्य जी को अध्यक्ष बनाने की अनुशंसा किसी पक्षपात पर नहीं, बल्कि संस्थागत आधार पर है। ज्योतिर्मठ (उत्तराम्नाय मठ), जिसकी स्थापना भगवान आदि शंकराचार्य ने लगभग 2500 वर्ष पूर्व की थी, उत्तर भारत सहित उत्तर प्रदेश में एक निरंतर और व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त ऐसी आध्यात्मिक परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, जो विभिन्न संप्रदायों के बीच समन्वय और संतुलन स्थापित करने में सक्षम है। समिति ने यह भी कहा कि परिषद की स्वतंत्रता बनाए रखने और उसके राजनीतिकरण, नौकरशाहीकरण या अत्यधिक विधिक स्वरूप में बदलने से बचाने के लिए, राजनेताओं, वर्तमान या पूर्व सरकारी अधिकारियों, और वर्तमान या पूर्व न्यायाधीशों को इसकी सदस्यता से बाहर रखा जाना चाहिए। यह परिषद राज्य में हिंदू धार्मिक मामलों का मार्गदर्शन करेगी, जिसमें धार्मिक शिक्षा, मंदिरों और मेलों का संचालन संबंधित संप्रदायों की परंपराओं के अनुसार सुनिश्चित किया जाएगा। इसका उद्देश्य किसी एकरूपता को थोपना नहीं, बल्कि हिंदू परंपराओं की आंतरिक विविधता को सुरक्षित रखना है, ताकि प्रत्येक संप्रदाय अपनी परंपराओं के अनुसार कार्य कर सके। साथ ही, यह व्यवस्था पारदर्शिता, उत्तरदायित्व तथा सामाजिक समानता, सामाजिक और धार्मिक सद्भाव और सार्वजनिक व्यवस्था का सम्मान सुनिश्चित करेगी। राज्य अपने लौकिक दायित्वों—कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, अवसंरचना और नागरिक सुविधाओं—का निर्वहन करता रहेगा। समिति ने कहा कि इस प्रकार की संरचनात्मक स्पष्टता आवश्यक है, ताकि राज्य और धार्मिक स्वायत्तता के बीच संतुलन पुनः स्थापित हो, हिंदू धार्मिक मामलों में राज्य के हस्तक्षेप को रोका जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। अंत में समिति ने कहा कि काशी—जो सनातन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक और सभ्यतागत केंद्र है—से इस प्रतिवेदन को जारी करना इस विषय के व्यापक महत्व को रेखांकित करता है, जो केवल प्रयागराज की एक घटना तक सीमित नहीं, बल्कि राज्य और हिंदू धार्मिक स्वायत्तता के व्यापक संबंध से जुड़ा हुआ है। एम. नागेश्वर राव पूर्व निदेशक, सीबीआई।

नागरिक समिति के प्रतिवेदन में शंकराचार्य को निशाना बनाने का आरोप

समाचार भारत ब्यूरो चीफ युसुफ खान वाराणसी

वाराणसी। नागरिक समाज के अन्वेषण समिति में सीबीआई के पूर्व निदेशक एम. नागेश्वर राव ने 18 जनवरी 2026 (मौनी अमावस्या) को प्रयागराज माघ मेले में ज्योतिर्मय शंकराचार्य जी की शोभायात्रा में बाधा से जुड़े घटनाक्रम पर अपने विस्तृत प्रतिवेदन में बताया है कि शंकराचार्य जी पारंपरिक पालकी शोभायात्रा के माध्यम से गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। यह शोभा यात्रा पूर्व सूचना के साथ प्रशासन की जानकारी में और पुलिस सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक आगे बढ़ रही थी। इसके उपरांत भी संगम के निकट अंतिम चरण में वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों द्वारा इसे रोक दिया गया और शंकराचार्य जी को पालकी से उतरने के लिए बाध्य किया गया जिससे एक स्थापित और परंपरागत धार्मिक प्रक्रिया बाधित हुई।अधिकारियों ने इस कार्रवाई को संभावित भगदड़ की आशंका बताकर उचित ठहराने का प्रयास किया, किंतु वीडियो साक्ष्य और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर समिति को ऐसी किसी स्थिति का तत्काल

कोई संकेत नहीं मिला। समिति का निष्कर्ष है कि यह कारण घटना के बाद औचित्य सिद्ध करने हेतु प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि किसी अवैध जमाव या तात्कालिक खतरे के शोभायात्रा के साथ चल रहे श्रद्धालुओं पर बल प्रयोग किया गया। साथ ही वेद विद्यार्थियों के साथ भी दुर्व्यवहार भी किया गया और उनका शिखा पकड़कर घसीटा गया। समिति के अनुसार यह कार्रवाई केवल भीड़ नियंत्रण तक सीमित नहीं थी। बल्कि धार्मिक आचरण में जानबूझकर हस्तक्षेप थी जिससे ज्योतिर्मठ शंकराचार्य की संस्थागत गरिमा को ठेस पहुंची। श्री नागेश्वर ने कहा कि शंकराचार्य जी से उनकी वैधता सिद्ध करने के लिए नोटिस जारी किया गया। पाक्सो अधिनियम सहित अपराधिक कार्यवाहियां प्रारंभ की गई।। जिनमें गंभीर और संगतिया दिखाई देती हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत का राज्य द्वारा विरोध भी राजनीतिक स्तर की भूमिका को दर्शाता है।इस प्रतिवेदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिये गये सार्वजनिक वक्तव्यों का भी उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि परिषद की स्वतंत्रता बनाए रखने और उसके राजनीतिकरण, नौकरशाहीकरण या अत्यधिक विधिक स्वरूप में बदलने से बचाने के लिए राजनेताओं वर्तमान या पूर्व सरकारी अधिकारियों और वर्तमान या पूर्व न्यायाधीशों को इसकी सदस्यता से बाहर रखा जाना चाहिए। यह परिषद राज्य में हिंदू धार्मिक मामलों का मार्गदर्शन करेगी जिसमें धार्मिक, शिक्षा, मंदिरों और मेलों का संचालन संबंधित संप्रदायों की परंपराओं के अनुसार सुरक्षित किया जाएगा। इसका उद्देश्य किसी एकरूपता को थोकना नहीं बल्कि हिंदू परंपराओं की आंतरिक विविधता को सुरक्षित रखना है। ताकि प्रत्येक संप्रदाय अपनी परंपराओं के अनुसार कार्य कर सके। साथ ही यह व्यवस्था पारदर्शिता उत्तरदायित्व तथा सामाजिक समानता, सामाजिक और धार्मिक सद्भाव और सार्वजनिक व्यवस्था का सम्मान सुनिश्चित करेगी। राज्य अपने लौकिक दायित्वों, कानून व्यवस्था, सुरक्षा और संरचना और नागरिक सुविधाओं का निर्वहन करता रहेगा। अंत में उन्होंने कहा कि काशी जो सनातन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक और सभ्यतागत केंद्र है- से इस प्रतिवेदन को जारी रखना इस विषय के व्यापक महत्व को रेखांकित करता है। जो केवल प्रयागराज की एक घटना तक सीमित नहीं बल्कि राज्य और हिंदू धार्मिक स्वतंत्रता के व्यापक संबंध से जुड़ा हुआ है। इस नागरिक समिति के प्रतिवेदन के अवसर पर उपस्थित मंचासीन अतिथियों द्वारा एक" ज्योतिर्मठ शंकराचार्य जी के विरुद्ध राज्य शक्ति का दुरूपयोग" नामक पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

कचहरी में युवा अधिवक्ताओं की हुई बैठक,विस्तारीकरण व विस्थापन को लेकर किया मंथन

समाचार भारत , उत्पल दादा

वाराणसी। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के सभागार में कचहरी के विस्तारीकरण व विस्थापन पर युवा अधिवक्ताओ की बैठक मंगलवार को अपराह्न 1.30 बजे आहूत की गयी। बैठक में युवा अधिवक्ताओ ने कहा कि कचहरी में वर्तमान समय पर न तो ठीक ढंग से एक अदालत से दूसरी अदालत जा सकते है एवं कचहरी में युवा अधिवक्ताओ के बैठने की काफी दिक्कत है। यही नही आए दिन बैठने को लेकर युवा और सीनियर अधिवक्ताओ में विवाद पैदा हो रहे है। कचहरी में युवा अधिवक्ता महिला अधिवक्ताओं को भी काफी परेशानी हो रही है। युवा अधिवक्ताओ ने एक सुर में कहा कि दोनो बार एक मत होकर विस्थापन या विस्तारीकरण पर आपस में चर्चा करके मुख्यमंत्री व हाईकोर्ट से मिलकर कचहरी को एक मॉडल कचहरी कैसे बनेगा, उस पर सरकार से मांग करके उसे पूरा करायें। नही तो कचहरी को सेन्ट्रल जेल में विस्थापन करवाकर एक मॉडल कचहरी का निर्माण करवायें। जिससे युवा अधिवक्ताओ का भविष्य उज्जवल हो सके। बैठक में आलोक सौरभ, अमित तिवारी, अवधेश पटेल, विजय शंकर यादव, श्रीपति मिश्र, विवेक कुमार, सुदामा यादव, जितेन्द्र यादव, राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, प्रमोद श्रीवास्तव, प्रान्सू तिवारी, अंकित पाण्डेय, राजेश प्रजापति, सुधा सिंह, दिलदार, राहुल सिंह पटेल, जियाउल्ल अख्तर, कुबेर मौर्या, रूद्रकान्त सिंह, निशान्त त्रिपाठी, मनोज यादव, रजत पाण्डेय, संजय लालवानी, कमलेश त्रिपाठी, सुमन सिंह, रविन्द्र कुमार यादव आदि अधिवक्ताओ ने अपने-अपने विचार रखे। बैठक की अध्यक्षता सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश सिंह गौतम व संचालन महामंत्री आशीष कुमार सिंह ने किया।

साथी पोर्टल के माध्यम से होगा बीज विक्रय, उत्पादन एवं स्टॉक प्रबंधन

समाचार भारत सुमित त्रिपाठी

वाराणसी। कृषि निदेशालय, उत्तर प्रदेश (बीज एवं प्रक्षेत्र अनुभाग), लखनऊ एवं शासन के निर्देशानुसार प्रदेश में कृषकों को उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं बीज व्यवसाय को डिजिटल, पारदर्शी एवं ट्रेसिबल बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा विकसित 'साथी पोर्टल' के माध्यम से बीते 10 मई 2026 से बीज उत्पादन, स्टॉक प्रबंधन, स्थानांतरण एवं विक्रय की समस्त कार्यवाही अनिवार्य रूप से की जाएगी। उक्त जानकारी देते हुए जिला कृषि अधिकारी संगम सिंह ने मंगलवार को बताया कि प्रदेश एवं जनपद के कृषि विश्वविद्यालयों तथा अभिजनक बीज उत्पादक संस्थानों द्वारा अभिजनक बीज का उत्पादन एवं विक्रय साथी पोर्टल के माध्यम

से किया जाएगा। कृषि, पशुपालन, उद्यान विभाग, उ0प्र0बीज विकास निगम एवं अन्य संबंधित संस्थायें आवश्यक बीजों के सापेक्ष उन्होंने बताया कि अभिजनक बीज की मांग भी इसी पोर्टल के माध्यम से प्रेषित करेंगी। सभी सरकारी, अर्द्धसरकारी संस्थाएं, निगम, निजी फर्म/कंपनियां एवं एफपीओ को उ0प्र0 राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था में पंजीकरण कराकर साथी पोर्टल के माध्यम से बीज उत्पादन करना होगा, जिन्हें बीज उत्पादक एजेंसी (एस.पी.ए.) के रूप में मान्यता दी जाएगी। उ0प्र0 राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था द्वारा फसल पंजीयन, क्षेत्र निरीक्षण, निरीक्षण रिपोर्ट, बीज वर्ग एवं श्रोत सत्यापन, सैम्पलिंग, परीक्षण रिपोर्ट, टैग एवं प्रमाणपत्र जारी करने की समस्त प्रक्रिया डिजिटल रूप से पोर्टल पर संपादित की जाएगी। बीज प्रसंस्करण संयंत्रों पर बीज की आवक, प्रसंस्करण, पैकिंग, लॉट निर्माण एवं नमूना ग्रहण की प्रविष्टियां साथी पोर्टल पर अनिवार्य होंगी, साथ ही भौतिक रजिस्टर भी रखा जाएगा। बीज उत्पादक एजेंसी द्वारा स्टॉक स्थानांतरण, विक्रय एवं वापसी केवल साथी पोर्टल के माध्यम से ही की जाएगी तथा अपंजीकृत डीलर/डिस्ट्रीब्यूटर के साथ बीज **व्यवसाय पूर्णतः** प्रतिबंधित रहेगा। पोर्टल पर प्रदर्शित व भौतिक स्टाक में अंतर होने पर होगी कार्रवाई-- जनपद के समस्त डीलर, डिस्ट्रीब्यूटर, बीज विक्रेता, सहकारी एवं सरकारी बीज विक्रय केंद्रों का साथी पोर्टल पर ऑन-बोर्ड होना अनिवार्य है। किसान स्तर तक के सभी लेनदेन का डिजिटल रिकॉर्ड पोर्टल पर रखा जाएगा। पोर्टल पर प्रदर्शित स्टॉक एवं भौतिक स्टॉक में अंतर पाए जाने पर बीज अधिनियम 1966, बीज नियम 1968, बीज नियंत्रण आदेश 1983 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

एनआईओएस : घर बैठे पढ़ाई का आसान और सुनहरा अवसर

समाचार भारत, उत्पल दादा

वाराणसी। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान यानी एनआईओएस भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत संचालित देश का सबसे बड़ा मुक्त विद्यालयी शिक्षा बोर्ड है। यह उन छात्रों के लिए बेहतरीन विकल्प है जो किसी कारणवश नियमित विद्यालय में पढ़ाई नहीं कर पाते। एनआईओएस के माध्यम से छात्र घर बैठे हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। इसके प्रमाणपत्र पूरे देश में मान्य हैं। यहां लचीली अध्ययन व्यवस्था और मांग आधारित परीक्षा जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे छात्र अपनी सुविधा के अनुसार परीक्षा दे सकते हैं। इसके अलावा कंप्यूटर, स्वास्थ्य सेवा, फैशन डिजाइनिंग जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं।

"नर्सें स्वास्थ्य सेवा की मजबूत आधारशिला हैं : डॉ. दयालु"

समाचार भारत, उत्पल दादा

वाराणसी। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदेश के आयुष मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु ने सभी नर्सिंग कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नर्सें स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जो अपनी सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता से मरीजों को नया जीवन देने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों की देखभाल में नर्सों की भूमिका अतुलनीय है। कठिन परिस्थितियों में भी नर्सिंग स्टाफ पूरी निष्ठा और मानवता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करता है, जो समाज के लिए प्रेरणादायक है। डॉ. दयालु ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने

के साथ-साथ नर्सिंग क्षेत्र के विकास और सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने सभी नर्सों के उज्ज्वल भविष्य और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

शंकराचार्य की शोभायात्रा रोकने और दुर्व्यवहार को बताया 'राज्य शक्ति का दुरुपयोग

समचार भारत संजना वर्मा

वाराणसी | नागरिक समाज की अन्वेषण समिति ने प्रयागराज माघ मेले के दौरान ज्योतिर्मठ शंकराचार्य की शोभायात्रा में हुई बाधा को लेकर अपनी विस्तृत रिपोर्ट जारी की है। सीबीआई के पूर्व निदेशक एम. नागेश्वर राव ने इस प्रतिवेदन में प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे धार्मिक परंपराओं में जानबूझकर किया गया हस्तक्षेप करार दिया है। परंपराओं के दमन का आरोप रिपोर्ट के अनुसार, 18 जनवरी 2026 (मौनी अमावस्या) को शंकराचार्य जी की पारंपरिक पालकी शोभायात्रा पुलिस सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक गंगा स्नान के लिए जा रही थी। संगम के निकट अंतिम चरण में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा इसे रोक दिया गया और शंकराचार्य

जी को पालकी से उतरने पर विवश किया गया। समिति ने प्रशासन के 'भगदड़ की आशंका' वाले तर्क को खारिज करते हुए कहा कि वीडियो साक्ष्य और प्रत्यक्षदर्शी ऐसी किसी स्थिति की पुष्टि नहीं करते। यह कार्रवाई केवल भीड़ नियंत्रण नहीं, बल्कि धार्मिक संस्था की गरिमा को ठेस पहुँचाने का प्रयास था। वेद विद्यार्थियों के साथ दुर्व्यवहार श्री नागेश्वर राव ने बताया कि बिना किसी तात्कालिक खतरे के श्रद्धालुओं पर बल प्रयोग किया गया। रिपोर्ट में वेद विद्यार्थियों की शिखा पकड़कर घसीटने और उनके साथ दुर्व्यवहार किए जाने की कड़ी निंदा की गई है। साथ ही, शंकराचार्य जी को नोटिस जारी करने और उन पर पाक्सो (POCSO) अधिनियम सहित अन्य आपराधिक कार्यवाहियों को विसंगतिपूर्ण बताया गया है। न्यायिक और प्रशासनिक सुधार की मांग प्रतिवेदन में हिंदू धार्मिक मामलों के मार्गदर्शन के लिए एक स्वतंत्र परिषद के गठन का सुझाव दिया गया है। समिति का मानना है किः परिषद को राजनीतिकरण और नौकरशाही से मुक्त रखने के लिए राजनेताओं, सरकारी अधिकारियों और न्यायाधीशों को इसकी सदस्यता से बाहर रखा जाना चाहिए। मंदिरों, मेलों और धार्मिक शिक्षा का संचालन संबंधित संप्रदायों की परंपराओं के अनुसार ही सुनिश्चित हो। राज्य केवल कानून व्यवस्था, नागरिक सुविधाओं और सुरक्षा तक ही सीमित रहे। पुस्तक का विमोचन काशी, जो सनातन धर्म का केंद्र है, वहाँ से इस रिपोर्ट को जारी करते हुए विषय की व्यापकता को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों द्वारा "ज्योतिर्मठ शंकराचार्य जी के विरुद्ध राज्य शक्ति का दुरुपयोग" नामक पुस्तक का विमोचन भी किया गया। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यह मुद्दा केवल एक घटना तक सीमित नहीं है, बल्कि हिंदू धार्मिक स्वतंत्रता के संरक्षण से जुड़ा है।

ख़ास ख़बर

चुनार में पत्रकार पर जानलेवा हमला, थाना प्रभारी पर अपराधियों को बचाने का आरोप, एसपी से लगाई न्याय की गुहार

समाचार भारत , बसन्त कुमार गुप्ता ,मीरजापुर। चुनार थाना क्षेत्र से पुलिस कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़ा करने वाला मामला सामने आया है। एक पत्रकार ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र भेजकर आरोप लगाया है कि उस पर जानलेवा हमला हुआ, लेकिन मदद की गुहार लगाने के बावजूद थाना प्रभारी ने फोन तक नहीं उठाया। इतना ही नहीं, बाद में कार्रवाई करने के बजाय समझौते का दबाव बनाया गया और आरोपियों को बचाने की कोशिश की गई। पचराव गांव निवासी पत्रकार वीरेंद्र कुमार सिंह उर्फ विचित्रानंद ने एसपी को भेजे पत्र में बताया कि 25 अप्रैल 2026 की रात करीब 9:15 बजे वह शादी समारोह से अपने घर लौट रहे थे। आरोप है कि रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे दो नकाबपोश हमलावरों ने उन्हें रोक लिया और अचानक हमला बोल दिया। पत्रकार के अनुसार हमलावरों ने बेरहमी से मारपीट की और मोबाइल समेत अन्य सामान छीनने की कोशिश की। सबसे बड़ा आरोप यह है कि घटना के दौरान पत्रकार ने चुनार थाना प्रभारी को कई बार फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं की गई। जब स्थानीय पुलिस से कोई मदद नहीं मिली तो मजबूर होकर यूपी-112 को सूचना देनी पड़ी। पीड़ित का दावा है कि अगले दिन लिखित शिकायत देने के बाद भी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। उल्टा थाना स्तर से "समझौता कर लो" का दबाव बनाया जाने लगा। पत्रकार का कहना है कि जब उसने समझौते से इनकार किया तो पूरा मामला दबाने की कोशिश शुरू हो गई। मामला यहीं नहीं रुका। पीड़ित ने 29 अप्रैल को अपर पुलिस अधीक्षक को भी शिकायत भेजी, लेकिन आरोप है कि 15 दिन बीतने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज पत्रकार ने अब सीधे पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। शिकायती पत्र में पत्रकार ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। भय का आलम यह है कि वह गांव छोड़ने को मजबूर हो रहा है। पीड़ित ने साफ शब्दों में कहा है कि यदि उसके साथ कोई अनहोनी होती है तो उसकी जिम्मेदारी चुनार थाना प्रभारी की होगी।

अबैध बालू खनन का तांडव वन दरोगा की भूमिका सन्दिग्ध

समाचार भारत अरविंद गुप्ता ब्यूरो ,सोनभद्र। जरहा वन रेंज के मोखना राजो नेमना होते हुए अबैध बालू खनन का तांडव जोर पकड़ लिया है।मोखना से बीजपुर तक राजो से नेमना तक खुलेआम खनन माफिया सक्रिय हैं तो जरहा के राजो टोले में एक लतीफ़ा नामक व्यक्ति ताबड़तोड़ बालू गिराने का मास्टर माइंड बताया गया।सूत्रों के अनुसार नेमना गाँव में ग्राम पंचायत से निर्माणाधीन एक सीसी सड़क में सैकड़ों ट्रैक्टर अबैध बालू परिवहन कर लतीफा ने सप्ताह भर में अबैध खनन और परिवहन से लाखों रुपए अर्जित कर लिए।विभागीय सूत्रों के अनुसार क्षेत्र में चल रहे अंधाधुंध अबैध खनन के पीछे के दो बीट के वन दरोगा की भूमिका सन्दिग्ध बताई जा रही है जिसके कारण मोखना और राजो नेमना जरहा बीजपुर नकटू सहित पास पड़ोस के गाँवों में प्रधानों द्वारा विकास कार्यो और जरूरतमंद लोगों तक खुलेआम बालू पहुँचाने का खेल बदस्तूर जारी है।बताया तो यहाँ तक गया कि क्षेत्र में भ्रमण के दौरान रात के अंधेरे में डायल पुलिस की कार्य शैली भी अबैध खनन में सवालो के घेरे में हैं।सूत्र बताते हैं कि वन क्षेत्र में तैनात एक घाघ वन दरोगा वर्षो से इसी रेंज में तैनात है जो जमीन कब्जा और खनन को लेकर विवादों के घेरे में हैं उसी के संरक्षण में समूचे जरहा रेंज की नदियों से अबैध बालू खनन का तांडव पिछले चार महीना से संचालित है।उक्त वन दरोगा के क्रिया कलाप से वनाधिकारी गुमराह और अनजान हैं जिसके कारण सभी को अंधेरे में रख कर खनन माफियाओं से सेटिंग के जरिए खनन को अंजाम दे रहा हैं।डीएफओ रेणुकोट कमल कुमार ने कहा सूचना लीक नही होगी तो बड़ी कारवाई द्वारा जल्द की जाएगी।

मझवा ब्लॉक परिसर में दिव्यांगजन सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

समाचार भारत गुड्डु सिंह ,कछवा मिर्जापुर। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत मझवा ब्लॉक परिसर में मंगलवार को दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से खंड विकास अधिकारी मझवा विमल प्रकाश पांडे के नेतृत्व में दिव्यांगजन सशक्तिकरण शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य केंद्र दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर और अन्य सहायक उपकरणों हेतु आवेदन प्रक्रिया को सुलभ बनाना रहा। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए दिव्यांगजनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान पात्र लाभार्थियों के दस्तावेजों की जांच की गई और व्हीलचेयर के लिए उनके ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन जमा किए गए। विभागीय अधिकारियों द्वारा दिव्यांगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही अन्य कल्याणकारी योजनाओं, जैसे दिव्यांग पेंशन और रेलवे पास की जानकारी भी दी गई। कई दिव्यांगजनों की समस्याओं को सुनकर मौके पर मौजूद अधिकारियों ने उनका त्वरित समाधान करने का प्रयास किया वहीं शिविर के दौरान संबंधित अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य उन दिव्यांगों तक सहायता पहुंचाना है जो जानकारी के अभाव में सरकारी लाभ से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही पात्र आवेदकों को चिन्हित कर उन्हें ब्लॉक स्तर पर ही व्हीलचेयर वितरित की जाएगी। ब्लॉक परिसर में आयोजित इस शिविर से दिव्यांगों और उनके परिजनों में खुशी देखी गई। लाभार्थियों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से उन्हें जिला मुख्यालय के चक्कर काटने से मुक्ति मिली है और घर के पास ही आवेदन की सुविधा प्राप्त हुई है।

अंश निर्धारण अभियान में तेजी, पांच दिवसीय विशेष अभियान शुरू

समाचार भारत अरविंद गुप्ता ब्यूरो

सोनभद्र। जनपद में खतौनी में अंश निर्धारण कार्य को गति देने के लिए जिलाधिकारी ने 12 से 16 मई 2026 तक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। अभियान के तहत ग्रामवार खातेदार एवं सहखातेदारों की खतौनियों में लंबित अंश निर्धारण कार्य तेजी से पूर्ण कराया जाएगा जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि तहसील स्तर पर सुव्यवस्थित कार्य योजना तैयार कर क्षेत्रीय लेखपालों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाएं तथा नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अंश निर्धारण कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी क्षेत्रीय लेखपाल ग्रामवार कार्य योजना तैयार कर अपनी प्रगति प्रत्येक तीन घंटे के अंतराल पर गूगल शीट में अनिवार्य रूप से दर्ज करेंगे, जिससे कार्यों की प्रभावी निगरानी एवं समीक्षा की जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि अभियान के माध्यम से लंबित अंश निर्धारण प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कर राजस्व अभिलेखों को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाया जाएगा, जिससे आमजन को राजस्व संबंधी कार्यों में सहूलियत मिलेगी। अभियान के प्रथम दिवस मंगलवार को सायं 4 बजे तक तहसील रॉबर्ट्सगंज में 490, घोरावल में 489, ओबरा में 304 तथा दुद्धी तहसील में 1528 अंश निर्धारण की कार्यवाही की गई। इस प्रकार चारों तहसीलों में कुल 2811 अंश निर्धारण प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

यूपी से एमपी में विदेशी शराब की तस्करी अभी रुकी नही, अब देशी शराब की खेप के साथ युवक गिरफ्तार

समाचार भारत अरविंद गुप्ता ब्यूरो

सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के बीजपुर बाजार और आसपास के इलाकों से सीमावर्ती राज्य मध्य प्रदेश में अवैध शराब की तस्करी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार सुबह पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर एक युवक को अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराधियों और अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बीजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। मंगलवार सुबह पुलिस टीम ने एमपी के बैढ़न-सिरसोती रोड पर रमाशंकर के मकान के पास एक संदिग्ध युवक को रोका। तलाशी लेने पर अभियुक्त के पास से एक सफेद रंग की बोरी बरामद हुई। बोरी खोलने पर उसमें से 35 पैकेट उत्तर प्रदेश निर्मित वाह ऑरेंज देशी मदिरा बरामद की गई। पूछताछ में पता चला कि यह शराब अवैध रूप से तस्करी कर मध्य प्रदेश ले जाई जा रही थी। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अभियुक्त की पहचान आशीष सिंह पुत्र स्व. हरि सिंह, निवासी मुनगहवां, थाना बैढ़न, जनपद सिंगरौली के रूप में हुई है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। गौरतल हो कि यूपी के बीजपुर से बिदेशी शराब की मध्यप्रदेश में तस्करी का मामला अभी थमा नही था कि अब देशी शराब की खेप बीजपुर पुलिस द्वारा पकड़ा जाना जिला आबकारी विभाग के कार्रवाई और पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं यहाँ शराब बिक्री नीति पर तरह तरह की चर्चाएं और विभागीय कार्रवाई पर लोग अंगुली उठाने लगे हैं।

फर्जी पुलिस-अधिकारी बनकर करते थे ब्लैकमेल, AI वीडियो से मानसिक प्रताड़ना; सोनभद्र पुलिस का बड़ा खुलासा

समाचार भारत अरविंद गुप्ता ब्यूरो

सोनभद्र। देश में तेजी से बढ़ते साइबर अपराध अब लोगों की जान तक लेने लगे हैं। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में साइबर ब्लैकमेलिंग का एक बेहद भयावह मामला सामने आया है, जहां लगातार ऑनलाइन धमकियों, अश्लील AI वीडियो और पैसों की उगाही से परेशान एक युवक ने आत्महत्या कर ली। इस दर्दनाक घटना के बाद हरकत में आई सोनभद्र पुलिस ने राजस्थान से पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर खुद को पुलिस, आर्मी और सरकारी अधिकारी बताते थे। इसके बाद लोगों को वीडियो कॉल कर डराया-धमकाया जाता था और AI तकनीक के जरिए अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया जाता था। आरोपियों का मकसद केवल एक था-डर पैदा कर लोगों से पैसे वसूलना। मामले की शुरुआत तब हुई जब मृतक की पत्नी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि उसके पति ने अप्रैल महीने में अपने घर में आत्महत्या कर ली थी। शुरुआत में मौत का कारण स्पष्ट नहीं था, लेकिन मोबाइल फोन, बैंक ट्रांजैक्शन और चैट रिकॉर्ड की जांच में सामने आया कि मृतक लंबे समय से साइबर ब्लैकमेलिंग का शिकार था। जांच में यह भी सामने आया कि मृतक से लगातार पैसों की मांग की जा रही थी और उसे मानसिक रूप से इतना प्रताड़ित किया गया कि उसने जिंदगी खत्म करना ही आखिरी रास्ता समझ लिया। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि साइबर अपराध अब केवल ऑनलाइन ठगी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोगों की मानसिक स्थिति और जीवन पर सीधा हमला बन चुका है।तकनीकी जांच और सर्विलांस के जरिए पुलिस को सुराग राजस्थान के अलवर जिले तक मिले। वहां स्थानीय पुलिस की मदद से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, नकदी और फर्जी खातों से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक गिरोह का नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ है और यह संगठित तरीके से साइबर उगाही का काम कर रहा था। साइबर ब्लैकमेलिंग आज समाज के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। अपराधी AI तकनीक और फर्जी सोशल मीडिया आईडी का इस्तेमाल कर लोगों को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। इस मामले में भी पीड़ित को लगातार धमकियां देकर और अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सोनभद्र पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सर्विलांस की मदद से राजस्थान से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आम जनता से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार की साइबर धमकी या ब्लैकमेलिंग की सूचना तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी पुलिस स्टेशन को दें। सोनभद्र की यह घटना केवल एक जिले की खबर नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है। AI तकनीक और सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल अब लोगों को मानसिक मौत की ओर धकेल रहा है। जरूरत है कि साइबर अपराधों के खिलाफ सख्त कानूनों के साथ-साथ लोगों को भी जागरूक किया जाए, ताकि कोई और परिवार इस तरह बर्बाद न हो।

सुनसान मार्ग पर बदसलूकी की घटनाओं से बढ़ा भय

समाचार भारत अरविंद गुप्ता ब्यूरो

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज-घोरावल मुख्य मार्ग पर सदर कोतवाली क्षेत्र के जैत और परासी दुबे गांव के बीच रात्रि के समय अराजकतत्वों की गतिविधियों से राहगीरों में भय का माहौल व्याप्त है। आए दिन राह चलते लोगों के साथ गाली-गलौज, डराने-धमकाने और वाहन रोकने के प्रयास की घटनाएं सामने आने से लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में नियमित रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार बीती रात करीब नौ बजे रितेश नामक युवक ड्यूटी समाप्त कर बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन युवकों ने तेज रफ्तार से पीछा करते हुए उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी तथा बाइक ओवरटेक कर रोकने का प्रयास किया। युवक ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए अपनी बाइक की गति बढ़ाई और किसी तरह वहां से सुरक्षित निकलकर अपनी जान बचाई। पीड़ित युवक का कहना है कि यदि उसने सतर्कता नहीं दिखाई होती तो अराजकतत्व किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते थे। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय नागरिकों के मुताबिक इस सुनसान मार्ग पर पूर्व में भी कई राहगीरों के साथ इस प्रकार की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे रात के समय आवागमन करने वाले लोग भयभीत रहते हैं। क्षेत्रवासियों ने पुलिस अधीक्षक का ध्यान आकर्षित कराते हुए राबर्ट्सगंज-घोरावल मुख्य मार्ग पर जैत और परासी दुबे गांव के बीच नियमित पुलिस गश्त कराने तथा अराजकतत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ससुराल वालों पर विवाहिता को लाठी-डंडों से पीटने और जान से मारने की धमकी का आरोप

समाचार भारत अरविंद गुप्ता ब्यूरो

सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत बीजपुर बाजार से घरेलू हिंसा और मारपीट का एक गंभीर मामला सामने आया है। एक विवाहिता ने अपने पति, सास, जेठ और ननद पर मारपीटगाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार बीजपुर कस्बा निवासी उर्मिला गुप्ता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि घटना 10 मई रात करीब 8:00 बजे की है। पीड़िता के अनुसार उसके ससुराल पक्ष के लोगों ने एक राय होकर उसे भद्दी-भद्दी गालियां दीं और लात-घूसों सहित लाठी डंडों से बुरी तरह पीटा। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने सूरज गुप्ता पति, चन्दन गुप्ता जेठ, सोनी ननद, कलावती सास के विरुद्ध मामला पंजीकृत कर लिया है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपियों ने पीड़िता को धमकी दी कि यदि वह दोबारा कस्बे में दिखाई दी तो उसे जान से मारकर फेंक देंगे। पुलिस ने पीड़ित महिला के मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है जिसमे स्वेच्छा से चोट पहुँचाना, शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना, जान से मारने की धमकी जैसी गम्भीर धाराएं शामिल है। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है और पीड़िता को न्याय का भरोसा दिलाया है। मामला एक तथाकथित नेता के घर का होने के कारण बाजार में तरह तरह के चर्चाओं का विषय बना हुआ है।

गेरुआ धारण करने वाली सरकार में सबसे अधिक हो रही गो हत्या : शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

समाचार भारत

सोनभद्र स्थानीय बाजार स्थित मां शिव देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सरस्वती प्रांगण में सोमवार की शाम जगद्गुरु शंकराचार्य महाराज की 81 दिवसीय गविष्ठि गो-रक्षार्थ धर्म यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। समाजसेवी जयप्रकाश पांडेय उर्फ चेखुर पांडेय एवं उनके माता-पिता द्वारा सनातन परंपरा के अनुसार विधिवत पूजा-अर्चना कर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि जो लोग गौ माता की रक्षा की सबसे अधिक बातें करते हैं, वही आज इस यात्रा पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में गेरुआ धारण करने वाली सरकार के शासनकाल में सबसे अधिक गो हत्या हो रही है।साथ ही उन्होंने समाज से ब्राह्मणों से अपने आचरण को शुद्ध रखते हुए जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने मीडिया की भूमिका पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकांश मीडिया संस्थानों की कार्यशैली चिंताजनक होती जा रही है, इसलिए लोगों को गुमराह होने से बचना चाहिए। इस दौरान शंकराचार्य ने घोरावल क्षेत्र में गौशाला निर्माण की जिम्मेदारी समाजसेवी एवं मां शिव देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के संस्थापक प्रबंधक जयप्रकाश पांडेय उर्फ चेखुर पांडेय को सौंपी। साथ ही उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग की। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य गो माता की रक्षा, संरक्षण तथा सनातन संस्कृति के प्रति समाज को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में गौ माता को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गाय को गाय नहीं, कमाई बना दी गई है। उन्होंने कहा कि गो माता केवल पशु नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की आत्मा हैं। "हमारे पूर्वजों ने जिसे मां कहा, अंग्रेजों ने उसे पशु की श्रेणी में डाल दिया।" उन्होंने आगे कहा कि "गाय का खून और दूध एक पात्र में नहीं रह सकता, उसी प्रकार गौ हत्यारों का समर्थन करने वालों और गौ सेवकों की विचारधारा साथ नहीं चल सकती।" यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। शाहगंज आगमन पर स्थानीय कार्यकर्ताओं और आमजन की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही संगीतमय भजन-कीर्तन का आयोजन चलता रहा, जिसका उपस्थित श्रद्धालुओं ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में सांसद, ओमप्रकाश तिवारी, डॉ. लोकपति सिंह पटेल, अशोक चौबे, विजय शंकर चतुर्वेदी, राम निहोर यादव, अरुण कुमार पाण्डेय, शिवपूजन विश्वकर्मा, राजेश कुमार विश्वकर्मा, अनिल कुमार पाण्डेय, सुनीता चौबे, रामरूप शुक्ला, प्रशांत सिंह, संतोष कुमार नागर, सर्वेश कुमार श्रीवास्तव एवं रामानुज धर द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राकेश तिवारी ने किया।

लेखपाल की मिलीभगत का आरोपः सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा बरकरार,राजस्व टीम की जांच के बाद भी नही हटा अतिक्रमण

» पन्नूगंत थाना समाधान दिवस की अवहेलनाः सरकारी जमीन पर कब्जे का मामला उठाया गया था राजस्व टीम ने मौके पर जाकर पुष्टि की फिर भी कब्जा बरकरार लेखपाल की सह पर अवैधअतिक्रमण जारी

समाचार भारत

सोनभद्र। चतरा क्षेत्र अंतर्गत पडरी कला में भूमाफियाओं एवं लेखपाल के मिली भगत से शासन के निर्देश का की गई खुल्लम अवहेलना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश की समस्त सरकारी भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के सख्त निर्देशों के बावजूद क्षेत्रीय लेखपाल की दबंगई भूमाफियाओं से मिलीभगत के चलते सरकारी जमीन पर कब्जा बरकरार है।विकास खंड चतरा के ग्राम पंचायत पड़री कलां में गाटा संख्या 611 क की सरकारी भूमि पर भूमाफियाओं ने अवैध कब्जा कर रखा है ग्रामीणों का आरोप है कि यह कब्जा क्षेत्रीय लेखपाल के संरक्षण में चल रहा है।पन्नूगंज थाना समाधान दिवस में ग्राम प्रधान विजय कुमार द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का मामला उठाया गया था। राजस्व अधिकारियों की स्थलीय जांच में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा पाए जाने की पुष्टि हुई। कब्जाधारी व्यक्ति ने अधिकारियों के समक्ष लिखित आश्वासन दिया 10.05.2026 तक स्वयं अतिक्रमण हटा लेगा।निर्धारित तिथि बीत जाने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया जिससे स्पष्ट है कि लेखपाल व भूमाफिया की साठगांठ से मुख्यमंत्री के आदेशों की खुलेआम अवहेलना हो रही है।ग्रामीणों का कहना है कि लेखपाल की निष्क्रियता एवं भूमाफियाओं से मिलीभगत के कारण सार्वजनिक सरकारी भूमि पर कब्जा बना हुआ है। इससे उत्तर प्रदेश सरकार की छवि धूमिल हो रही है व सरकार को बदनाम किया जा रहा है आमजन में गहरा आक्रोश है ग्राम पड़री कलां के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी चर्चित गौंड की ईस ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल कब्जा मुक्त कराते हुए दोषी लेखपाल सहित अवैध कब्जे में संलिप्त एवं लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध FIR व विभागीय कार्रवाई की मांग की है

निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

» निर्माण कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश

समाचार भारत अरविंद गुप्ता ब्यूरो

सोनभद्र। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग स्टाफ की तैनाती एवं संबंधित समस्याओं के निराकरण को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य को निर्देशित करते हुए कहा कि नर्सिंग स्टाफ से जुड़ी सभी समस्याओं का जनपद स्तर पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जिन समस्याओं के समाधान के लिए शासन स्तर पर कार्रवाई आवश्यक हो, उनके संबंध में तत्काल पत्राचार कर प्रस्ताव शासन को भेजा जाए, ताकि मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने हेतु सभी आवश्यक कदम प्राथमिकता के आधार पर उठाने के निर्देश दिए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा जिला खनिज फाउंडेशन निधि से कराए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि पांच करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की गुणवत्ता जांच आईआईटी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं से कराई जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अन्य परियोजनाओं की गुणवत्ता जांच हेतु टीम गठित कर नियमित परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। गुणवत्ता परीक्षण के उपरांत ही अग्रिम कार्यवाही की जाए तथा सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाएं। बैठक में मुख्य कोषाधिकारी इंद्रभान सिंह, सीनियर माइंस ऑफिसर कमल कश्यप, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग नूर आलम सहित संबंधित निर्माण एजेंसियों के अधिशासी अभियंता उपस्थित रहे।

खास खबर

सेवायोजन विभाग में सऊदी अरब में नौकरी के लिए करे आवेदन

भदोही। जिला सेवयोजन अधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि सेवायोजन विभाग अधिक से अधिक बेरोजगार अभ्यर्थियों को लिखित एवं साक्षात्कार के माध्यम से मैकेनिकल हेल्पर, फिटर, वेल्डिग, पाइप फेब्रीकेशन, टेक्नीशियन, प्लम्बर एवं स्ट्रक्चर वेल्डर के विभिन्न पदों पर हाईस्कूल, आईटीआई (फिटर, वेल्डर, मैकेनिक मशीन टुल्स), डिप्लोमा (मैकेनिकल) योग्यता धारी के लिए, सऊदी अरब में केवल पुरूष के लिए आयु 24 से 48 वर्ष तक वेतन रू 43962 से 99,118 रुपए तक, इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाइट पर पजीयन करते हुए आवेदन कर सकते है। टोल फ्री नम्बर पर अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी व शर्तो के लिए पात्रता के बारे में जानकारी ले सकते है। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी जिला सेवायोजन कार्यालय, भदोहीं में आकर प्राप्त कर सकते है।

पुलिस ने शांतिभंग के अंदेशा में 26 व्यक्तियों को किया गिरफतार

- यातायात पुलिस ने यातायात नियमों के उल्लंघन में किया 126 वाहनों का चालान

भदोही। जनपदीय पुलिस ने मंगलवार को 26 व्यक्तियों को शांतिभंग के अंदेशा में गिरफतार किया। वहीं यातायात पुलिस ने अभियान चलाकर 126 वाहनों का चालान कर एक लाख 29 हजार रुपए का समन किया। इस दौरान यातायात पुलिस द्वारा जनपद में प्रतिदिन सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। आज यातायात पुलिस ने नियमों के उल्लंघन में कार्रवाई करते हुए 110 दो पहिया वाहनों व 16 चार पहिया सहित कुल 126 वाहनों का चालान कर एक लाख 29 हजार रुपए का समन किया। वहीं थाना गोपीगंज क्षेत्र अंतर्गत उपनिरीक्षक राजेंद्र प्रसाद ने आनापुर से 5 अभियुक्तों को शांतिभंग के अंदेशा में गिरफतार किया। थाना औराई क्षेत्र अंतर्गत उपनिरीक्षक सिराजुद्दीन खां ने सहसेपुर से 3 व उपनिरीक्षक गजानंद चौबे ने कस्बा औराई से 5 अभियुक्तों को शांतिभंग के अंदेशा में गिरफतार किया। थाना सुरियावां क्षेत्र अंतर्गत उपनिरीक्षक अजय कुमार ओझा ने ग्राम भोरी से 2, ग्राम दशरथपुर से 2 एवं उपनिरीक्षक भीम राय ने ग्राम भटेवरा से एक अभियुक्तों को शांतिभंग के अंदेशा में गिरफतार किया। थाना दुर्गागंज क्षेत्र अंतर्गत उपनिरीक्षक सूरजबली वर्मा ने ग्राम सरायकंसराय से 3 व ग्राम रामनगर से 2, उपनिरीक्षक रणजीत सिंह ने ग्राम शेरपुर गोपलहा से एक एवं उपनिरीक्षक सारनाथ यादव ने ग्राम छनौरा से 2 अभियुक्तों को शांतिभंग के अंदेशा में गिरफतार किया। पुलिस ने सभी व्यक्तियों को गिरफतार कर धारा 170, 126 व 135 बीएनएसएस में चालान संबंधित न्यायालय किया।

शारिक ने सहपाठियों के साथ भेंट किया हेड ऑफ द कॉमर्स डिपार्टमेंट को कालीन

- उक्त कालीन पर उकेरा गया था लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज का नाम और लोगो

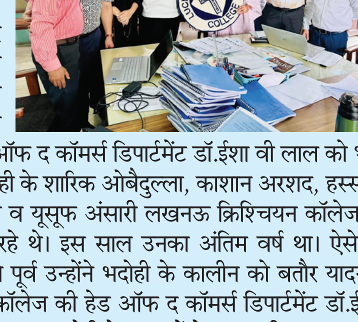

भदोही। लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज के बीकाम अंतिम वर्ष के छात्र शारिक ओबैदुल्ला ने अपने सहपाठियों के साथ कालीन पर उकेरे गए कॉलेज का नाम और लोगो वाले उत्कृष्ट कार्पेट को महाविद्यालय की हेड ऑफ द कॉमर्स डिपार्टमेंट डॉ.ईशा वी लाल को भेंट किया। इस दौरान भदोही के शारिक ओबैदुल्ला, काशान अरशद, हस्सान वाजिद, ओबैद अंसारी व यूसूफ अंसारी लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज में बीकाम की शिक्षा ले रहे थे। इस साल उनका अंतिम वर्ष था। ऐसे में महाविद्यालय छोड़ने से पूर्व उन्होंने भदोही के कालीन को बतौर यादगार के रुप में भेंट किया। कॉलेज की हेड ऑफ द कॉमर्स डिपार्टमेंट डॉ.ईशा वी लाल ने कालीन ग्रहण कर भदोही के बुनकरों के कला की सराहना की। इस दौरान शारिक ओबैदुल्ला ने उन्हें बताया कि भदोही को औद्योगिक कालीन नगरी के नाम से जाना जाता है। भदोही की बनी कालीनें सिर्फ देश में ही नहीं बल्कि विश्व के तमाम देशों में प्रसिद्ध है। उन्होंने बताया कि भदोही के बुनकर पीढ़ी दर पीढ़ी से ऊन की कताई, रंगाई और करघे पर जटिल डिजाइनों की बुनाई करते हैं। मुगल काल से चली आ रही यह कला भदोही के लोगों की संस्कृति में रची-बसी है। जनपद के 90 फीसदी लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से इस कारोबार में जुड़े हुए हैं। यह उद्योग उन्हें रोजगार उपलब्ध करा रहा है। श्री शारिक ने बताया कि कालीन की घरेलू खपत मात्र दो फीसदी ही है। जबकि 98 उत्पादन दुनियाभर के देशों में निर्यात किए जाते हैं। भारत से सालाना निर्यात होने वाले कालीनों का 60 फीसदी भागीदारी भदोही की है। इस मौके पर अभिषेक सिंह यादव, अभिषेक गुप्ता, पंकज कुमार गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, रोहन बेंजामिन आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय निर्माण के लिए हुआ भूमिपूजन

समाचार भारत

- 2477.77 लाख की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक विद्यालय का सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष व डीएम ने किया शुभारंभ

भदोही। जनपद में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय (प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक) बहरैची के निर्माण कार्य का भूमि पूजन वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ हुआ। सांसद डॉ.विनोद कुमार बिंद, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, पूर्व विधायक भदोही रविंद्रनाथ त्रिपाठी तथा डीएम शैलेश कुमार ने संयुक्त रूप से भूमि पूजन कर परियोजना के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान सभी लोगों ने पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय आधुनिक शिक्षा व्यवस्था से युक्त होगा, जिससे ग्रामीण एवं आसपास के क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। विद्यालय में प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक की शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। जिससे विद्यार्थियों को एक ही परिसर में बेहतर शैक्षिक वातावरण मिल सकेगा। परियोजना के अंतर्गत कुल 2477.77 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से प्रथम चरण में 1238.88 लाख रुपए अवमुक्त किए गए हैं। निर्माण कार्य का दायित्व परियोजना प्रबंधक यूपीपीसीएल यूनिट-16 मिर्जापुर को सौंपा गया है। अधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराया जाएगा। विद्यालय परिसर में मुख्य भवन (जी+2), मिड डे मील भवन (जी+1), बाल वाटिका, मल्टीपरपज हॉल, प्रिंसिपल आवास, स्टाफ रूम, डोरमेट्री, गार्ड रूम, साइट डेवलपमेंट, बाउंड्रीवाल, सीसी रोड एवं इंटरलॉकिंग सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाओं का निर्माण कराया जाएगा। आधुनिक संसाधनों से युक्त यह विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण से क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षिक अवसर प्राप्त होंगे तथा अभिभावकों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए दूर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इस मौके पर एसडीएम भदोही अरुण गिरी, बीएसए शिवम पांडेय सहित अन्य अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामवासी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों की उपस्थिति रही।

विस चुनाव को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने की समीक्षा बैठक

समाचार भारत वरिष्ठ संवाददाता

- राजेश दीक्षित ने कांग्रेसियों के साथ हनुमान लला की ड्योढ़ी में टेका माथा

बांदा। जिले के नरैनी क्षेत्र के गुढ़ाकला के हनुमान लला मंदिर में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कांग्रेसियों सहित उनकी ड्योढ़ी में माथा टेक उनके श्री चरणों में कोटि कोटि नमन कर श्रद्धापूर्वक दर्शन किया और भव्य भंडारा में प्रसाद चखा।नरैनी विधानसभा क्षेत्र के नरैनी ब्लॉक परिसर में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कांग्रेस पार्टी नेताओं के साथ समीक्षा बैठक की।कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने बतलाया कि आगामी विधानसभा चुनावों के परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस पार्टी की यह समीक्षा बैठक है, विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी को लेकर कांग्रेस पार्टी की रूपरेखा तैयार की गई व आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विचार विमर्श किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने पनगरा स्थित कुटी पहुंचकर महाराज कृष्णानंद सरस्वती से शुभाशीष प्राप्त किया।समीक्षा बैठक के दौरान कांग्रेस एआईसीसी सदस्य रमेश चन्द्र कोरी, रामकृष्ण निगम कांग्रेस नगर अध्यक्ष नरैनी, अबू हुरैरा जिला वक्ता, पार्टी के सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सन्तोष कुमार द्विवेदी, सुनील चौरसिया पिप्पी, जितेन्द्र गुप्ता, लालबाबू राजपूत आदि मौजूद रहे।

भाकियू ने चकबंदी भ्रष्टाचार के खिलाफ जांचोपरांत कार्यवाही की उठाई मांग

कार्यकर्ताओं ने मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में सौंपा ज्ञापन

समाचार भारत वरिष्ठ संवाददाता

बांदा। भारतीय किसान यूनियन ने मंडल अध्यक्ष बलराम तिवारी के नेतृत्व में चकबन्दी में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच उपरांत दोषियों पर कठोर कार्यवाही किए जाने को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने डी एम को संबोधित ज्ञापन में आरोप लगाया है की फर्जीवाडे विधि-विरूद भ्रष्टाचार करते हुए किसानों का शोषण किया जा रहा है। सर्वाधिक प्रभावित ग्राम-बहिंगा, खप्टिहा, सिलेहटा, अमलीकौर, महबरा, अलिहा, हटेटीपुरवा प्रमुख है। मौजा हटेटीपुरवा स्थिति भूमि के हुए फर्जी बैनामों अनु० जाति के उसके देबिया के 34 बीघे भूमि का विभागीय अधिकारी ने फर्जी तरीके से नामान्तरण आदेश पारित किया तथा नामान्तरण आदेश फर्जी तरीके से खारिज भी कर दिया गया। दोनों नामान्तरण पत्रावलियों की जाँच हो। हटेटीपुरवा निवासी नन्हुवा पुत्र ललुवा के 4 हेक्टेयर भूमि का फर्जी बैनामों का भी बिना सम्मन तामीला आदि के च० सदस्यों के फर्जी हस्ताक्षर करके नामान्तरण आदेश पारित किया गया, पत्रावली शामिल जाँच की जावे। 10 वर्ष पूर्व मृतक चुनिया निवासी कनवारा व फुलिया की भूमि की फर्जी रजिस्ट्री का फर्जी तरीके से नामान्तरण भी कर दिया गया तथा पोल खुल जाने पर बिना क्षेत्राधिकार के स०च०अधि०-अजय कुमार द्वारा स्वयं नामान्तरण खारिज भी कर दिये गये।इसी तरह रामनरायण निषाद आदि के फर्जी रजिस्ट्री के फर्जी नामान्तरण आदेश पारित किये गये है।चकबन्दी न्यायालय में आनलाइन होने के बाद नामान्तरण आदेश आफलाइन पारित किये गये ताकि फर्जीवाडे की जानकारी सार्वजनिक न हो। मौजा-सिलेहटा स्थिति भूमि के धोखाधड़ी पूर्ण कराये गये बैनामों का नामान्तरण आदेश सहायक चकबंदी अधिकारी रामविलास आजाद द्वारा बिना क्षेत्राधिकार के प्रधान व चकबन्दी सदस्यों के फर्जी हस्ताक्षर कर बिना सम्मन तामीला के फर्जीवाडा करते हुए आदेश पारित कर दिया गया एसोसी की जाँच में दोषी पाया गया लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नही की गयी। ज्ञापन देने के दौरान मंडल उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, महासचिव जग प्रसाद फौजी, तहसील अध्यक्ष रोहित द्विवेदी, बीरेंद्र, ब्रजेश, नारायण, गौरव,बीरेंद्र, बृजेंद्र आदि मौजूद रहे।

कानपुर के बाद अब लखनऊ में संस्कृति सम्मान से नवाजी गई शिक्षिका ज्योति विश्वकर्मा

शिल्पकार महासभा के पदाधिकारियों ने खुशी जता बोले बेटे-बेटियां कवयत्री से ले प्रेरणा

- 274 पृष्ठीय पुस्तक का यूपी की राजधानी में विमोचन

समाचार भारत वरिष्ठ संवाददाता

बांदा। कवयत्री एवं शिक्षिका ज्योति विश्वकर्मा ने विभिन्न जिलों में आयोजित सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रमों में जहां स्वरचित काव्य पेश कर अपनी प्रस्तुति से आगंतुकों को देर वक्त तक बांधे रखा। वही साहित्य एवं संस्कृति में दूसरों को पीछे करने में इन्हें महारत हासिल है। कानपुर के बाद अब लखनऊ में आयोजित सृजन अंतरराष्ट्रीय कला साहित्य संस्कृति एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक समागम में जिले की बड़ोखर खुर्द जारी में एक शिक्षिका का दायित्व संभाल रही ज्योति विश्वकर्मा को साहित्य एवं संस्कृति से नवाजा गया। साहित्यिक सेवाओं और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें अंतर्राष्ट्रीय कला साहित्य संस्कृति सम्मान प्रदान किया गया।समारोह में उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड के उपाध्यक्ष नटवर गोयल, सेवानिवृत्त मंडलायुक्त दिनेश सिंह कुमार सिंह, राज्य सूचना आयुक्त स्वतंत्र प्रकाश गुप्ता, इग्नू लखनऊ के क्षेत्रीय निदेशक जयप्रकाश वर्मा, राज्य विधिक अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार गुप्ता एवं असिस्टेंट प्रोफेसर खुशबू वर्मा रही। कार्यक्रम में ज्योति की 274 पृष्टि पुस्तक 'काव्य किरण' का विमोचन अतिथियों ने किया। कुछ दिनों पूर्व कानपुर में आयोजित एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शिक्षिका ज्योति विश्वकर्मा को कानपुर श्रमायुक्त डॉ० सौम्या पांडे, मिशन शिक्षण संवाद संस्थापक विमल कुमार, शक्ति संवाद प्रभारी सरिता राय और महिला शिक्षक संघ अध्यक्ष सुलोचना मौर्य आदि ने राज्य स्तरीय मिशन शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया। अध्यापिका ज्योति के दिन पे दिन सफलता एवं प्रगति के पथ में चलने पर अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा जनपद इकाई के पदाधिकारियों ने खुशी जताई है। जिला मीडिया प्रभारी ललित विश्वकर्मा एवं जनपद कोषाध्यक्ष मनबोधन विश्वकर्मा ने खुशी जताते हुए कहा कि जिलाध्यक्ष रामबाबू विश्वकर्मा सहित सभी पदाधिकारियों ने बेहद प्रसन्नता जताई है। दोनों वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि शिक्षिका से समाज के बेटे और बेटियों को प्रेरणा लेनी चाहिए तभी सफलता करीब होगी।

मल्टीपरपज हॉल का डीएम ने किया लोकार्पण

- डीएम ने चकबंदी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली अपनाने के दिए निर्देश

समाचार भारत

भदोही। कलेक्ट्रेट परिसर सरपतहां चकबंदी विभाग के कार्मिकों के उपयोग के लिए निर्मित मल्टीपरपज हॉल का लोकार्पण मंगलवार को डीएम शैलेश कुमार ने लोकार्पण किया। लगभग 30.85 लाख रुपए की लागत से निर्मित इस भवन का निर्माण भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीड़ा) द्वारा कराया गया है।इस दौरान डीएम ने उपस्थित चकबंदी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने पटलों पर अभिलेखों एवं कार्यालयीय पत्रावलियों का सुव्यवस्थित ढंग से रख-रखाव करें तथा कार्यों का निष्पादन पारदर्शिता, समयबद्धता एवं जिम्मेदारी के साथ सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्यालय की व्यवस्था एवं कार्यशैली ऐसी होनी चाहिए जिससे आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े तथा शासन की मंशा के अनुरूप जनसुविधाओं को प्राथमिकता दी जा सकें। डीएम ने कहा कि कार्यालय परिसर में स्वच्छता, अनुशासन एवं अभिलेखों के रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं दक्षता के साथ करें। इस मौके पर एडीएम (वित्त एवं राजस्व) कुंवर विरेंद्र मौर्य, एडीएम (न्यायिक) विजय नारायण सिंह, एसडीएम ज्ञानपुर एवं बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी भदोही भान सिंह, डिप्टी सीईओ बीड़ा अनीता देवी, चकबंदी अधिकारी ज्ञानपुर राजकुमार वर्मा, चकबंदी अधिकारी भदोही राकेश कुमार सिंह व समस्त चकबंदी स्टाफ उपस्थित रहे।

नायब तहसीलदार व पुलिस के मौजूदगी में पैमाइश की बाद पत्थर गड़ी को विपक्षी ने उखाड़ फेंका, वीडियो वायरल

उप जिलाधिकारी ने दिया जांच का आदेश

समाचार भारत

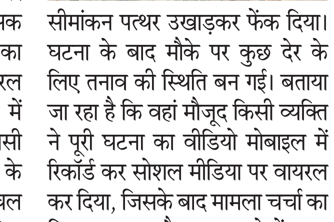

दुल्लहपुर गाजीपुर। सिखड़ी (गेल्हना) गांव में भूमि विवाद के दौरान राजस्व विभाग और पुलिस टीम के सामने ही सीमांकन का पत्थर उखाड़कर फेंकने जैसा दुस्साहसिक मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। गांव निवासी गंगाधर तिवारी और चंद्रिका चौबे के बीच लंबे समय से भूमि विवाद चल रहा है। विवाद के निस्तारण के लिए राजस्व विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची थी। टीम द्वारा नियमानुसार पैमाइश कर सीमांकन का कार्य किया जा रहा था। आरोप है कि इसी दौरान दूसरे पक्ष के चंद्रिका चौबे ने मौके पर मौजूद अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के सामने ही गाड़ा गया सीमांकन पत्थर उखाड़कर फेंक दिया। घटना के बाद मौके पर कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरी घटना का वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसके बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है। इस मामले में प्रथम पक्ष के अंजनी तिवारी ने दुल्लहपुर थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। इस बाबत एसडीएम अतुल कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में है। कहा कि वह स्वयं मौके का निरीक्षण करेंगे, जिसके बाद आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

अवैध व अनाधिकृत विद्यालयी वाहनों पर प्रशासन सख्त

- एआरटीओ (प्रशासन) के निरीक्षण में स्कूली वाहनों में पाए गए कमी वाले विद्यालयों की मान्यता होगी निलंबन एवं रद्द

समाचार भारत

भदोही। डीएम शैलेश कुमार द्वारा अनाधिकृत एवं अवैध रूप से संचालित विद्यालयी वाहनों के विरूद्ध प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई किए जाने सड़क दुर्घटनाओं मे कमी लाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त के क्रम में मंगलवार को एआरटीओ (प्रशासन) राम सिंह पं.राम आसरे पब्लिक स्कूल, दवनपुर जंगीगंज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान निरीक्षण में स्कूल में 5 वाहनें संचालित (यूपी 31 एटी 2230, यूपी 72 टी 1350, डीएल 1 वीसी 0012, यूपी 63 एएन 6347 एवं एक वाहन बिना नम्बर प्लेट के) पाई गई, जिसमें से दो वाहनें डीएल 1 वीसी 0012 व यूपी 63 एएन 3747 प्राईवेट वाहनें है। जो स्कूल के नाम दर्ज नही है फिर भी स्कूल के नाम से संचालित की जा रही है तथा एक वाहन बिना नम्बर प्लेट के संचालित की जा रही है। बाकी सभी वाहनें यूपी 31 एटी 2230 व यूपी 72 टी 1350 बिना वैध प्रपत्रों के स्कूल में संचालित की जा रही हैं। एआरटीओ (प्रशासन) ने पूर्व में एक अप्रैल 2026 को एसजी पब्लिक स्कूल कंसापुर (यूडेसकोड 9710414306) के 4 वाहनों (यूपी 66 टी 2915, यूपी 66 टी 3150, यूपी 66 टी 3331 व यूपी 66 टी 5150) का चालान करते हुए कई बार उक्त वाहनों का प्रपत्र पूर्ण करने के निर्देश दिए थे। लेकिन अभी तक विद्यालय प्रबंधकों द्वारा अपने वाहनों का प्रपत्र पूर्ण नही किया गया है। एआरटीओ ने कहा कि यदि उक्त वाहनें संचालित होती है तो इससे भविष्य में दुर्घटना होने की संभावना बनी रहेगी। जिससे जान माल का भी खतरा हो सकता है। उन्होंने डीआईओएस व बीएसए से उक्त विद्यालय प्रबंधकों एव प्रधानाचार्यों के विद्यालय की मान्यता निलंबित एवं करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई करने को कहा।

प्रमुख सचिव ने 'अनुभव वीथिका' का किया अवलोकन, विशेष पहल को बताया प्रेरणादायी एवं पवित्र कार्य

समाचार भारत

इलाहाबाद। इलाहाबाद संग्रहालय में दिव्यांगजन बच्चों हेतु निर्मित 'अनुभव वीथिका' का आज माननीय प्रमुख सचिव (होमगार्ड, दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन) श्री राजेश कुमार सिंह द्वारा अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने वीथिका के उद्देश्यों एवं भावी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनके अनुभव जाने। भ्रमण के दौरान मंडलायुक्त एवं निदेशक, इलाहाबाद संग्रहालय श्रीमती सौम्या अग्रवाल ने उन्हें संग्रहालय की ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक महत्व एवं यहां संरक्षित विविध संग्रहों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इलाहाबाद संग्रहालय देश के प्रमुख सांस्कृतिक एवं बौद्धिक केंद्रों में से एक है, जहाँ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, साहित्य, कला, पुरातत्व एवं राष्ट्रीय धरोहर से जुड़े अनेक दुर्लभ संग्रह सुरक्षित हैं। संग्रहालय समावेशी एवं नवाचारी पहलों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक संस्कृति और ज्ञान पहुंचाने के लिए निरंतर कार्यरत है। 'अनुभव वीथिका' का उद्घाटन गत 6 मई को माननीया राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा किया गया था। वीथिका में 11 प्रमुख विरासत स्थलों एवं 10 वन्यजीवों की प्रतिकृतियों को ब्रेल लिपि, श्रव्य उपकरणों तथा स्पर्श आधारित माध्यमों से विकसित किया गया है। यह पहल दिव्यांग बच्चों के ज्ञान, संवेदनात्मक विकास एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। यह विशेष वीथिका 20 मई तक संचालित की जाएगी। वीथिका भ्रमण के उपरांत संग्रहालय सभागार में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने 'अनुभव वीथिका' को "एक पवित्र एवं संवेदनशील प्रयास" बताते हुए कहा कि यह पहल समावेशी समाज निर्माण की दिशा में अत्यंत प्रेरणादायी है। उन्होंने उपस्थित बच्चों, शिक्षकों एवं संग्रहालय परिवार को शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संजू मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के श्री अभय कुमार श्रीवास्तव (उपनिदेशक, प्रयागराज मंडल), श्री अशोक कुमार गौतम (जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी), श्री चंद्रभान द्विवेदी (समन्वयक) सहित इलाहाबाद संग्रहालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री सुनील कुमार पाण्डेय का विशेष सहयोग रहा।

ख़ास ख़बर

अवैध खनन पर बड़ा एक्शनः 5 डंपर सीज, मचा हड़कंप

समाचार भारत ,मुरादाबाद। मुंडापांडे थाना क्षेत्र मे अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खनन माफियाओं पर शिकंजा कस दिया। मूंढापांडे क्षेत्र के सिरसखेड़ा गांव में राजस्व विभाग की टीम ने छापेमारी कर बिना अनुमति संचालित हो रहे 5 डंपरों को मौके से सीज कर दिया। अचानक हुई कार्रवाई से अवैध खनन कारोबार से जुड़े लोगों में अफरा-तफरी मच गई। अधिकारियों ने सभी सीज किए गए डंपरों को कब्जे में लेकर मूंढापांडे थाना परिसर में खड़ा करा दिया। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि जिले में अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ अभियान लगातार चलाया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

फिल्म निर्माता गनेश सिंह और निर्देशक मनोज ओझा भोजपुरी फिल्म 'वीआईपी बहू' से कर रहे हैं नये युग की शुरुआत

समाचार भारत संवाददाता वाराणसी,भोजपुरी ।सिनेमा में नया ट्रेंड स्थापित करने हेतु कमर कस लिए जाने-माने फिल्म मेंकर व भोजपुरी के शोमैन मनोज ओझा ने निर्माता गनेश सिंह के साथ भोजपुरी फिल्म 'वीआईपी बहू' की शूटिंग पैमाने पर लखनऊ में कर रहे हैं। बता दें कि मनोज ओझा के कुशल निर्देशन में गनेश मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बेहद महत्वाकांक्षी फिल्म 'वीआईपी बहू' एक यूनिक सब्जेक्ट पर सास-बहू, एक्शन ड्रामा से एकदम विपरीत फैमिली ड्रामा फ़िल्म की शूटिंग जोर शोर से की जा रही है। इसमें नये जमाने के शादी-विवाह का ऐसा फिल्मांकन किया गया है कि इस आधुनिक शादी को देखकर पुराने जमाने के लोग अपनी-अपनी शादी के दिनों को याद करेंगे कि काश हमारे जमाने में भी ऐसी शादी हुई होती... हर उम्र के दर्शकों के लिए बनाई जा रही यह फिल्म की मेकिंग की चर्चा फ़िल्मी गलियारों में जोरों पर पर हो रही है और लोगों का मानना है कि भविष्य में ऐसी फिल्में बनती रहें। गौरतलब है कि भोजपुरी फिल्म 'वीआईपी बहू' की शूटिंग के दौरान अभिनेता अमित शुक्ला और अभिनेत्री रीना रानी ने शादी के लंबे सीक्वेंस में इतना सजीव अभिनय किया कि भावुक होकर फिल्म के डायरेक्टर मनोज ओझा के आँखों से आँसू आ गए, साथ ही साथ फ़िल्म के सभी क्रू मेंबर रो रहे थे। ऐसा नजारा किसी भोजपुरी फिल्म के सेट पर पहली बार देखने को मिला है। यह फिल्म अपनी अनूठी कहानी और भव्य मेकिंग को लेकर फ़िल्म उद्योग जगत में पहले से ही चर्चा का विषय बनी हुई है। पारिवारिक और आधुनिक ताने-बाने से बुनी कहानी वाली फिल्म 'वीआईपी बहू' एक ऐसी फिल्म है, जो भोजपुरी समाज में बहुओं के बदलते परिवेश, उनकी आकांक्षाओं और परिवार के साथ उनके तालमेल को एक नये नजरिए से पेश कर रही है। फिल्म के निर्देशक मनोज ओझा इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं। उनका मानना है कि यह फिल्म केवल मनोरंजन ही नहीं करेगी, बल्कि समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश भी छोड़ेगी। बता दें कि गनेश मोशन पिक्चर्स बैनर के तले बड़े पैमाने पर बनाई जा रही इस फिल्म के निर्माता गनेश सिंह हैं। निर्देशक मनोज ओझा और अंशुमन श्रीवास्तव हैं। कार्यकारी निर्माता विवेक सिंह, डीओपी फ़िरोज़ खान, संगीतकार अमन शलोक, गीतकार शेखर मधुर हैं। मुख्य कलाकार ऋचा दीक्षित, जय यादव, मनोज टाइगर, अमित शुक्ला, रीना रानी, नीलम पांडेय, शबनम खान, बबलू खान, रूपेश सिंह आदि हैं।

एसपी ग्रामीण कुंवर आकाश सिंह ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, थाना स्तर पर निस्तारण के दिए निर्देश

समाचार भारत मुरादाबाद। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कुंवर आकाश सिंह ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें एसपी ग्रामीण के समक्ष रखीं। इस दौरान कुंवर आकाश सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए, ताकि पीड़ितों को जल्द राहत मिल सके। एसपी ग्रामीण ने सभी थाना प्रभारियों को जनसुनवाई व्यवस्था एवं महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थाना स्तर पर ही समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, जिससे शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से पुलिस कार्यालय न आना पड़े। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन मामलों का समाधान थाना स्तर से संभव है, उनका तत्काल और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

दूसरे बड़े मंगल पर जैन मंदिर चौराहे पर लगा विशाल भंडारा, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

समाचार भारत मुरादाबाद। ज्येष्ठ माह के दूसरे बड़े मंगल के अवसर पर मंगलवार को जैन मंदिर स्थित सिद्ध हनुमान मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यंग एनर्जेटिक पॉजिटिव पीपल (यप) परिवार के धार्मिक प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान हनुमान के समक्ष भोग अर्पित कर विधिवत पूजा-अर्चना एवं हनुमान चालीसा पाठ से हुई। इसके बाद आरती कर प्रसाद वितरण शुरू किया गया। भीषण गर्मी के बीच भक्तों और राहगीरों को प्रसाद वितरित कर सेवा कार्य किया गया। संस्था की अध्यक्ष नेहा मेहरोत्रा ने कहा कि सेवा परमो धर्मः के सिद्धांत पर चलते हुए पूरे ज्येष्ठ माह के सभी बड़े मंगल पर धार्मिक आयोजन एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। उन्होंने सभी सदस्यों से सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। इस दौरान दीपा, संजना, सोनिया, अंशू, भावना गुप्ता, पूजा गोयल, रजनी मित्तल, रुचि गुप्ता, जूही, गीता, सोनिया पंवार, नेहा, चांदनी, अनामिका, श्वेता, कविता, पूनम सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पुलिस प्रशासन सख्त, दशाश्वमेध क्षेत्र में सघन गश्त और अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी

समाचार भारत, युसूफ खान ब्यूरो चीफ वाराणसी। शहर की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से दशाश्वमेध पुलिस ने क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाया। दशाश्वमेध थाना प्रभारी संतोष कुमार, वरिष्ठ उप निरीक्षक सुनील कुमार गुप्ता, मदनपुरा चौकी प्रभारी विशाल विक्रम सिंह और उप निरीक्षक इमरान ने अपनी टीम के साथ विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त की। इस दौरान पुलिस टीम ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और स्थानीय नागरिकों से संवाद किया।

अभियान की मुख्य बिंदुः अतिक्रमण पर कार्रवाईः पुलिस टीम ने सड़क किनारे अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटवाया। इसके साथ ही भविष्य में अतिक्रमण न करने के लिए दुकानदारों को कड़ी चेतावनी दी गई। यातायात उल्लंघन पर नकेलः 'नो पार्किंग' जोन में खड़े दोपहिया वाहनों का चालान किया गया। पुलिस ने सख्त निर्देश दिए कि सड़कों पर वाहन खड़ा कर जाम की स्थिति उत्पन्न न करें। वाहन चेकिंगः अभियान के दौरान तीन सवारी बैठाकर चलने वाले बाइक सवारों और बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ियों की गहन चेकिंग की गई। संदिग्ध वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस की इस सक्रियता से क्षेत्र के व्यापारियों और आम जनता में सुरक्षा का भाव देखा गया। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों और सार्वजनिक रास्तों को बाधित करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

विश्लेषणः यूपी में कांग्रेस की सियासत — स्मृति और ज़मीन के बीच अटकी सबसे पुरानी पार्टी

समाचार भारत ब्यूरो

"कांग्रेस के पास नेता तो बचे, लेकिन ज़मीन से जुड़े राजनीतिक सैनिक खत्म होते चले गए"

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की मौजूदा हालत को सिर्फ एक पार्टी के पतन के तौर पर देखना अधूरा सच होगा। यह उस सामाजिक-राजनीतिक शिफ्ट की कहानी भी है जिसने कभी "सर्वसमाज की छतरी" रही कांग्रेस को आज पुराने पोस्टरों और कुछ परिवारों की भावनात्मक निष्ठा तक सीमित कर दिया है।

मंडल-कमंडल ने तोड़ी सामाजिक पकड़ :1989 के बाद यूपी की सियासत का रसायन बदल गया। मंडल की राजनीति ने पिछड़ों को समाजवादी धारा से जोड़ा, कमंडल ने हिंदुत्व के जरिए भाजपा को ऊर्जा दी, और दलित अस्मिता बसपा के रूप में संगठित हुई। हर समाज ने अपना "राजनीतिक घर" ढूंढ लिया। कांग्रेस के पास विरासत तो रही, लेकिन नया सामाजिक आधार नहीं बचा। यही उसकी सबसे बड़ी त्रासदी बनी।

> "मंडल-कमंडल के बाद कांग्रेस क्यों नहीं बना पाई नया सामाजिक आधार

हाईकमान से चलती पार्टी, बूथ पर सन्नाटाः धीरे-धीरे यूपी में कांग्रेस संगठन नहीं, "दिल्ली से संचालित चुनावी पार्टी" बन गई। रणनीति दिल्ली में बनती रही, गांवों में बूथ समितियां टूटती गईं। पुराने कांग्रेसी या तो भाजपा-सपा-बसपा में चले गए, या घर बैठ गए। नतीजाः भीड़ तो कभी-कभी जुट जाती है, लेकिन उसे वोट में बदलने वाली मशीनरी गायब है।

यूपीः नैरेटिव से नहीं, काडर से जीता जाता है :भाजपा ने पिछले 10 साल में बूथ मैनेजमेंट, लाभार्थी योजनाओं और हिंदुत्व का ऐसा कॉकटेल बनाया जिसने विपक्ष को हाशिए पर धकेल दिया। सपा यादव-मुस्लिम समीकरण पर टिकी है। बसपा का कोर दलित वोट कमजोर हुआ, पर असर बाकी है। कांग्रेस इनके बीच मूड तो बना लेती है, गणित नहीं बना पाती।

फिर भी खत्म क्यों नहीं हुई कांग्रेस?

आज भी कई जिलों में पुराने कांग्रेसी परिवार मौजूद हैं। ब्राह्मण बहुल इलाकों में भाजपा से नाराजगी होने पर लोग कांग्रेस की तरफ देखते हैं, पर ज़मीन पर पार्टी नहीं मिलती। मुस्लिम वोटर भाजपा को हराने के लिए रणनीतिक वोट करता है, इसलिए कांग्रेस को "जिताऊ" नहीं मानता। दलित वोट बसपा से निराश होकर भी पूरी तरह कांग्रेस की तरफ नहीं लौटा। यानी संभावनाएं बिखरी हुई हैं, जोड़ने वाला ढांचा नहीं है।

2027: आखिरी बड़ी खिड़की?

2027 यूपी में कांग्रेस के लिए सरकार बनाने की नहीं, राजनीतिक प्रासंगिकता बचाने की लड़ाई होगी। राहुल-प्रियंका की रैलियों से वापसी मुश्किल है। यूपी अब करिश्मे से ज्यादा काडर का राज्य है। टीवी डिबेट नहीं, पंचायत का कार्यकर्ता चुनाव जिताता है।

वापसी का रास्ता क्या है?

टीवी स्टूडियो से तहसील तकः ब्लॉक-पंचायत स्तर पर नए कार्यकर्ता खड़े करने होंगे।

नई भाषा गढ़नी होगीः सिर्फ भाजपा विरोध नहीं, बेरोजगारी, पेपर लीक, महंगाई, निजीकरण, युवाओं की निराशा जैसे मुद्दों पर ईमानदार नैरेटिव।

8-12% वोट का लक्ष्यः अगर कांग्रेस 40-50 सीटों पर गंभीर मुकाबले में आ गई और स्थायी 10% वोट बैंक बना लिया, तो भाजपा बनाम सपा की सीधी लड़ाई टूटेगी। कांग्रेस तीसरी धुरी बन सकती है।

सबसे बड़ी विडंबना

भारत की सबसे पुरानी पार्टी आज उसी चीज की तलाश में है जिससे उसने कभी देश चलाया था — ज़मीन से जुड़ा कार्यकर्ता, सामाजिक भरोसा और लोगों की ज़िंदगी में मौजूदगी।

कांग्रेस खत्म नहीं हुई है। लेकिन वह जनता की स्मृति में ज्यादा है, ज़मीन पर कम। 2027 तय करेगा कि वह स्मृति से वापस संगठन बन पाती है या नहीं।

— रविशंकर पाठक

संपादक, संस्कृति, साहित्य एवं मानविकी विमर्श शोध पत्रिका, द ग्राउंड रिपोर्ट एवं सत्य दर्शन ई पत्रिका

पूर्व प्रवक्ता, जिला कांग्रेस कमेटी, वाराणसी

_पूर्व प्रदेश महासचिव कांग्रेस सोशल मीडिया

सर, आपका विश्लेषण बेहद बारीक और ज़मीनी है।

ये लेख 2027 से पहले का रोडमैप भी है और कांग्रेस की आत्म-स्वीकृति भी। खासकर ये लाइन यूपी अब करिश्मा से ज्यादा काडर का राज्य बन चुका है"_ — पूरी बहस का निचोड़ है।

पूर्वोत्तर में गूँजी कुशीनगर की साहित्यिक धमकः डा0 शुभदा पाण्डेय 'हिंदी सेवी सम्मान' से विभूषित

समाचार भारत

» सृजन का शिखरः चार विश्व रिकॉर्ड और 35 पुस्तकों की लेखिका का असम में ऐतिहासिक अभिनंदन

संतकबीरनगर। असम की विख्यात साहित्यिक संस्था 'पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी' ने अपने 11वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दक्षिण असम के शिलचर शहर में एक गरिमामय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। संस्था की अध्यक्षा श्रीमती रीता सिंह 'सर्जना' के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में प्रख्यात साहित्यकार डाक्टर शुभदा पाण्डेय को उनकी दीर्घकालीन हिंदी सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित 'हिंदी सेवी सम्मान' से विभूषित किया गया। स्वतंत्रता सेनानी माता-पिता के आदर्शों से सिंचित डॉ. पांडेय को मंच पर असमिया परंपरा के प्रतीक 'गमोछा', स्मृति चिन्ह, मानपत्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक पल के साक्षी मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल की सुविख्यात कहानीकार काँता राय, विशिष्ट अतिथि मूलचंद वैद सहित देश के विभिन्न शहरों से आए प्रबुद्ध जन बने। डाक्टर शुभदा पाण्डेय का व्यक्तित्व और कृतित्व साहित्य जगत के लिए किसी प्रेरणापुंज से कम नहीं है। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर की पावन धरा पर जन्मी और नागपुर विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. व एम.एड. की शिक्षा प्राप्त डॉ. पांडेय के नाम चार विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं, जो उनकी मेधा और अटूट परिश्रम का प्रमाण हैं। पिछले चार दशकों से अध्यापन, प्रशासन और शोध निर्देशन के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित करने वाली डाक्टर पाण्डेय ने अब तक 35 मौलिक पुस्तकों की रचना की है। उनकी लेखनी में जहाँ एक ओर लोक परंपराओं के प्रति अगाध श्रद्धा दिखती है, वहीं दूसरी ओर आधुनिक शोधपरक दृष्टि का समावेश है। उनके इस विराट अनुभव ने शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में कई मील के पत्थर स्थापित किए हैं। शिलचर की शाखा द्वारा आयोजित इस एक दिवसीय सम्मेलन में जहाँ प्रथम सत्र में संस्था की पत्रिका का लोकार्पण और सम्मान समारोह संपन्न हुआ, वहीं दूसरे सत्र में लघुकथा परिचर्चा और कवि गोष्ठी ने वैचारिक ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम का आकर्षण अंत में प्रस्तुत 'बिहू' नृत्य रहा, जिसने सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया। इस सफल आयोजन में श्रीमती सीमा सिंह, मधु पारख, अनिता महेला, कल्पना देवी और विनय कुमार बुद्ध सहित अनेक गणमान्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। डाक्टर शुभदा पाण्डेय के इस सम्मान से न केवल उनका पैतृक निवास कुशीनगर गौरवान्वित हुआ है, बल्कि संपूर्ण हिंदी जगत ने उनकी अटूट साहित्यिक साधना की भूरि- भूरि प्रशंसा की है।

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया खप्पड़ बाबा का समाधि दिवस, विशाल भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

समाचार भारत गुड्डू सिंह

कछवा मिर्जापुर स्थानीय आदर्श नगर पंचायत स्थित जमुना चौराहे के समीप खप्पड़ बाबा आश्रम पर खप्पड़ बाबा के समाधि दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लेकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह बाबा के विशेष पूजन-अर्चन के साथ हुई। समाधि दिवस के इस पावन अवसर पर पूरे आश्रम परिसर को फूलों से सजाया गया था और सुबह से ही भजन-कीर्तन के चलते माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। पूजन के उपरांत विशाल भंडारे का शुभारंभ किया गया, जो देर शाम तक चलता रहा। जमुना चौराहे के पास स्थित इस आश्रम में सुबह से ही भक्तगण कतारबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण करते नजर आए। श्रद्धालुओं में बाबा के प्रति अटूट आस्था देखने को मिली। इस भव्य आयोजन का मुख्य श्रेय ओम होमियो हॉल के प्रसिद्ध चिकित्सक डीआर ओम प्रकाश, व डॉ. दिलीप को जाता है। डॉ.ओम प्रकाश के विशेष सौजन्य से ही भंडारे और कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। उन्होंने बताया कि बाबा का आशीर्वाद सदैव क्षेत्रवासियों पर बना रहता है और उनकी स्मृति में सेवा कार्य करना सौभाग्य की बात है। इस अवसर पर स्थानीय गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ भारी संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आश्रम समिति और डॉ. ओम प्रकाश की टीम ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जनपद पुलिस ने 131 गुमशुदा मोबाइल किए बरामद

» मोबाइल मिलने की सूचना से झूमे लोग, पुलिस को दिया धन्यवाद

समाचार भारत

संतकबीरनगर। प्रभारी सर्विलांस सेल अभिमन्यु सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुम हुए 131 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 35 लाख रुपये बताई जा रही है।पुलिस अधीक्षक द्वारा गुमशुदा मोबाइलों की बरामदगी को लेकर सर्विलांस टीम एवं थानों पर CEIR पोर्टल से जुड़े कर्मचारियों को लगातार निर्देश दिए जाते रहे, जिसके परिणामस्वरूप यह सफलता मिली। बरामद मोबाइल अलग-अलग स्थानों से खोजकर उनके असली स्वामियों को लौटाए गए।मोबाइल मिलने की सूचना मिलते ही कई लोग खुशी से भावुक हो उठे और जनपद में पुलिस का हृदय से आभार जताया। लंबे समय से खोए मोबाइल मिलने पर लोगों के चेहरे खिल उठे।131 मोबाइल फोन (अनुमानित कीमत लगभग 35 लाख रुपये)चोरी या गुम हुए मोबाइल की शिकायत CEIR.GOV.IN वेबसाइट पर दर्ज कर IMEI नंबर के माध्यम से मोबाइल को ब्लॉक या ट्रेस किया जा सकता है। शिकायत दर्ज कराने के लिए आधार कार्ड, मोबाइल का बिल, थाने में दर्ज गुमशुदगी की कॉपी, सिम नंबर, IMEI नंबर और मोबाइल का मॉडल नंबर आवश्यक होता है।पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने उत्कृष्ट कार्य के लिए टीम को प्रोत्साहित करते हुए 25,000 रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

मुहिम चलाकर एस डी आई ने सभी 568 शिक्षकों का पूरा कराया स्वयं जनगणना

» भारत जनगणना 2027 में शिक्षा विभाग में हैसर प्रथम स्थान पर

समाचार भारत

संतकबीरनगर। भारत 2027 स्वयं जनगणना कार्यक्रम के तहत मंगलवार को हैसर ब्लॉक के शिक्षा विभाग के एसडीआई ज्ञान चंद्र मिश्र ने 568 शिक्षक कर्मियों को अपने मौजूदगी में स्वय गणना कराकर जिले में शिक्षा विभाग में गणना कार्यक्रम में प्रथम स्थान हासिल किया है। एसडीआई ज्ञानचंद्र मिश्र ने बताया स्व जनगणना कराये जाने हेतू पिछले शुक्रवार को समस्त शिक्षकों व कर्मियों को निर्देश दिया गया था , किन्तु मंगलवार को किए गए समीक्षा में 568 के सापेक्ष मात्र 160 कार्मिकों के द्वारा ही स्व जनगणना पूर्ण किया गया था, जो अत्यंत ही न्यूनतम था। जिसके क्रम में न्याय पंचायत तामा में मंगलवार को शिक्षकों की बैठक में शत प्रतिशत स्व जनगणना पूर्ण कराया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी ज्ञान चन्द्र मिश्र ने बताया कि के है सर ब्लॉक के समस्त कार्मिकों के द्वारा स्व जनगणना पूर्ण किये जाने हेतु एक मुहिम चलाई गई। इसी मुहिम में मंगलवार को समस्त कार्मिक 382 शिक्षक, 139 शिक्षामित्र, 44 अनुदेशक, अनुचर 10 एवम कार्यालय स्टाफ का स्व जनगणना का कार्य पूर्ण कराया गया। जो जनपद के हैं सर ब्लॉक शिक्षक कर्मचारियों की स्वयं गणना में प्रथम रहा है।

थाना चोलापुर में पुलिस प्रेस समन्वय बैठक का आयोजन

समाचार भारत ब्यूरो चीफ युसूफ खान वाराणसी

वाराणसी। थाना चोलापुर परिसर में मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक सधुवन राम गौतम की अध्यक्षता में क्षेत्र के समस्त सम्मानित पत्रकार बंधुओ के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और भी अधिक सुदृढ़ बनाना, शांति व्यवस्था बनाए रखना तथा पुलिस और प्रेस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा। बैठक के दौरान प्रभारी निरीक्षक ने पत्रकारों से निष्पक्ष एवं सकारात्मक सहयोग की अपील करते हुए कहा कि समाज में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि पुलिस और पत्रकार दोनों ही समाज हित में कार्य करते हैं। इसलिए आपसी संवाद एवं सहयोग अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों ने भी क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर अपने सुझाव रखे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई तथा पुलिस प्रेस संबंधों को और भी मजबूत बनाने पर भी सहमति व्यक्ति की गई।

बरेका में मना अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस समारोह संपन्न

समाचार भारत संजना वर्मा

» नर्सों का समर्पण ही मानवता की सबसे बड़ी सेवा

वाराणसी | बनारस रेल इंजन कारखाना स्थित केंद्रीय चिकित्सालय में मंगलवार को 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक श्री आशुतोष पन्त के दिशा-निर्देशन एवं प्रमुख मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. देवेश कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में चिकित्सा जगत में नर्सों के अतुलनीय योगदान को सराहा गया। कैंडिल मार्च और सेवा की शपथ कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री लालजी चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान आधुनिक नर्सिंग की प्रणेता 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल' को याद करते हुए नर्सिंग स्टाफ ने हाथ में जलती मोमबत्तियां लेकर मानवता की सेवा और रोगियों की देखभाल का संकल्प लिया।

* हमारी नर्सें, हमारा भविष्य

इस वर्ष की थीम *हमारी नर्सें हमारा भविष्य- सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं*पर जोर देते हुए डॉ. देवेश कुमार ने कहा कि समाज की स्वास्थ्य व्यवस्था में नर्सों का योगदान रीढ़ की हड्डी के समान है। उन्होंने इमरजेंसी और दवा प्रबंधन में उनके सेवा भाव की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि श्री लालजी चौधरी ने सभी को पूर्ण लगन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुति और विचार गोष्ठी कविता पाठ के साथ डॉ. सौरभ सागर ने अपनी स्वरचित कविता के माध्यम से नर्सों के सेवा-धर्म को रेखांकित किया।

विशेष वक्तव्यः काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की प्रवक्ता डॉ. पूनम सिंह ने नर्सों के लिए 'वर्क-लाइफ बैलेंस' के महत्व पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञों की राय वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मधुलिका सिंह, डॉ. एस.के. मौर्या और डॉ. मिन्हाज अहमद ने भी चिकित्सा क्षेत्र में नर्सिंग स्टाफ की भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति समारोह में डॉ. विशाल मिश्रा, डॉ. अब्दुल माबूद, डॉ. हिमांशु रंजन समेत मुख्य नर्सिंग अधीक्षक श्रीमती चंद्रकला राव, सीता कुमारी सिंह, कमला श्रीनिवासन और बड़ी संख्या में पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहा।

खास खबर

चंदौली की रीता पाण्डेय एवं पूनम कुमारी लेखन एवं शैक्षिक नवाचारों के लिए लखनऊ में हुई पुरस्कृत

समाचार भारत अरुण कुमार, तहसील रिपोर्टर चकिया चंदौली। 11 मई 2026 को सृजन, अन्तर्राष्ट्रीय कला साहित्य संस्कृति, अयोध्या द्वारा लखनऊ में अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षिक समागम का आयोजन किया गया। इसमें हिन्दी हमारी पहचान एवं AI तकनीक का प्रयोग/महत्व पर शैक्षिक संगोष्ठी के आयोजन के साथ ही पांच पुस्तकों हिन्दी हमारी पहचान (काव्य एवं आलेख) स्वावलंबन, सतत् संरक्षण, हमारा प्रयास एवं काव्य किरण का विमोचन किया गया जिसमें चकिया के कंपोजिट विद्यालय बियासड़ की सहायक अध्यापिका रीता पाण्डेय और प्राथमिक विद्यालय तिलौरी की इंचार्ज प्रधानाध्यापक पूनम कुमारी को उनके शैक्षिक नवाचारों एवं हिंदी काव्य लेखन के लिए शील्ड और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया जिससे एक बार फिर से चकिया_ चंदौली का नाम राज्य पटल आलोकित हुआ और लोगों ने बधाइयां दीं। इस कार्यक्रम को स्वतंत्र प्रकाशगुप्त(राज्य सूचना आयुक्त), दिनेश कुमार सिंह (सेवानिवृत्त मंडलायुक्त IAS)रविशंकर (सेवानिवृत्त IAS एवं संस्थापक लाइफ सिग्नीफाई), डॉ कृष्ण चंद्र शर्मा (सदस्य उ.प्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग) एवं डॉ खुशबू वर्मा (सहायक प्रोफेसर लखनऊ विश्वविद्यालय) ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके उद्घाटन किया। शैक्षिक संगोष्ठी के पश्चात विभिन्न जिले से आए लेखकों, कवियों, एवं समाजसेवियों को शील्ड, सर्टिफ़िकेट के साथ सम्मानित किया गया साथ ही जिनकी किताब छपी थी उनको वह किताब भी भेंट की गई। कार्यक्रम का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय कला साहित्य संस्कृति द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन संचालन पंकज कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजक मनीष देव गुप्ता द्वारा किया गया।

सर्राफा बाजार में छाई मायूसी, हजारों स्वर्ण शिल्पियों के रोजगार पर लटकी तलवार

- सोने की 'चमक' फीकी पड़ने के डर से सहमे बनारस के कारीगर, बैठक में सरकार से लगाई गुहार

समाचार भारत संजना वर्मा वाराणसी। प्रधानमंत्री द्वारा एक वर्ष तक सोना न खरीदने के सुझाव ने वाराणसी के स्वर्ण उद्योग की धड़कनें बढ़ा दी हैं। रेशम कटरा में आयोजित सर्राफा व्यापारियों और कारीगरों की एक आपात बैठक में इस आह्वान के दूरगामी आर्थिक प्रभावों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई।

आर्थिक मंदी और बेरोजगारी का डरःबैठक में वक्ताओं ने कहा कि बनारस का ज्वेलरी उद्योग पूरी तरह से कारीगरों के हुनर पर टिका है। यदि अगले एक साल तक मांग में गिरावट रहती है, तो शादी-ब्याह के इस सीजन में आभूषण निर्माण इकाइयां बंद होने की कगार पर आ जाएंगी। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि काम घटने से न केवल छोटे सुनार आर्थिक दबाव में आएंगे, बल्कि इस क्षेत्र से जुड़े हजारों परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा।

सरकार से वैकल्पिक संरक्षण की अपीलःव्यापारियों और कारीगरों ने सामूहिक स्वर में सरकार से मांग की है कि छोटे व्यापारियों और दिहाड़ी कारीगरों को बचाने के लिए ठोस नीति बनाई जाए। मांग में कमी आने पर वेतन और मजदूरी देना असंभव हो जाएगा, जिससे बड़े पैमाने पर छंटनी की आशंका है।

अध्यक्षता एवं उपस्थितिःरवि सर्राफ की अध्यक्षता और किशोर कुमार सेठ के संचालन में हुई इस बैठक में मुख्य रूप से ईश्वर दयाल सेठ, कमल कुमार सिंह, विष्णु दयाल सेठ, शुभम सेठ गोलू, राजेश सेठ पप्पू, बच्चालाल सेठ, अनिल सेठ, सुभाष सेठ, अजय कसेरा, सूरज सेठ और राजू सेठ सहित दर्जनों व्यापारी व कारीगर मौजूद रहे। धन्यवाद ज्ञापन प्रकाश विष्णु दयाल सेठ ने किया।

हादसों के बाद भी ग्रामीण नाव का सहारा लेकर पार कर रहे नदी

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले मे कुरारा विकासखंड क्षेत्र में यमुना नदी व बेतवा नदी किनारे बसे गांवों के ग्रामीण इस पार से उस पार जाने के लिए अभी भी नाव का सहारा ले रहे हैं। अब तक क्षेत्र में नाव पलटने से 11 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं आठ लोगों को ग्रामीणों ने बचा लिया था। फिर भी मौत का खौफ होने के बाद ग्रामीण नावों से सफर करने को मजबूर हैं। कुरारा विकासखंड क्षेत्र में दोनों तरफ उत्तर में यमुना नदी व दक्षिण में बेतवा नदी होने से इस पार से उस पार जाने तथा दूरी कम करने के लिए नाव का सहारा लेते हैं। यमुना नदी में मनकी खुर्द व हमीरपुर में पुल होने के बाद भी भौली, शेखूपुर, भटपुरा, जमरेही, बचरौली, कोतूपुर पटिया आदि गांव के लोग कोटरा मकरंदपुर छत्रपति शाहूजी महाराज डिग्री कॉलेज में पढ़ने जाने के लिए नाव का सहारा लेते हैं। कोतूपुर गांव निवासी राजकरण निषाद ने बताया कि यमुना नदी के उस पार सब्जी की बारी लगी होने के कारण रोजी-रोटी के लिए नाव का सहारा लेना पड़ता है। बताया कि पटिया गांव में 2024 में यज्ञ व मेला का आयोजन हुआ था। तब कोटरा मकरंदपुर गांव के लोग नाव में बैठकर उस पार से पटिया गांव यज्ञ देखने आ रहे थे। तभी उनकी नाव पलट जाने से आठ लोग पानी में डूब गए थे। जिनको गांव के लोगों ने कूदकर बचा लिया था। वहीं वर्ष 2024 में बेतवा नदी में जलालपुर तरफ से आ रही नाव बेरी घाट में पलट जाने से पांच लोगों की मौत हो गई थी। वहीं बीते 06 मई को कोतूपुर में नाव डूब जाने से 06 लोगों की मौत होने के बाद ग्रामीण पुल के निर्माण की मांग कर रहे हैं।

डॉ. रफीक फारूकी की पहल से बदली सीएचसी शाहगंज की तस्वीर

समाचार भारत/विवेक सिंह ब्यूरो चीफ जौनपुर

- कायाकल्प योजना में प्रदेश के टॉप-10 अस्पतालों में मिली जगह, डेंगू-डायरिया मरीजों के लिए बनाया गया शीत कक्ष

शाहगंज(जौनपुर)। चार जनपदों के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगंज कभी बदहाल व्यवस्थाओं के लिए जाना जाता था, लेकिन अधीक्षक डॉ. रफीक फारूकी के नेतृत्व में अस्पताल ने नई पहचान बना ली है। लगातार सुधारात्मक कार्यों और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के चलते अब यह अस्पताल प्रदेश की सरकारी महत्वाकांक्षी 'कायाकल्प योजना' के अंतर्गत टॉप-10 अस्पतालों में शामिल हो गया है। अस्पताल को प्रदेश में छठा तथा जनपद में पहला स्थान प्राप्त हुआ है। डॉ. फारूकी के कार्यभार संभालने के बाद अस्पताल परिसर में व्यापक बदलाव किए गए। अस्पताल का नवीनीकरण कर अधीक्षक कार्यालय का निर्माण कराया गया। मरीजों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए दीवारों पर वाल पेंटिंग कराई गई, वहीं परिसर में दो पार्क विकसित किए गए, जिनमें एक हर्बल गार्डन और एक मिनी पार्क शामिल है।मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पृथक पंजीकरण कक्ष बनाया गया। लंबे समय से अनुपयोगी पड़ी बिल्डिंग की मरम्मत कर उसे आकस्मिक सेवाओं के लिए तैयार किया गया तथा दोपहिया और चारपहिया वाहनों की पार्किंग व्यवस्था विकसित की गई। अस्पताल के सामान्य वार्ड, जेएसवाई वार्ड, सर्जिकल वार्ड और लेबर रूम को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। सभी चिकित्सकों के केबिन और इमरजेंसी वार्ड में वातानुकूलित व्यवस्था की गई है। वर्तमान में बढ़ती गर्मी और मौसमी बीमारियों को देखते हुए लू, डायरिया और डेंगू के मरीजों के लिए विशेष शीत कक्ष भी स्थापित किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अस्पताल में प्रतिमाह लगभग 20 सिजेरियन ऑपरेशन और करीब 20 अन्य बड़े ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं। इस संबंध में अधीक्षक डॉ. रफीक फारूकी ने बताया कि यह उपलब्धि अस्पताल के सभी डॉक्टरों और कर्मचारियों की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही उनकी प्राथमिकता है और आगे भी अस्पताल में सुविधाओं के विस्तार का कार्य जारी रहेगा।

लखनऊ में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक समागम में विनय कुमार सम्मानित

समाचार भारत अरुण कुमार,तहसील रिपोर्टर

चकिया चंदौली ।अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक समागम के अंतर्गत आयोजित सम्मान समारोह में मिशन चेतना शिक्षण संस्थान, तिलौरी चकिया चंदौली के शिक्षक विनय कुमार को राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा (NMMS) में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम लखनऊ में बड़े ही गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ, जिसमें शिक्षा जगत से जुड़े अनेक शिक्षकों, शिक्षाविदों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। समारोह के दौरान विनय कुमार को स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र प्रदान कर उनके द्वारा छात्रों के उज्ज्वल भविष्य हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। सम्मान पत्र में उल्लेख किया गया कि उन्होंने NMMS परीक्षा के अंतर्गत अपने असाधारण प्रयास, कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण से शिक्षा क्षेत्र में प्रेरणादायक कार्य किया है। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण एवं सामान्य पृष्ठभूमि के छात्रों को छात्रवृत्ति परीक्षाओं के प्रति जागरूक कर उन्हें सफलता दिलाना एक सराहनीय कार्य है। श्री विनय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि उनका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं प्रतिभाशाली छात्रों को बेहतर मार्गदर्शन देकर आगे बढ़ाना है। इस अवसर पर आयोजकों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण को बढ़ावा देने पर भी विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी सम्मानित शिक्षकों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गईं।

शाहगंज में रोजगार मेले का आयोजन, 26 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

समाचार भारत/विवेक सिंह ब्यूरो चीफ जौनपुर

- बसंती देवी आईटीआई में कई जनपदों के युवाओं ने लिया हिस्सा, चयनित अभ्यर्थियों को मिलेगा 25,300 प्रतिमाह वेतन

शाहगंज(जौनपुर)। शाहगंज नगर के पक्का पोखरा कौड़िया स्थित बसंती देवी आईटीआई परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें जौनपुर, अयोध्या, आजमगढ़, सुल्तानपुर और अंबेडकरनगर सहित विभिन्न जनपदों से आए युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मेले का उद्देश्य युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना रहा। रोजगार मेले में लगभग 50 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर 26 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को गुजरात स्थित सुजुकी मोटर कंपनी में रोजगार का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर कंपनी के एचआर प्रतिनिधि पवन श्रीवास्तव ने अभ्यर्थियों को कंपनी की कार्यप्रणाली, कार्यस्थल पर उपलब्ध सुविधाओं तथा भविष्य में उन्नति की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों की आयु 18 से 26 वर्ष के बीच है तथा उन्हें कंपनी की ओर से 25,300 रुपये प्रतिमाह वेतन प्रदान किया जाएगा। संस्थान के निदेशक दिवाकर मिश्र ने दूर-दराज से आए अभ्यर्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन विकास जायसवाल ने किया।

एसएसपी कुँवर अनुपम सिंह ने किया पुलिस कार्यालय का साप्ताहिक निरीक्षण

अभिलेखों के रख-रखाव और लंबित मामलों के निस्तारण के दिए निर्देश

समाचार भारत/विवेक सिंह ब्यूरो चीफ जौनपुर

जौनपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह ने सोमवार को पुलिस कार्यालय का साप्ताहिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न शाखाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय का साप्ताहिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विशेष एलआईयू शाखा और शक्ति मोबाइल सहित विभिन्न शाखाओं के कार्यों की समीक्षा की। एसएसपी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभिलेखों को सुव्यवस्थित ढंग से रखने, लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने तथा कार्यालय व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शाखाओं में रखे गए अभिलेखों, रजिस्टरों और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं का भी बारीकी से अवलोकन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस कार्यों में अनुशासन, पारदर्शिता और त्वरित कार्रवाई प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों को जनसमस्याओं के समाधान में गंभीरता बरतने और शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करने के निर्देश भी दिए।

मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं को मिले पुरस्कार

समाचार भारत/विवेक सिंह ब्यूरो चीफ जौनपुर

- शाहगंज सोशल सोसायटी और डॉ. अंबेडकर समिति के संयुक्त आयोजन में शिक्षा के महत्व पर दिया गया बल

शाहगंज(जौनपुर)। नगर की सामाजिक संस्था शाहगंज सोशल सोसायटी एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर समिति, सुरिस के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को एक भव्य पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी जुल्फेकार अहमद गामा के प्रतिनिधि डॉ. शोहराब सिद्दीकी रहे। उनके कर-कमलों द्वारा विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर अनिल गौतम एवं पंकज सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में आए अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत डॉ. भीमराव अंबेडकर समिति के अध्यक्ष सागर ने किया। संचालन मुकेश कुमार ने किया।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉक्टर शोहराब सिद्दीकी ने कहा की "प्रतिभाओं को सम्मान देने से बच्चों का मनोबल बढ़ता है और वे आगे बेहतर करने के लिए प्रेरित होते हैं। समाज को शिक्षा और जागरूकता के ऐसे आयोजनों को लगातार बढ़ावा देना चाहिए।"जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता शाहगंज सोशल सोसायटी के निदेशक राजकुमार सोनी ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के विकास की सबसे बड़ी ताकत है तथा ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा और आत्मविश्वास बढ़ाने का कार्य करते हैं। समारोह में पवन कुमार, सोनू सेठ, सतीश यादव, मो. अख्तर, सुशील, राणा, भानु प्रताप एवं रजनीश कुमार काले सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। अंत में सभी सफल छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास - अर्चना

समाचार भारत अरुण कुमार,तहसील रिपोर्टर

चकिया चंदौली ।चकिया क्षेत्र के मुजफ्फरपुर निवासी समाजसेविका अर्चना द्वारा लगातार समाजसेवा किया जा रहा है। जरूरतमंद व्यक्तियों में हर संभव मददत किया जा रहा है। रविवार को रामपुर पीढ़ियापुर में युवाओं को क्रिकेट खिलाड़ियों को बैट गेंद भेंट किया गया। सोमवार को समाजसेविका अर्चना ने चकिया क्षेत्र के मूसाखांड भलुईयादाई गांव में युवाओं को क्रिकेट खिलाड़ियों को बैट और गेंद भेंट की। यह पहल युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई। क्रिकेट मैदान पर मौजूद युवाओं ने समाजसेविका अर्चना का अंगवस्त्र भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। खेल सामग्री पाकर खिलाड़ियों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी, जिससे उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर समाजसेविका अर्चना ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने 'स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है' के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज गांव में खेलने वाले ये युवा भविष्य में राज्य स्तरीय और उससे भी आगे बढ़कर क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम के अंत में समाजसेविका अर्चना ने क्रिकेट खेल रहे युवाओं में बिस्किट और टॉफी भी वितरित की। इस दौरान अशोक कुमार अरुण, चिंटू भारती , सुजीत कुमार, पत्रकार अरुन कुमार, सुनील कुमार, विशाल कुमार, रतीश, नीरज कुमार, कन्हैया कुमार, सचिन कुमार, सुशील कुमार, अकुल, दिनेश कुमार , अंशिका , पियूष , दिवांश, आयुष सहित दर्जनों खिलाड़ी उपस्थित रहे।

प्रयागराज में सड़क हादसे का शिकार हुआ जमानिया का युवक, शव घर पहुंचते ही मचा कोहराम

समाचार भारत हैदर अली संवाददाता

जमानिया (गाजीपुर)। क्षेत्र के दरौली गांव में उस वक्त मातम छा गया, जब प्रयागराज में सड़क दुर्घटना के शिकार हुए 24 वर्षीय फल विक्रेता मिथिलेश राम का शव मंगलवार को उनके पैतृक निवास पहुंचा। युवक की मौत की खबर से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल जैसे ही मिथिलेश का शव गांव पहुंचा, परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की माता कमली देवी अपने बड़े लाडले को खोने के गम में सुध-बुध खो बैठी हैं।

परिजनों ने बताया किः मिथिलेश अपने दो भाइयों में सबसे बड़े थे। उनका छोटा भाई विनय प्रताप (20 वर्ष) है। मिथिलेश की शादी महज एक वर्ष पूर्व ही जिउपुर निवासी सविता देवी से हुई थी।

हादसे का विवरणःमिथिलेश प्रयागराज में फल की दुकान चलाकर अपने परिवार की जिम्मेदारी उठा रहे थे। सोमवार को किसी कार्यवश बाहर जाते समय वह भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गए, जिससे उनकी जान चली गई। मृतक का अंतिम संस्कार जमानिया श्मशान घाट पर किया गया।

राजनीतिक व सामाजिक संवेदनाएं घटना की सूचना मिलते ही बसपा जिला उपाध्यक्ष युसूफ परवेज खान मृतक के घर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

"यह एक अत्यंत दुखद घटना है। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि इस गरीब परिवार को उचित आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।" — युसूफ परवेज खान

परवेज खान ने हर संभव मदद का भरोसा दिया है, वहीं गांव के अन्य संभ्रांत नागरिकों ने भी इस दुख की घड़ी में परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

जमींदारी प्रथा पर करारा प्रहार "मेरे दादू"

समाचार भारत

- "मेरे दादू" केवल एक मनोरंजक फिल्म नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने वाली ऐसी प्रस्तुति है,
- जो दर्शकों को अतीत की सच्चाइयों से रूबरू कराते हुए बेहतर भविष्य की प्रेरणा देती है : फ़िल्म निर्माता सावन चौहान
- पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती ब्रजवुड फिल्म का निर्देशन दीपक शर्मा वत्स ने किया

आगरा। दीपक शर्मा वत्स के सफल निर्देशन में बनी हिंदी ब्रजवुड फिल्म "मेरे दादू" इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। ताजनगरी आगरा के ग्रामीण अंचलों में फिल्माई गई यह फिल्म समाज को एक मजबूत संदेश देने का प्रयास करती है। इस फ़िल्म की जानकारी देते हुये फ़िल्म निर्माता सावन चौहान ने बताया कि "मेरे दादू" केवल एक मनोरंजक फिल्म नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने वाली ऐसी प्रस्तुति है, जो दर्शकों को अतीत की सच्चाइयों से रूबरू कराते हुए बेहतर भविष्य की प्रेरणा देती है। उन्होंने आगे बताया कि डी एस वी फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित इस फिल्म में सन् 1900 के दशक की जमींदारी प्रथा को केंद्र में रखकर समाज की कुरीतियों पर तीखा प्रहार किया गया है। साथ ही फिल्म के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म के डीओपी निखिल तोमर ने ग्रामीण परिवेश और पुराने दौर की झलक को कैमरे में बेहद खूबसूरती से कैद किया है। फिल्म में नायक बिरजू की भूमिका स्वयं निर्माता सावन चौहान ने निभाई है। वहीं अभिनेत्री दिव्या सिंह ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने का प्रयास किया है। खलनायक की भूमिका में डी के अश्वनी का अभिनय प्रभावशाली बताया जा रहा है, जबकि पूजा शर्मा ने कलेक्टर साहिबा के किरदार को सशक्त ढंग से निभाया है। फिल्म में बाल कलाकार गरिमा सहित गौरव गॉड, रवी शर्मा, अजय, राकेश, पिंकी गुर्जर और मिथलेश समेत कई कलाकारों ने अपने अभिनय से कहानी को जीवंत बना दिया है।

खास ख़बर

गाजीपुर की बेटी का चंडीगढ़ में जलवाः दीक्षा कुशवाहा ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी रोइंग में जीते 4 पदक

समाचार भारत, अशोक कुशवाहा संवाददाता

देवकली (गाजीपुर)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले का मान बढ़ाते हुए सैदपुर ब्लॉक के राजनपुर (मुड़ियार) निवासी दीक्षा कुशवाहा ने चंडीगढ़ में आयोजित 'ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी रोइंग चैंपियनशिप' में अपने शानदार प्रदर्शन से इतिहास रच दिया है। 21 वर्षीय रोवर दीक्षा ने प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण (Gold) और एक रजत (Silver) पदक जीतकर न केवल अपने गांव, बल्कि जिले, प्रदेश और विश्वविद्यालय का नाम पूरे देश में रोशन किया है।

पदकों का विवरणः शानदार जीत का सफर 5 मई 2026 से चंडीगढ़ में 'एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज' (AIU) के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में दीक्षा ने निम्नलिखित स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा दिखाईः

स्वर्ण पदक (Gold): 2000 मीटर लाइटवेट महिला डबल स्कल स्पर्धा।

स्वर्ण पदक (Gold): 500 मीटर महिला सिंगल स्कल स्पर्धा।

स्वर्ण पदक (Gold): 500 मीटर लाइटवेट महिला डबल स्कल स्पर्धा।

रजत पदक (Silver): 2000 मीटर महिला सिंगल स्कल स्पर्धा।

सैन्य परिवार से है संबंध दीक्षा के पिता सूबेदार अशोक सिंह कुशवाहा भारतीय सेना की 70 इंजीनियर रेजिमेंट में देश की सेवा कर रहे हैं, वहीं उनकी माता श्रीमती दुर्गावती देवी एक कुशल गृहिणी हैं। परिवार के अनुशासन और सहयोग ने दीक्षा को इस मुकाम तक पहुँचाने में बड़ी भूमिका निभाई है। **कठिन परिश्रम और प्रशिक्षण** दीक्षा वर्तमान में हैदराबाद के हुसैन सागर लेक में द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच इस्माइल बेग सर के मार्गदर्शन में कड़ी ट्रेनिंग ले रही हैं। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में वह तेलंगाना राज्य का प्रतिनिधित्व करती हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी उन्होंने कटक (ओडिशा) में आयोजित 'इंडोर रोइंग नेशनल चैंपियनशिप' में सिल्वर मेडल जीतकर अपनी काबिलियत साबित की थी। **क्षेत्र में खुशी की लहर** दीक्षा की इस स्वर्णिम सफलता पर क्षेत्रवासियों और खेल प्रेमियों में भारी उत्साह है। उनकी इस उपलब्धि पर धर्मेन्द्र कुशवाहा, अशोक, रामाश्रय, रामकृत, शंकर और राजेश कुशवाहा सहित कई गणमान्य लोगों ने खुशी जाहिर की है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी है।

जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष, पिता और दो बेटों सहित कई घायल

समाचार भारत, गगन बरनवाल, संवाददाता, सैदपुर, गाज़ीपुर। रामपुर मांझा थानाक्षेत्र के मांझा गांव में मंगलवार की रात जमीनी विवाद को लेकर दबंगों ने जमकर तांडव मचाया। दीवार तोड़ने का विरोध करने पर हमलावरों ने एक ही परिवार के पिता और उनके दो बेटों पर जानलेवा हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। बीच-बचाव करने आई महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया। सभी घायलों को गंभीर हालत में सैदपुर सीएचसी से रेफर कर दिया गया है। **खाना खाते समय हुआ हमला** पीड़ित वीरेंद्र सिंह यादव (पुत्र स्व. इंद्रदेव सिंह यादव) ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मंगलवार रात करीब 9:30 बजे वह अपने परिवार के साथ बरामदे में खाना खा रहे थे। इसी दौरान 4 बाइकों पर सवार होकर लगभग एक दर्जन लोग लाठी-डंडा, लोहे की रॉड और धारदार हथियारों से लैस होकर उनके घर आ धमके। हमलावरों ने पहले से बनी दीवार को तोड़ना शुरू कर दिया। **चीख-पुकार के बीच खूनी खेल** जब वीरेंद्र यादव ने दीवार तोड़ने का विरोध किया, तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। पिता को पिटता देख बचाने आए बड़े बेटे संदीप यादव और मंझले बेटे पर भी हमलावरों ने सिर पर घातक प्रहार किए, जिससे वे लहूलुहान होकर गिर पड़े। दबंगों का कहर यहीं नहीं रुका; उन्होंने बीच-बचाव करने आई वीरेंद्र की पत्नी और बहन की भी बेरहमी से पिटाई की। घटना के दौरान पूरे गांव में चीख-पुकार मच गई। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। **अस्पताल में भर्ती और कानूनी कार्रवाई** परिजनों द्वारा सभी घायलों को तत्काल सैदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर कर दिया। **नामजद तहरीरः** वीरेंद्र यादव ने इस मामले में पड़ोसी जयनाथ, उनके दो पुत्रों सर्वेश व दुर्गेश, बासूचक निवासी समीर सहित 9 अज्ञात लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। **थाना प्रभारी का बयानः** "तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।" — शैलेन्द्र सिंह, थाना प्रभारी, रामपुर मांझा

वर्ल्ड हैंड हाइजीन डे के अवसर पर "स्वच्छता ही सेहत,सेहत सही लाभ कई"

» स्मार्ट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में "सेहत सही लाभ कई" सेहत श्रृंखला के अंतर्गत सलाम नमस्ते सामुदायिक रेडियो द्वारा विशेष कार्यक्रम

समाचार भारत , बसन्त कुमार गुप्ता सलाम नमस्ते सामुदायिक रेडियो द्वारा ग्राम कनावनी,छलेरा एवं जैतवारपुर में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य लोगों को हाथ धोने के महत्व, संक्रामक रोगों से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक करना था। इस कार्यक्रम में समुदाय के सदस्यों ने भाग लेकर बताया कि—

नियमित रूप से हाथ धोना क्यों जरूरी है

कैसे छोटी-छोटी आदतें बड़ी बीमारियों से बचाव कर सकती हैं

स्वच्छता अपनाकर हम अपने परिवार और समाज को सुरक्षित रख सकते हैं

कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि— "स्वच्छ हाथ ही स्वस्थ जीवन की पहली सीढ़ी हैं।" यह पहल समाज में स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में।

जखनिया क्षेत्र की सड़कों के पुनर्निर्माण की मांग तेज

समाचार भारत, वेद प्रकाश पांडे संवाददाता

» विभिन्न मार्गों की बदहाल स्थिति को लेकर एसडीएम को सौंपा गया ज्ञापन, कार्य शुरू न होने पर आंदोलन की चेतावनी

जखनिया/गाजीपुर । क्षेत्र की जर्जर सड़कों के पुनर्निर्माण एवं चौड़ीकरण की मांग को लेकर मंगलवार को क्षेत्रीय नागरिकों एवं समिति के प्रतिनिधियों ने उप जिलाधिकारी जखनिया को दो अलग-अलग ज्ञापन सौंपे। ज्ञापन के माध्यम से रामसिंहपुर मोड़ से सीखड़ी मार्ग तथा जखनिया से शादियाबाद मार्ग के चौड़ीकरण एवं पुनर्निर्माण की मांग उठाई गई।प्रतिनिधियों ने बताया कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) प्रांतीय खंड गाजीपुर द्वारा दोनों सड़कों का स्टीमेट तैयार किया जा रहा है। इस संबंध में जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपेक्षा जताई गई है तथा मोबाइल फोन के माध्यम से वार्ता भी हुई है।दूसरे ज्ञापन में जखनिया-जहीं रायपुर मार्ग का मुद्दा उठाया गया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि उक्त सड़क का निर्माण वर्ष 2023 में पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन ठेकेदार कार्य अधूरा छोड़कर चला गया। उन्होंने कहा कि निर्माण पूर्ण करने के साथ-साथ चार वर्षों तक सड़क की मरम्मत की जिम्मेदारी भी संबंधित ठेकेदार की होती है।प्रतिनिधियों के अनुसार आरईएस विभाग के अधिशासी अभियंता द्वारा आश्वासन दिया गया है कि नए ठेकेदार के माध्यम से 15 जून से पहले कार्य शुरू करा दिया जाएगा। हालांकि समिति ने निर्माण कार्य शीघ्र शुरू न होने की स्थिति में सभी दलों एवं क्षेत्रीय लोगों को साथ लेकर जहीं रायपुर मार्ग पर धरना-प्रदर्शन एवं अनशन करने की चेतावनी दी है। समिति ने कहा कि ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।उप जिलाधिकारी जखनिया ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि दोनों ज्ञापनों को जिला प्रशासन को भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई के लिए अवगत कराया जाएगा।ज्ञापन सौंपने वालों में देवनारायण सिंह, बृजेश कुमार गौतम, चंद्रभान सिंह, धर्मेंद्र कुमार चतुर्वेदी, राम रतन राम, सर्वानंद चौबे एवं सुरेंद्र मोहन राजभर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

शौर्य सैनिक संगठन के साथ भू स्वामी ने न्याय के लिए एस.डी.एम सदर को दिया पत्रक

समाचार भारत ,राघव शर्मा रमन-संवाददाता

गाजीपुर। पूर्व सैनिक रामज्ञान सिंह यादव पुत्र बहुरन सिंह यादव निवासी ग्राम इस्लामाबाद थाना कोतवाली जिला गाजीपुर ने पत्रक के माध्यम से बताया है कि उनके विपक्षी केदार यादव,रामधारी यादव पुत्रगण स्व. खेदन यादव जो प्रार्थी के पट्टीदार हैं तथा एक सर्कस गोलबंद किस्म के व्यक्ति हैं|प्रार्थी के पिता बहुरन सिंह यादव स्थित मौज इस्लामाबाद परगना हुआ तहसील सदर जनपद गाजीपुर स्वामी है|लेकिन विपक्षीगण जबरदस्ती हम प्रार्थी की भूमि धरी की जमीन में कब्जा करने की नीयत से अज्ञात तथा गोलबंद किस्म के लोगों के साथ लेकर छप्पर रख दिया है|विगत 3 मई दिन रविवार को लगभग 11 दिन में विपक्षीगण गोलबंद हो बनाकर लाठी डंडी से लैस होकर हम प्रार्थी की भूमिहारी की जमीन के हिस्से की जबरदस्ती निर्माण करने लगे,जिसकी वजह से हम प्रार्थी व हमारे बेटे छोटे भाई पूर्व सैनिक ग्राम प्रधान रामज्ञान सिंह यादव भय के मारे मौके से दूर चले गये|उनकी पत्नी जसवंती देवी मौके पर पहुंचकर 112 नंबर की पुलिस को फोन किया पुलिस मौके पर आ गई और निर्माण कार्य को रोक दिया|इस घटना के संबंध में हम प्रार्थी थाना कोतवालीमें सूचना दिया था|इसके बाद भी विपक्षी साजिश कर विवादित आराजी नंबर 149 में गोल बंद होकर निर्माण कार्य शुरू किया था|प्रार्थी भयभीत है कि विपक्षिगण फिर किसी दिन निर्माण कार्य शुरू कर सकते हैं| जबकि प्रार्थी विवादित आराजी नंबर 149 में 1/2 अपने हिस्से के बाबत बंटवारा करने हेतु न्यायालय सिविल जज(जु. डी.)गाजीपुर मूल वाद संख्या 149/2025 बहुरन यादव बनाम केदार यादव आदि दाखिल किया है जो वि चाराधीन है|इसके बाद भी विपक्षी गण हम प्रार्थी को विवादित आराजी में हिस्सा नहीं देना चाहते हैं | पत्रक एसडीएम सदस्य रवीश कुमार गुप्ता को देते हुए ग्राम प्रधान एवं अध्यक्ष प्रधान संगठन सदर ब्लाक ग्राम ज्ञान सिंह यादव ने भाई व्यक्त करते हुए कहां की मौके पर कुछ भी हो सकता है एसडीएम सदर ने प्रार्थी को शांति व्यवस्था तथा न्याय का आश्वासन देकर वापस कर दिया|उनके साथ सूबेदार पी.एन.यादव, सुवेदार विशेषी सिंह कुशवाहा शौर्य चक्र, सुरेंद्र सिंह यादव जिला उपाध्यक्ष,सूबेदार मेजर मोहम्मद सोबराती,सूबेदार उमाशंकर यादव,सूबेदार ओमप्रकाश यादव नगर अध्यक्ष,रामध्यान यादव,रामज्ञान यादव,सूबेदार मेजर बुल्लू कुशवाहा, सूबेदार मेजर रामअवतार बिन्द,कैप्टन रमेश,हवलदार विनोद,सुबेदार हरगोविंद यादव आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे|

नहीं ढूंढते आ गिरता है सिर पर, प्रेम की चोट आजीवन है रहती

समाचार भारत , डॉक्टर एके राय

गाजीपुर। शहर के द प्रेसीडियम इंटरनेशनल स्कूल अष्टभुजी कॉलोनी के सभागार में आयोजित काव्य संगोष्ठी का शुभारंभ मां शारदा की प्रतिमा के समक्ष दीपार्चन और पुष्पार्चन से हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष आचार्य श्रीकांत पांडेय ने कहा कि कविता समस्या का समाधान नहीं दे सकती, लेकिन मनुष्य को संवेदनशील बनाकर समस्याओं के समाधान के लिए प्रेरित अवश्य कर सकती है। राजकीय डिग्री कॉलेज के प्राचार्य अरुण कुमार ने कहा कि, कविता को आदर्शवाद से दूर ले जाने की जरूरत है। जैसे युद्ध भयावह तो है लेकिन एक और दृष्टि से युद्ध पुनर्निर्माण की आहट भी है। राजनीत डिग्री कॉलेज के प्रवक्ता डॉ माधवम सिंह ने सभी कवियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि, तमाम वैचारिक अंतर्विरोधों के बावजूद यह मानना ही पड़ेगा कि हम पहले मनुष्य हैं। कवि गोष्ठी में गीतकार हरिशंकर पांडेय ने जीवन के यथार्थ का गीत "ज़िन्दगी बड़ी ये अनमोल सबकी/ धन -दौलत यहां रही किसकी,/मरण के बाद भी रहे ये जीवन / आओ कुछ ऐसा जतन कर लें।" सुनाया तो युवा कवि मनोज यादव बेफिक्र ने कहा कि, "किसी को अपने सपनों से इश्क़ था /और किसी को अपनों से इश्क़ था।/ये ज़िन्दगी की अजीब दास्ताँ है दोस्तों,/किसी को किसी के इश्क़ से इश्क़ था।" सुनाकर महफ़िल को जवां कर दिया। आलोचक माधव कृष्ण ने युद्ध की विभीषिका पर पढ़ा, "युद्ध ने किया ही क्या खून पीने के सिवा/चीख भूख अकाल लाशें महामारी और क्या/पेड़ पौधे नदी सागर हवा सब अनुकूल थे/आदमी जब से हुआ सब कुछ प्रदूषित हो गया।" कवयित्री पूजा राय ने प्रेम पर नई कविता पढ़ते हुए सबको रोमांचित किया, "नहीं ढूंढते आ गिरता है सिर पर/प्रेम का पत्थर ज़ोर से लगता है / प्रेम की चोट आजीवन रहती है साथ/ हम उसे साथ लिए घूमते हैं।" युवा व्यंग्यकार डॉ राम अवध कुशवाहा ने चमचों पर कटाक्ष कर हंसाया, "पूरी कायनात को यही आसन पसंद है, साफ कहूँ तो उन्हें भी चमचासन पसंद है/चमचे तो चमचे हैं चमचों के चमचों को/भी यही आसन पसंद है" गजलकार गोपाल गौरव पांडेय ने "कहीं मस्जिद कहीं शिवाला है/फिर भी दिखता नहीं उजाला है/दोष साकी का नहीं गौरव/तेरे हाथ में उल्टा प्याला है।" सुनाकर वाहवाही बटोरी। व्यंग्यकार आशुतोष श्रीवास्तव ने आज के साहित्यिक आयोजनों के चारित्रिक पतन पर करारा व्यंग्य कसा तो शालिनी श्रीवास्तव ने पढ़ा, "कश्तियों को बोल दो, भूल जायें सावनों को/बोल दो कटी पतंग को, ढूँढ लें नयी राहों को, और रिम्पू सिंह ने पढ़ा, "भूख और जीवन का/ सतत संघर्ष /दोनों में एक/झींना सा आवरण /जो अदृश्य है/नहीं दिखाई देता/खुली आँखों से।" संजय पाण्डेय ने भंडारा नामक पैरोडी गाकर लोगों को हंसाया तो वरिष्ठ कवि दिनेश चंद्र शर्मा ने वीर रस की कविता सुनाकर लोगों में राष्ट्रप्रेम जागृत किया। कवि प्रेम कुमार श्रीवास्तव ने बहुत संजीदा शेर पढ़े, "हमने झेले हैं दर्द इतने की दर्द हो गया हूं।/श्वास तक बिक चुकी और मैं कर्ज हो गया हूं।/सुनाऊं किसको गुजारा जो है जिंदगी में हमने,/तन ढांपने की फिराक में बेपर्द हो गया हूं।।" सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन माधव कृष्ण ने तथा धन्यवाद ज्ञापन दिनेश्वर दयाल ने किया।

केंद्र सरकार की गलत नीतियों के विरोध में बहुजन मुक्ति पार्टी का जिले पर धरना प्रदर्शन किया

समाचार भारत ,राघव शर्मा रमन-संवाददाता

गाज़ीपुर |जनपद के सरजू पांडेय पार्क पर बहुजन मुक्ति मोर्चा बीएमपी के सैकड़ो पदाधिकारीयो तथा कार्यकर्ताओं ने चन्द्रिका प्रसाद जिलाध्यक्ष बीएमपी के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया |बताते चलें कि वामन मेश्राम राष्ट्रीय संयोजक राष्ट्रीय परिवर्तन मोर्चा नई दिल्ली के नेतृत्व में राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध आंदोलन चल रहा है|इसमें बहुजन मुक्ति मोर्चा द्वारा केंद्र सरकार की गलत नीतियों के विरोध में तीन चरणों में देश के 625 जिलों में जिलाधिकारी कार्यालय पर राष्ट्रव्यापी आंदोलन किया जा रहा है|केंद्र सरकार द्वारा महंगाई,बेरोजगारी प्रतिदिन निर्माण की जा रही है|स्मार्ट मीटर द्वारा अधिकतम बिजली बिल उपभोक्ताओं पर थोपा जा रहा है|महंगे घरेलू गैस और कमर्शियल गैस एवं महंगे पेट्रोल डीजल से देश के बहुजन समाज के लोगों की आर्थिक कमर तोड़ने का संयोजित षड्यंत्र केंद्र सरकार द्वारा किया जा रहा है| कार्यकर्ताओं ने हाथ में लालटेन लेकर नारा लगाते हुए केंद्र सरकार की गलत नीतियों का विरोध करते हुए मांग किया|धरना प्रदर्शन के दौरान बीएमपी के जिला अध्यक्ष चंद्रीका प्रसाद ने कहा कि स्मार्ट मीटर पारदर्शी न होने से प्राइवेट कंपनियां इसे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं की तरह से इस्तेमाल कर रही है|स्मार्ट मीटर से लोगों के रोजगार छीने जा रहे हैं|स्मार्ट मीटर से सिम होने की वजह से बिजली की यूनिट को आसानी से बढ़ाया जा सकता है| सरकार की मदद से स्मार्ट मीटर के माध्यम से प्राइवेट कंपनियां जनता को लूट रही हैं|20रूपये कम बैलेंस होने पर से प्राइवेट कंपनी वाले तुरंत बिजली काट देते हैं|इसके अलावा उन्होंने कहा कि घरेलू गैस 1500 से लेकर 2000 तक और कमर्शियल गैस 2500 से लेकर 35 रुपए तक महंगा हो गया है| लोकतंत्र में लोगों को सुविधाओं को ध्यान में रखकर नीति बनाई जाती है|देश के प्रत्येक नागरिक को रोजी-रोटी,कपड़ा,मकान शिक्षा व्यवस्था एवं सुरक्षा मिलनी चाहिए,लेकिन वर्तमान सरकार गलत नीतियों के कारण आम जनता परेशान है| उन्होंने आगे कहा कि पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों से कर्मचारी किस श्रमिक युवा छात्रों को बहुत परेशानी हो रही है|केंद्र सरकार द्वारा 2026 में पेट्रोल डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी करने की सुनियोजित अधिकारी नीति पूर्ण कर नहीं जा सकता|अंत में उन्होंने सरकार से मांग किया कि स्मार्ट मीटर की जगह पारदर्शी मीटर लगाया जाए विद्युत सप्लाई के बगैर स्मार्ट मीटर द्वारा उपभोक्ताओं के ऊपर बिजली बिल थोपा गया है उसे बिजली बिल को पैसा उपभोक्ताओं को पुन वापस किया जाए स्मार्ट मीटर द्वारा बड़ी मात्रा में धांधली की गई है|जनता की आर्थिक लूट की गई |इसलिए स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट को अप्रूव करने वाले अध्यक्ष को और कैबिनेट पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए|घरेलू गैस 14.02 किग्रा रुपया 400 में और कमर्शियल गैस 19 किग्रा रुपया 700 में उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जाए कमर्शियल गैस की आपूर्ति के कारण जो होटल ढाबा और रेस्टोरेंट बंद है| इस संबंध होटल ढाबा और स्टूडेंट मालिकों को आर्थिक नुकसान की भरपाई की जाए|इस अवसर पर प्रमुख रूप से चंद्रिका प्रसाद,राम प्रसाद जी बहुजन मुक्ति मोर्चा मंडल अध्यक्ष डॉक्टर बीर दयाल,दशरथ भारती,राम आशीष,सत्येंद्र जी,दुलाएडवोकेट रिव्यू वंश की इत्यादि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे

बिरनो में बेखौफ चोरों का तांडवः घर में घुसकर युवक को पीटा, 15 लाख के गहने लेकर फरार का आरोप

समाचार भारत, लल्लन सिंह यादव संवाददाता

बिरनो (गाजीपुर)। थाना क्षेत्र के खरगपुर गांव में मंगलवार की देर रात बेखौफ चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम देकर पुलिसिया गश्त की पोल खोल दी है। चोरों ने न केवल छत के रास्ते घर में घुसकर लाखों के आभूषण पार किए, बल्कि विरोध करने पर गृहस्वामी के साथ बेरहमी से मारपीट कर उन्हें घायल भी कर दिया। छत के रास्ते दाखिल हुए हमलावर घटना पीड़ित उपेंद्र राजभर के घर की है। उपेंद्र लुधियाना में काम करते हैं और हाल ही में अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए घर आए थे। मंगलवार रात परिवार सो रहा था, तभी चोर छत के रास्ते घर में घुस आए। आहट होने पर जब उपेंद्र की नींद खुली, तो उन्होंने देखा कि दो नकाबपोश चोर दो ट्रॉली बैग लेकर भाग रहे हैं। विरोध करने पर जानलेवा हमला उपेंद्र ने हिम्मत दिखाते हुए शोर मचाया और चोरों का पीछा किया। खुद को घिरता देख चोरों ने पलटवार कर दिया और उपेंद्र के सिर व सीने पर प्रहार कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। इस छीना-झपटी में चोर एक ट्रॉली बैग तो वहीं छोड़ गए, लेकिन जिस बैग में कीमती आभूषण थे, उसे लेकर भागने में सफल रहे। बहन के शादी के गहने ले उड़े चोर पीड़ित परिवार के अनुसार, उपेंद्र की बहन सुषमा राजभर भी हाल ही में शादी के बाद मायके आई हुई थी और अपने सारे गहने साथ लाई थी। चोरी गए बैग मेंः पायल, मंगलसूत्र, नथिया मांगटीका, सोने की चेन और अन्य कीमती सामान इन आभूषणों की अनुमानित कीमत लगभग 15 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल घटना के बाद रात में ही 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित को सुबह 10 बजे थाने बुलाया। हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि 112 के अलावा अन्य कोई पुलिस टीम घटनास्थल के निरीक्षण के लिए नहीं पहुंची, जिससे लोगों में आक्रोश है। क्या कहती है पुलिस? इस मामले में थानाध्यक्ष बिरनो, अजय कुमार ने बताया कि पीड़ित की तरफ से तहरीर प्राप्त हुई है। फिलहाल चोरी गए गहनों की विस्तृत सूची का इंतजार है, जिसके आधार पर ही नुकसान का सही आकलन किया जा सकेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा कर चोरों को गिरफ्तार कर लेगी।

ग्रीष्म कालीन शिविर में नौनिहाल सीख रहे नवीन क्रियात्मक कौशल

समाचार भारत, डॉ एके राय

गाजीपुर। क्रिएटिव विजन सोसायटी द्वारा संचालित न्यू होराइजन एकेडमी, तुलसी सागर में शैक्षणिक सत्र के अंत में आयोजित ग्रीष्म कालीन शिविर में छात्र-छात्राएं भागीदारी निभा रहे हैं। 11 मई से आयोजित इस दस दिवसीय विशेष ग्शिविर में एकेडमी के छात्र-छात्राओं को शिक्षिकाओं तथा आमंत्रित विशेषज्ञों के सहयोग से सह-शैक्षणिक क्रियाकलाप व नवीन क्रियात्मक कौशल की सीख दी जा रही है। इस आयोजन में स्वेच्छया अभिरुचि रखने वाले छात्र-छात्राएं उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं जिन्हे शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य, खेल-कूद व समान्य व्यवहारिक शिक्षा से संबंधित क्रिया कलापों से परिचित कराया जा रहा है। इस विशेष शिविर में मुख्य रूप से बगैर ईंधन के स्वादिष्ट व पौष्टिक व्यंजन तैयार करने, क्राफ्ट, एरोबिक्स, संगीत, मिट्टी के खिलौने बनाने तथा विज्ञान के क्षेत्र में इलेक्ट्रिक लैंप व बिजली के पंखे बनाने की कला सिखाई जा रही है। इसके साथ ही बच्चे ताइक्वांडो, कांच पेंटिंग, पानी में नाव चलाना और फैशन शो प्रतियोगिता का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एकेडमी के निदेशक प्रो. अजय राय ने विशेष शिविर के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में छात्रों की तल्लीनता व उत्साहजनक भागीदारी पर कहा कि विद्यालयों में शैक्षणिक और पाठयक्रम आधारित शिक्षण के साथ ही को- करीकुलर एवं कौशल आधारित क्रियाकलापों को बढावा दिया जाना चाहिए। कहा कि इन कार्यक्रमों से हम छात्रों के व्यक्तित्व को परिष्कृत कर सकते हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती विभा राय के निर्देशन में आयोजित इस ग्रीष्मकालीन शिविर में श्रीमती सुनीता मिश्रा, श्रीमती सारिका राय, कनक राय, रंजना राय, अर्चना तिवारी, सना फातमा, कंचन श्रीवास्तव, रेनू राय, नीरज उपाध्याय, जकाउद्दीन खान, अनामिका श्रीवास्तव महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

'सत्यमयी मां की जल समाधि संपन्न '

समाचार भारत ,संवादाता रामसेवक मास्टर

बड़सरा गाजीपुर| आज दिनांक 11 मई 2026 ई ० वाराणसी भगवान श्री नागा बाबा की जयघोष के साथ स्वबोध आश्रम श्री ज्योतिर्धाम की उपशाखा पश्चिम बंगाल स्वबोध साधन केंद्र बन्दापानी की संचालिका ब्रह्मचारिणी सत्यमयीमाता की कल दिन में श्री मारकंडे महादेव की तीर्थ भूमि में पतित पावनी श्री गंगा मां की गोद में जल समाधि दे दी गई । स्वबोध आश्रम के द्वारा प्रवर्तित विश्व धर्म संदेश में दीक्षित साधकों द्वारा यह जल समाधि की अविस्मरणीय संपन्नता विधि पूर्वक संपन्न की गई जिसमें वाराणसी वह गाजीपुर जनपद के शिष्य समुदाय के अतिरिक्त पश्चिम बंगाल के अनेक जागरण दीपों के शताधिक साधक परिवार सम्मिलित रहे । स्वबोध आश्रम भूमि से प्रारंभ हुई इस समाधि यात्रा में नगर के प्रतिष्ठित जन समुदाय के साथ साधक वर्ग द्वारा बाबा शरण श्री गुरु शरण ऊंआनंदम् श्री गुरु शरण के गुरु मंत्र की मधुर ध्वनि हृदय को आंदोलन करते हुए गगन मंडल में गूंज रही थी। यात्रा आश्रम स्थल से परिक्रमा करते हुए संदहा होकर श्री मार्कंडेय तीर्थ क्षेत्र में पहुंची । जहां श्री कुंदन सिंह के नियोजन में श्री शंभू नाविक की नैया में श्रीमद् भगवत् गीता के नवम्अध्याय के अंतिम मंत्र मन मनाभव मत भक्तौ के स्मरण चिंतन पूर्वक श्री गुरुदेव प्रज्ञा पुरुष ओम श्री आनंद प्रभु के मार्गदर्शन में आदरणीय सत्यमयी मां को जल समाधि दी गई । गंगा तट विश्व धर्म के बंदेविश्व मातरम् की गूंज से भर उठा था। सभी ने श्रद्धा भाव से माता जी को पुष्पांजलि भेंट की और स्वबोध विश्व का सत्संग पूरा हो - पूरा हो कि जय ध्वनि के साथ समाधि यज्ञ को पूर्ण किया गया ।ज्ञातव्य है कि इस अवसर पर पूर्व नियोजित भंडारे की घोषणा करते हुए आश्रम का प्रबंधन करने वाली सुश्री सरोजिनी मां ने 14 मई में को होने वाले भंडारे में सभी साधकों के साथ सभी श्रद्धालु जनों को उपस्थित होने का निमंत्रण दिया और साथ ही दिनांक 12 ,13 और 14 मई के इस दिवसीय उपनिषद स्वाध्याय यज्ञ में सबके सम्मिलित होने का साग्रह निमंत्रण भी दिया। यज्ञ का समय प्रतिदिन अपराह्न ४ से 6:30 बजे सायं तक इस स्वाध्याय यज्ञ को संपन्न किया जाएगा । प्रत्येक मानव स्वबोध ज्ञान के इस पावन जीवन यज्ञ में सम्मिलित हो अपना जीवन कृतार्थ करें।- ओम आनंदम भगवान श्री नागा बाबा विजयते ।

गंगा में डूबा बुद्धपुर का मंगल 24 घंटे बाद भी नहीं मिला शव

समाचार भारत रिपोर्टर हरवंश राम ब्लॉक प्रभारी धानापुर

चंदौली। जिले के धानापुर क्षेत्र में गंगा नदी में डूबे युवक मंगल यादव का 24 घंटे बाद भी पता नहीं चलने से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। मंगलवार को ग्राम प्रधान मनोज उपाध्याय के नेतृत्व में ग्रामीणों ने धानापुर-चहनिया मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी सकलडीहा के उपजिलाधिकारी सहित उच्च अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। नायब तहसीलदार और प्रभारी निरीक्षक त्रिवेणी लाल सेन ग्रामीणों को समझाने का प्रयास करते रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि एसडीआरएफ और गोताखोरों की टीम लगातार तलाश अभियान चला रही है, लेकिन अब तक युवक का कोई सुराग नहीं मिला है। टीम द्वारा अपनी असमर्थता जताए जाने से लोगों में नाराजगी बढ़ गई। चक्काजाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने-बुझाने में जुटी रही। यह घटना सोमवार सुबह की है, जब बुद्धपुर गांव निवासी 18 वर्षीय मंगल यादव पुत्र किशुनदेव यादव अपने तीन साथियों के साथ भैंस लेकर गंगा नदी में स्नान करने गया था। स्नान के दौरान सभी युवक तैरकर गंगा नदी पार करने लगे। कुछ दूर जाने के बाद वे तेज धारा की चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि मंगल गहरे पानी में डूबने लगा। उसके साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए थे। पुलिस ने नाव और गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई थी। बाद में एसडीआरएफ/एनडीआरएफ टीम को भी बुलाया गया, लेकिन मंगलवार दोपहर तक युवक का पता नहीं चल सका। चक्काजाम की जानकारी मिलते ही सैयदराजा के पूर्व विधायक मनोज सिंह 'डब्लू' भी धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों पर मनमानी करने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि यदि अधिकारी समय रहते ध्यान देते, तो धरना देने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पीड़ित परिवार से नाव में तेल भरवाने के लिए पैसे लिए गए थे, जो उनके हस्तक्षेप के बाद वापस किए गए। पूर्व विधायक ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों पर पीड़ित परिवार से शोक संवेदना व्यक्त करने न पहुंचने को लेकर भी सवाल उठाए।

करोड़ों की लागत से बनी पानी की टंकी बनी शोपीस, सात साल बाद भी ग्रामीण प्यासे

समाचार भारत संवाददाता इमादुद्दीन अहमद

गाज़ीपुर/गहमर। जनपद के गहमर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत भतौरा गांव में सरकारी धन के दुरुपयोग और विभागीय उदासीनता का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहाँ जल निगम विभाग द्वारा वर्ष 2018 में निर्मित पानी की टंकी 7 साल बीत जाने के बाद भी ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में विफल रही है।

दावे निकले खोखलेः योजना कागजों तक सीमित ग्रामीणों के अनुसार, निर्माण के समय विभाग ने दावा किया था कि पाइपलाइन के जरिए गांव के हर घर में शुद्ध पानी पहुंचाया जाएगा। लेकिन हकीकत यह है कि आज तक यह योजना धरातल पर नहीं उतर पाई। करोड़ों की लागत से तैयार यह ढांचा अब केवल एक 'शोपीस' बनकर रह गया है। परियोजना स्थल पर अक्सर ताला लटका रहता है और वहां न तो कोई कर्मचारी तैनात मिलता है, न ही जिम्मेदार अधिकारी कभी सुध लेने पहुंचते हैं। दूषित पानी पीने को मजबूर ग्रामीण शुद्ध पेयजल के अभाव में ग्रामीण आज भी पुराने हैंडपंपों पर निर्भर हैं। ग्रामीणों ने बताया कि हैंडपंपों से निकलने वाला दूषित पानी पीने के कारण क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों का खतरा हमेशा बना रहता है।

ग्रामीणों का आक्रोशः "टंकी बने सात साल हो गए, लेकिन पाइप से एक बूंद पानी नहीं आया। ऐसा लगता है कि योजना का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य पूरा दिखाकर बजट खपाना था, आम जनता के लाभ से विभाग को कोई सरोकार नहीं है।" — अजीत सिंह यादव (प्रधान), योगेंद्रनाथ राय, रमेश राय व अन्य ग्रामीण

अधिकारियों का पक्ष

इस संबंध में जब भदौरा बीडीओ के.के. सिंह से बात की गई, तो उन्होंने मामले में अनभिज्ञता जताई। हालांकि, उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि: संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच के निर्देश दिए जाएंगे। रुकी हुई जलापूर्ति व्यवस्था को जल्द से जल्द शुरू करने का प्रयास किया जाएगा। मुख्य उपस्थित लोगः ग्राम प्रधान अजीत सिंह यादव, योगेंद्रनाथ राय, रमेश राय, रामप्रताप यादव और डीके गुप्ता समेत भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बीमारी से तंग आकर वृद्ध ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, क्षत-विक्षत हुआ शव

समाचार भारत गगन बरनवाल (संवाददाता)सैदपुर

गाजीपुर। नगर स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर मंगलवार दोपहर एक 70 वर्षीय वृद्ध ने चलती ट्रेन के सामने छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद शव के अवशेषों को एकत्र किया। मृतक की पहचान पक्का घाट निवासी नागेंद्र जायसवाल के रूप में हुई है।

हादसे का खौफनाक मंजरः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर के समय वाराणसी की तरफ से ट्रेन नंबर 22585 (बलिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस) आ रही थी। जैसे ही ट्रेन क्रॉसिंग के पास पहुंची, वहां मौजूद नागेंद्र जायसवाल अचानक ट्रैक पर कूद गए। आसपास के लोगों ने शोर मचाकर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन तब तक वह ट्रेन की चपेट में आ चुके थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि शव के चीथड़े करीब 50 मीटर दूर तक बिखर गए।

लोगों की संवेदनहीनता आई सामनेः घटना के बाद रेलवे क्रॉसिंग पर अफरा-तफरी मच गई। विचलित करने वाली बात यह रही कि पुलिस के पहुंचने से पहले ही ट्रैक से गुजरने वाले वाहनों के पहियों तले शव के अवशेष दबते रहे, जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने रेल पथ से अवशेषों को समेटकर कब्जे में लिया।

बीमारी से थे परेशानः शव के क्षत-विक्षत होने के कारण शिनाख्त में काफी समय लगा। अंततः पक्का घाट निवासी नागेंद्र जायसवाल के रूप में उनकी पहचान हुई। मृतक के पुत्र ने बताया किः वे लंबे समय से गंभीर बीमारियों से ग्रस्त थे और शारीरिक कष्ट बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे।इससे पहले भी वे आत्मघाती कदम उठाने का प्रयास कर चुके थे। मंगलवार को पुत्र उन्हें दुकान से घर छोड़कर आया था, लेकिन वे पीछे से चुपचाप रेलवे क्रॉसिंग पहुंच गए।

परिजनों में कोहरामः नागेंद्र जायसवाल अपने पीछे पत्नी पूनम और तीन पुत्रों समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

अखिलेश यादव के अनर्गल पोस्टर लगाने को सपाइयों मे भारी उबाल डीएम को सौंपा ज्ञापन

समाचार भारत अजित पाण्डेय

वाराणसी। वाराणसी मे विगत दिनो सपा प्रमुख अखिलेश यादव जी के अनर्गल तस्वीर (पोस्टर) लगाने के लेकर सपाईयो ने आज डीएम से मुलाकात कर रोष व्यक्त करते हुए पत्रक सौपा । सपा एम एल सीआशुतोष सिन्हा एवं जिला अध्यक्ष सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ पहलवान के नेतृत्व में मंगलवार को समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार से मुलाकात कर दो गंभीर मामलों को लेकर ज्ञापन सौपकर कार्रवाई की मांग उठाई पहला मामला समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के खिलाफ रामनगर क्षेत्र में लगाए गए अनर्गल पोस्टर का रहा, जबकि दूसरा मामला बरईपुर-कंदवा, चितईपुर क्षेत्र में 200 से अधिक गरीब एवं पिछड़े परिवारों के घरों को प्रशासन द्वारा ध्वस्त किए जाने से संबंधित रहा। समाजवादी

पार्टी के नेताओं ने जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में कहा कि रामनगर थाना क्षेत्र के पीएसी चौराहे के समीप कुछ शरारती तत्वों द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का आपत्तिजनक पोस्टर लगाकर समाज में वैमनस्य फैलाने तथा समाजवादी पार्टी की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया। मामले की जानकारी मिलते ही समाजवादी कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और पोस्टर हटवाकर स्थानीय थाना रामनगर में तहरीर दी। नेताओं ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग की। वहीं दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी द्वारा सौंपे गए पत्र में आरोप लगाया गया कि दिनांक 7 एवं 8 मई 2026 को बरईपुर-कंदवा, चितईपुर क्षेत्र में नगर निगम एवं भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर कार्रवाई करते हुए 6 से 7 बस्तियों में रहने वाले 200 से अधिक परिवारों के घरों और झोपड़ियों को ध्वस्त कर दिया गया। ज्ञापन के अनुसार प्रभावित परिवारों का दावा है कि उनके पास जमीन से जुड़े आवश्यक दस्तावेज होने के बावजूद बिना पर्याप्त सूचना और सुनवाई के यह कार्रवाई की गई। सपा नेताओ ने डीएम से एक स्वर मे कहा कि बुलडोजर की कार्रवाई के दौरान महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा तथा 50 से अधिक मेहनतकश परिवारों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया। सपा के सपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा "विश्वकर्मा " एवं प्रवक्ता संतोष यादव एडवोकेट "बबलू" एवं अन्य नेताओ ने आरोप लगाया कि प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में भय और तनाव का माहौल व्याप्त है। सपा नेताओ ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा गरीब, पिछड़े, मजदूर एवं वंचित समाज की आवाज उठाती रही है। उन्होंने कहा कि एक ओर समाजवादी नेतृत्व को बदनाम करने के लिए आपत्तिजनक पोस्टर लगाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गरीब परिवारों को बेघर कर उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। सपा विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा ने डीएम से कहा कि यदि पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिला और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की छवि खराब करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक आंदोलन के लिए बाध्य होगी। डीएम सत्येंद्र कुमार ने सपा नेताओ की शिकायत पर आश्वस्त करते हुए कहा कि दोनो मामलो की निष्पक्ष जॉच कराकर दोषियो पर कार्रवाई की जायेगी । डीएम सत्येंद्र कुमार ने सपा नेताओ से अनर्गल पोस्टर लगाए जाने वालो की विडियो उपलब्ध कराए जाने की मांग की जिसपर सपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा "विश्वकर्मा " ने डीएम सत्येंद्र कुमार को विभिन्न स्थानो लगाये गए अनर्गल पोस्टर की विडियो तुरन्त उपलब्ध करा दी गई। पत्रक सौंपने वालो मे प्रमुख रूप सपा एम एल सीआशुतोष सिन्हा,सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव उर्फ लक्कड पहलवान,सपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा "विश्वकर्मा " दक्षिणी विधान सभा के पूर्व प्रत्याशी किशन दीक्षित,कैन्ट विधान सभा की पूर्व प्रत्याशी पूजा यादव,प्रवक्ता संतोष यादव एडवोकेट "बबलू" ,व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रदीप जायसवाल,हारून अंसारी, सुभाष राजभर, दिलशाद अहमद "डिल्लू " संदीप मिश्रा,आनंद यादव,राजकुमार यादव, आदि लोग उपस्थित थे ।

प्रशासन का बड़ा एक्शन, 36 शिकायतों का निस्तारण कर 0.278 हेक्टेयर सरकारी भूमि कराई मुक्त

समाचार भारत गगन बरनवाल, संवाददाता

सैदपुर, गाजीपुर। जिलाधिकारी के सख्त निर्देशों के अनुपालन में तहसील प्रशासन ने भू-माफियाओं और अवैध अतिक्रमणकारियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शिकायतों के त्वरित निस्तारण और सरकारी भूमि को सुरक्षित करने के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत प्रशासन ने बड़ी सफलता हासिल की है।

पांच संयुक्त टीमों का गठन अभियान को प्रभावी बनाने के लिए राजस्व, पुलिस और विकास विभाग की पांच संयुक्त टीमें गठित की गईं। इन टीमों का नेतृत्व संबंधित नायब तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी और थाना प्रभारियों को सौंपा गया।

मौके पर हुई कार्रवाई के मुख्य बिंदुः

शिकायतों का निस्तारणः टीमों ने विभिन्न गांवों का दौरा कर कुल 36 शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया।

अतिक्रमण मुक्त भूमिः कार्रवाई के दौरान लगभग 0.278 हेक्टेयर सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया।

न्यायालय के आदेशों का पालनः न्यायालय द्वारा पारित 15 पुराने आदेशों का धरातल पर अनुपालन सुनिश्चित कराया गया।

प्रभावित क्षेत्रः यह अभियान मुख्य रूप से विक्रमपुर, सिहोरी, कुसम्ही खुर्द, पहलवानपुर, सिधौना, माहपुर और हीरानंदपुर गांवों में चलाया गया।

अधिकारियों का रुख

नोडल अधिकारी व नायब तहसीलदार अजय वर्मा ने बताया कि कई मामले लंबे समय से लंबित थे, जिन्हें संयुक्त टीमों ने आपसी सहमति और विधिक प्रक्रिया के जरिए सुलझाया। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहाः "सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कब्जामुक्त कराई गई भूमि को राजस्व अभिलेखों में सुरक्षित दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जनता की समस्याओं के समाधान के लिए ऐसे अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे।" इस कार्रवाई से अवैध कब्जा करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है, वहीं आम जनता ने प्रशासन के इस त्वरित कदम की सराहना की है।

दिव्य देवी दरबार आश्रम के महंत जगदीश्वरानंद महाराज जी हुए ब्रह्मलीन

आध्यात्मिक जगत स्तब्ध, महंत जी के निधन से संत समाज को गहरा आघात, शोक में डूबे श्रद्धालु

समाचार भारत सुमित त्रिपाठी

वाराणसी। जंसा थाना क्षेत्र के समीप दिव्य देवी दरबार आश्रम के पूज्य महंत 1008 श्री दंडी स्वामी श्री जगदीश्वरानंद महाराज जी (84) 12 मई 26 दिन मंगलवार को अपराह्न लगभग 2.45 बजे ब्रह्मलीन हो गए। ब्रह्मलीन होने से संत समाज,श्रद्धालुओं एवं समस्त क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। स्वामी श्री श्री जगदीश्वरानंद महाराज जी एक महान संत, तपस्वी एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन धर्म, सेवा, साधना एवं मानव कल्याण के कार्यों में समर्पित

कर दिया। उनके श्रीमुख से निकले वचन हजारों भक्तों के लिए प्रेरणा एवं जीवन-पथ का प्रकाश बने रहे। वे सदैव सनातन धर्म की मर्यादा, वैदिक परंपरा तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण हेतु समर्पित रहे। दिव्य देवी दरबार आश्रम को उन्होंने केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि श्रद्धा,सेवा और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बनाते हुए मां विंध्यवासिनी जी का नव्य, भव्य, दिव्य मंदिर बनवा कर उन्हें मंदिर में स्थापित भी किया। महंत जी के सान्निध्य में असंख्य लोगों ने आत्मिक शांति एवं धर्ममार्ग का अनुभव किया। उनका स्नेह, सरलता, करुणा और अनुशासन सदैव भक्तों के हृदय में अमिट स्मृति के रूप में जीवित रहेगा। आज उनका देहावसान समस्त भक्तजनों के लिए अपूरणीय क्षति है, किन्तु उनके द्वारा दिए गए आध्यात्मिक संस्कार एवं सदैव समाज का मार्गदर्शन करती रहेंगी। ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल श्रद्धालुओं एवं भक्त परिवार को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति दें। महंत जी के ब्रह्मलीन होने की सूचना मिलते ही आश्रम के प्रमुख पुजारी श्री नागेश पांडे, मंदिर के पुजारी श्री भोलानाथ पांडे, श्री उदय शंकर सिंह, श्री आशीष दुबे,श्री योगेश दुबे, श्री प्रमोद सिंह श्री राजेश जायसवाल सहित भारी संख्या में श्रद्धालु आश्रम पर पहुंच कर उनका अंतिम दर्शन किए।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' पर आध्यात्मिक संगोष्ठी

समाचार भारत संजना वर्मा

वाराणसी |
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 2026' के अंतर्गत एक भव्य 'आध्यात्मिक संगोष्ठी' का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग और भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में इस कार्यक्रम में देश भर के प्रख्यात संतों, आचार्यों और शिक्षाविदों ने भारतीय सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय स्वाभिमान पर मंथन किया।

सोमनाथ राष्ट्र की अजेय आत्मा का प्रतीकः योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारतीय सांस्कृतिक पुनर्जागरण का उत्सव है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सोमनाथ मंदिर इस बात का जीवंत प्रमाण है कि किसी राष्ट्र की आत्मा को कभी पराजित नहीं किया जा सकता। आज की वैश्विक चुनौतियों

▪ भारतीय ज्ञान परंपरा ही विश्व को दिखाएगी राह

के बीच भारत का आध्यात्मिक संदेश पूरी मानवता के लिए कल्याणकारी सिद्ध होगा।

ज्ञान परंपरा और आधुनिकता का संगम जरूरी प्रो. चतुर्वेदी बीएचयू के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि आत्मविश्वास और स्वाभिमान ही किसी राष्ट्र के विकास की नींव हैं। उन्होंने ज्योतिष, गणित और धर्मशास्त्र में भारत के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि हमें अपनी पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक संदर्भों के साथ जोड़कर नई पीढ़ी तक पहुँचाना होगा।

संतों ने दिया सांस्कृतिक पुनर्जागरण का मंत्र स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति केवल भौतिकता नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना का मार्ग है। विश्वविद्यालयों को संस्कारों के पुनर्जागरण का केंद्र बनना होगा। योग ऋषि स्वामी रामदेवः उन्होंने भारत की 'धर्मशक्ति' को सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि ऋषियों की तपस्या ही समाज को ज्ञान और संयम का मार्ग दिखाती है। स्वामी चिदानन्द सरस्वतीः उन्होंने अहिल्याबाई होल्कर और सरदार पटेल जैसी विभूतियों को याद करते हुए इसे 'सनातन स्वाभिमान' का पर्व बताया। स्वामी जितेन्द्रानन्द सरस्वती उन्होंने 'मंदिर केंद्रित अर्थव्यवस्था' पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे मंदिर सदियों से रोजगार और सामाजिक संगठन के आधार रहे हैं।

शिक्षाविदों ने 'ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था' पर दिया जोर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ए.के. त्यागी ने भारत को 'ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था' बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारीलाल शर्मा और श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत वि.वि. के कुलपति प्रो. मुरली मनोहर पाठक ने भी संस्कृत और शास्त्रों के माध्यम से स्वाभिमान जगाने का आह्वान किया।

ये रहे उपस्थितः ब्रजभूषण ओझा और सह-समन्वय प्रो. विनय कुमार पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर जगद्गुरु वासुदेवाचार्य विद्याभास्कर, मिथिलेश नन्दिनी शरण जी महाराज, छात्र अधिष्ठाता प्रो. रंजन कुमार सिंह, कला संकाय प्रमुख प्रो. सुषमा घिल्डियाल सहित भारी संख्या में शिक्षक, छात्र और गुरुकुलों के विद्यार्थी मौजूद रहे।

सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष समेत कई लोगों पर अवैध कब्जा और रंगदारी का मुकदमा दर्ज

समाचार भारत

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में सीपरी बाजार थाना पुलिस ने समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष महेश कश्यप सहित आधा दर्जन लोगों के खिलाफ अवैध कब्जा, चोरी, रंगदारी, मारपीट और धमकी देने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला जमीन विवाद से जुड़ा हुआ है। नई दिल्ली के कैम्पस विलेज निवासी डॉ. स्मिता पांडे ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने 24 अप्रैल 2014 को शहर कोतवाली क्षेत्र के पुरानी सराय शिया मस्जिद निवासी कला देवी उर्फ कुसुम से नयागांव स्थित एक प्लॉट खरीदा था। रजिस्ट्री के बाद वह प्लॉट पर निर्माण कार्य कराने के लिए ईंट, बालू और सीमेंट सहित अन्य सामग्री लेकर पहुंचीं। आरोप है कि उसी दौरान महेश कश्यप, रमेश रायकवार और अन्य लोग मौके पर पहुंचे तथा न्यायालय में स्टे होने की बात कहकर निर्माण कार्य रुकवा दिया।पीड़िता के अनुसार उन्होंने निर्माण कार्य रोक दिया और प्लॉट विक्रेता से संपर्क किया। बाद में आसपास के लोगों से जानकारी मिली कि मौके पर रखी निर्माण सामग्री आरोपियों द्वारा उठा ली गई और अपने निर्माण कार्य में इस्तेमाल कर ली गई। डॉ. स्मिता पांडे का आरोप है कि स्टे हटने के बाद भी वह वर्षों तक प्लॉट की देखरेख करती रहीं। फरवरी 2026 में उन्हें जानकारी मिली कि उसी जमीन पर जेसीबी चलाकर कब्जा किया जा रहा है और दाखिल-खारिज भी करा लिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कोर्ट में उन्हें गैरहाजिर दिखाकर एकपक्षीय कार्रवाई कराई गई। पीड़िता का कहना है कि महेश कश्यप, कलावती, प्रहलाद, रमेश रायकवार समेत अन्य लोगों ने उनसे तीन लाख रुपये की रंगदारी मांगी और विरोध करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। उनका आरोप है कि यह लोग संगठित गिरोह बनाकर जमीन खरीदने वालों को ब्लैकमेल करते हैं।

सारे आरोप निराधार : महेश कश्यप

वहीं महेश कश्यप ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि वह शिकायतकर्ता महिला को जानते तक नहीं हैं और राजनीतिक षड्यंत्र के तहत उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है।

लखनऊ गाजीपुर वाराणसी बलिया मऊ आजमगढ़ मिर्जापुर सोनभद्र जौनपुर चंदौली भदोही से प्रकाशित समाचार भारत
आर. एन.- उत्तर प्रदेश-30-0062085/63910 न्यूज़ एजेंसी मुद्रक तथा प्रकाशक आर. पी. एस मो. 8009228098-e-mail samacharbharatgzp@gmail.com